नवबिहार टाइम्स

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

साहिबगंज के उधवा पक्षी अभयारण्य में दिखा दुर्लभ प्रवासी पक्षी पलास गल

• बोकारो, शुक्रवार 12 दिसम्बर 2025 • वर्ष : 09 • अंक : 205 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

संक्षिप्त समाचार

सड़क हादसे में अधेड़ की मौत

गोड्डा (नबिटा ब्यूरो)। जिले के महागामा थाना क्षेत्र अंतर्गत शीतल-नयानगर मुख्य मार्ग पर गुरुवार को एक सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। शीतल गांव निवासी मोहम्मद इसराइल को एक जेसीबी/सड़क रोलर ने कुचल दिया जिससे उनकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। मृतक अपने परिवार के एकमात्र कमाऊ सदस्य थे। वह प्रतिदिन की तरह सुबह साइकिल से नयानगर चौक की ओर जा रहे थे। पानी टंकी के पास अचानक तेज रफ्तार निर्माण कार्य में लगे वाहन ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया।

अवैध पत्थर खनन मामले में सरकार को सुप्रीम झटका

रांची(नबिटा ब्यूरो)। सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड में अवैध पत्थर खनन मामले में झारखंड सरकार द्वारा दायर एसएलपी को खारिज कर दिया है। यह एसएलपी राज्य सरकार ने झारखंड में अवैध पत्थर खनन मामले की जांच सीबीआई को सौंपने के झारखंड हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ दायर की थी। इस मामले की सुनवाई जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस आलोक आराधे की पीठ ने की। याचिका पर सुनवाई के बाद पीठ ने झारखंड सरकार की दलील को स्वीकार नहीं किया।

जंगली हाथियों ने युवक को कुचलकर मार डाला

रांची(नबिटा ब्यूरो)। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले के मझगांव में जंगली हाथियों ने एक 24 साल के युवक को कुचलकर मार डाला। घटना गुरुवार को 11:00 बजे के आसपास हुई, जब झारखंड-ओडिशा की सीमा पर मौजूद हाथियों के झुंड को आसपास के ग्रामीण भगा रहे थे। वहां बड़ी संख्या में युवक मौजूद थे। हाथियों को खदेड़े जाने के बाद वे सभी वहां से भागे लेकिन राजू पुरती को एक हाथी ने कुचल डाला।

रंगदारी नहीं देने पर कपड़ा कारोबारी की हत्या

बेगूसराय(नबिटा ब्यूरो)। वीरपुर थाना क्षेत्र के बहरबन्नी गांव के समीप गुरुवार की सुबह अपराधियों ने कपड़ा कारोबारी की गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान मोहम्मद शहजाद (25) के रूप में हुई है। शहजाद की छह महीना पहले शादी हुई है। परिजनों का कहना है कि अपराधी इसी गांव का रहने वाला है। पंकज कुमार के साथ उसके दो और साथी विजय पासवान और कन्हैया सहनी ने वारदात को अंजाम दिया है। मेरे भाई से रंगदारी मांगी गई थी। रंगदारी नहीं देने पर हत्या की गई है।

फरार नक्सली मोतीलाल किस्कु गिरफ्तार

जमुई(नबिटा ब्यूरो)। बिहार एसटीएफ की विशेष टीम ने जमुई पुलिस के सहयोग से गुरुवार को चिहरा थाना क्षेत्र में छापेमारी कर 20 साल से फरार नक्सली मोतीलाल किस्कु उर्फ चुन्ना किस्कु को गिरफ्तार कर लिया है। मोतीलाल की गिरफ्तारी चिहरा थाना अंतर्गत हरणी स्थित उसके गांव से हुई है।

झारखंड को सहयोग नहीं करते केंद्र सरकार के मंत्री : दीपिका

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र में प्रश्नकाल के दौरान नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने केंद्र सरकार द्वारा अलग-अलग मद में राशि निर्गत नहीं करने के सत्ता पक्ष के आरोपों पर सवाल खड़े किए हैं। साथ ही सुझाव भी दिए। उन्होंने 15वें वित्त आयोग की बकाया राशि का मामला उठाया। इसपर ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने दो टूक कहा कि केंद्र सरकार के मंत्री झारखंड को सहयोग नहीं करते हैं। सारी शर्तें पूरी करने के बाद भी वित्तीय वर्ष 2024-25 के 1,385 करोड़ राशि केंद्र सरकार नहीं दे रही है। ग्रामीण विकास विभाग की मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष बरगलाने की कोशिश कर रहे हैं। दरअसल, राज्य सरकार की तरफ से कोई कमी नहीं है। पंचायती राज मंत्रालय की सारी शर्तें पूरी की जा चुकी है। दूरभाष पर तो फंड जारी करने का भरोसा तक मिल चुका था। फिर भी आजतक राशि नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि पंचायती राज मंत्रालय की ओर से वित्तीय वर्ष 2024-25 में 15वें वित्त आयोग की राशि करीब 2,700 करोड़ प्राप्त करने के लिए कुछ शर्तें रखी थी। जिसके तहत 2023-24 की हस्तांतरित राशि का जीटीसी (ग्रांट ट्रांसफर सर्टिफिकेट) पंचायती राज मंत्रालय, भारत सरकार को भेजना था। यह 2024-25 के लिए था। इसके अलावा 2024-25 का अनुदान प्राप्त करने के लिए स्टेट फाइनांस कमीशन का गठन किया जाना था। इस मद की राशि पंचायतों को हस्तांतरित करते हुए जीटीसी उपलब्ध कराना था। इन चारों शर्तों को 20-05-2025 को पूरा कर लिया गया था। उन्होंने कहा कि शर्तें पूरी करने के बाद भी मंत्रालय ने नई शर्तें लगा दी गई। 14वें वित्त आयोग मद की शेष राशि को 15वें वित्त आयोग मद की प्राप्त होने वाली राशि से 10 प्रतिशत से कम होने की शर्त रखी गई। जिसका कोई औचित्य नहीं था। क्योंकि यह राशि पंचायतों के खाते में थी। झारखंड सरकार ने अनुरोध कर ई-ग्राम स्वराज पोर्टल को खुलवाया और पुराने लायबिलिटी का विकल्प खुलवाते हुए राशि को 10 प्रतिशत से नीचे लाने का भी काम पूरा किया। उसके बाद पंचायती राज मंत्रालय से 15वें वित्त की राशि की दोबारा मांग की गई। इसको लेकर पंचायती राज मंत्रालय ने 24 नवंबर 2025 को पत्र के जरिए सूचित किया कि झारखंड सरकार द्वारा दी गई सूद की राशि ई-ग्राम स्वराज पोर्टल के रिवर्स रिसिट इंफॉर्मेशन रिपोर्ट में दिखाई नहीं दे रहा है जबकि इसके लिए पोर्टल में कोई ऑप्शन ही नहीं था। मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि उन्होंने खुद सचिव के साथ 4 सितंबर को मंत्रालय के सचिव वीरेंद्र भारद्वाज से मुलाकात की। लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला। ऐसे में फिर सहयोग की बात कैसे की जा रही है। अफसोस है कि नेता प्रतिपक्ष को सही जानकारी नहीं दी गई है। राज्य सरकार ने 15वें वित्त की राशि के लिए सारी अहर्ताएं पूरी की है।

आदिवासी समाज की उन्नति सर्वोच्च प्राथमिकता : हेमंत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। आदिवासी समाज की उन्नति, सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक क्षेत्र में प्रगति हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। यह बात गुरुवार को झारखंड विधानसभा में असम से आए आदिवासी समन्वय समिति के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात के दौरान कही। मुलाकात के दौरान असम में रह रहे आदिवासी समुदाय की समस्याओं, उपेक्षा और उनकी वर्तमान स्थिति पर विस्तार से चर्चा हुई। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल को भरोसा दिलाया कि झारखंड सरकार उनके हक-अधिकार, पहचान, संस्कृति और परंपरा की रक्षा के लिए हर स्तर पर सकारात्मक पहल करेगी। श्री सोरेन ने कहा कि जल्द ही झारखंड सरकार का एक प्रतिनिधिमंडल असम जाकर ज़मीनी स्थिति का आकलन करेगा। उन्होंने कहा कि चाय बागानों में कार्यरत आदिवासी समुदाय को एसटी दर्जा, उचित दैनिक वेतन, और भूमि संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए हम प्रतिबद्ध हैं।

सरकार के मंत्री व नेता प्रतिपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। शीतकालीन सत्र के दौरान नेताओं के तीखे बोल अंतिम कार्य दिवस के दिन भी देखने को मिले। सदन के बाहर सरकार के मंत्री और जेएमएम नेता सुदिव्य कुमार ने नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी पर हमला बोलते हुए कहा कि उन्हें काउंसिलिंग की जरूरत है क्योंकि बाबूलाल जी को रात में हेमंत सरकार और सुबह उठते हैं तो हेमंत सोरेन नजर आते हैं। रात दिन हेमंत सरकार के खिलाफ अनर्गल आरोप बाद में असत्य साबित हो जाता है। उन्होंने कहा कि सीजीएल परीक्षा को लेकर बाबूलाल जी ने कई बार तरह-तरह के आरोप लगाए मगर हाईकोर्ट ने सरकार के द्वारा आयोजित परीक्षा को सही मानते हुए इस पर मुहर लगाने का काम किया। इसलिए ईश्वर बाबूलाल जी को ऐसी सद्बुद्धि दे जो ऐसी बातें करें जिससे राज्य की जनता को लाभ मिल सके। एक सवाल के जवाब में सुदिव्य कुमार ने कहा कि घंटी आधारित शिक्षकों को प्रतिवर्ष एक अंक मिलेगा इस तरह से अधिकतम पांच वर्षों के शिक्षण के लिए पांच अंक उन्हें मिलेगा। भविष्य में होने वाली बहाली में उन्हें प्राथमिकता मिलेगी। इधर नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने विपक्ष पर हमला बोलते हुए कहा है कि यह लोग क्या बात करेंगे। यह लोग देश का सम्मान नहीं करते। किस तरह से वंदे मातरम पर उनके नेता ने बात की है वह सार्वजनिक हो चुका है। कांग्रेस के विधायक वंदे मातरम को देशद्रोह मानते हैं और इसे वह मानने को तैयार नहीं हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष को समझना चाहिए कि देश की जनता अब जाग चुकी है। अब 1947-48 के समय का देश नहीं है। उन्होंने कहा कि यह स्वाभिमान की बात है कि वंदे मातरम हम गाते हैं और हर देशवासियों को इसे गाना चाहिए और इसका सम्मान करना चाहिए।

एनआइए ने दंत चिकित्सक के आवास पर मारा छापा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। जिले में गुरुवार को उस समय हड़कंप मच गया जब दंत चिकित्सक डॉ. जमील के आवास पर अचानक दो से तीन गाड़ियों में पहुंची पुलिस और केंद्रीय एजेंसियों की टीम ने घर को चारों तरफ से घेर लिया। शुरुआती जानकारी जुटाने पर पता चला कि यह कार्रवाई राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की है जो एक आतंकी संगठन से जुड़े मामले की जांच के सिलसिले में यहां पहुंची है। सूत्रों के मुताबिक यह छापा हजारीबाग में सक्रिय आतंकी नेटवर्क, उसके संपर्कों और संभावित टेरर फंडिंग मॉड्यूल की जांच का हिस्सा है। कार्रवाई की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि 200 से अधिक सुरक्षाकर्मी मौके पर तैनात रहे और पूरे क्षेत्र को घेरकर पेलावल इलाके को पुलिस छावनी में बदल दिया गया। यह इलाका इससे पहले भी सुर्खियों में रह चुका है क्योंकि यहां से आइएसआइएस से जुड़े संदिग्धों की गिरफ्तारी हो चुकी है। जांच एजेंसी को संदेह है कि डॉ. जमील का संबंध देशभर में आतंकी संगठनों के लिए भर्ती और लॉजिस्टिकल सपोर्ट मुहैया कराने वाले नेटवर्क से हो सकता है। फिलहाल एनआईए ने डॉ. जमील को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। टीम उनके घर से लैपटॉप, मोबाइल और कई अहम दस्तावेज जब्त की है ताकि टेरर फंडिंग के पूरे नेटवर्क की परतें खोली जा सकें। हालांकि यह कार्रवाई किस विशेष मामले से जुड़ी है, इस बारे में अभी तक एजेंसी की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। सूत्रों के अनुसार यह कार्रवाई संदिग्ध आतंकी शाहनवाज आलम से जुड़े नेटवर्क की पड़ताल को लेकर की जा रही है जिसकी गिरफ्तारी अक्टूबर 2023 में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने की थी। टीम घर के भीतर मौजूद लोगों से लगातार पूछताछ कर रही है और कई अहम सवाल पूछे जा रहे हैं। छापेमारी के दौरान टीम घर से एक प्रिंटिंग मशीन बरामद करके अपने साथ ले गई। इससे जांच एजेंसियों को शक है कि वहां किसी प्रकार के दस्तावेज, पोस्टर या आपत्तिजनक सामग्री की प्रिंटिंग की जा रही होगी।

जम्मू-कश्मीर में कोडरमा का लाल सुजीत सिंह शहीद

कोडरमा (नबिटा ब्यूरो)। देश सेवा की भावना से ओत-प्रोत झारखंड के कोडरमा जिले के मरकच्चो प्रखंड के देवीपुर निवासी सुजीत कुमार सिंह (27 वर्ष) जम्मू-कश्मीर में ड्यूटी के दौरान शहीद हो गए। उनके शहीद होने की पुष्टि बड़े भाई और सीआरपीएफ जवान विकास कुमार ने की है। जानकारी के अनुसार सुजीत जम्मू-कश्मीर में पोस्टेड थे। बीती रात परिजनों को फोन पर अचानक सूचना मिली कि सुजीत कुमार सिंह शहीद हो गए हैं। परिजनों के अनुसार रात 9:55 बजे उनकी अंतिम बार घर से बात हुई थी जबकि 11 बजे शहादत की खबर मिली। बताया जा रहा है कि सुजीत की लगभग छह माह पहले ही शादी हुई थी और उनकी पत्नी फिलहाल मायके में हैं। शहादत की खबर मिलते ही परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। घर में कोहराम मचा है और सांत्वना देने वालों की भीड़ लगी हुई है। पार्थिव शरीर आने के बाद पूरे सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया जाएगा।

केंदुआडीह गैस रिसाव की जांच तेज

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

धनबाद। जिले के केंदुआडीह थाना क्षेत्र में पिछले नौ दिनों से जारी कार्बन मोनाऑक्साइड गैस रिसाव की घटना की जांच तेज कर दी गई है। गुरुवार को सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट लिमिटेड (सीएमपीडीआइ) रांची की एक विशेष टीम ने इलाके में पहुंचकर ड्रोन तकनीक से विस्तृत माप शुरू की। इसी बीच झारखंड मुक्ति मोर्चा की केंद्रीय टीम ने भी प्रभावित क्षेत्र का जायजा लिया। सीएमपीडीआइ टीम का नेतृत्व जियोलॉजी मैनेजर भुवनेश कुमार गुप्ता कर रहे हैं। भुवनेश गुप्ता ने बताया कि ड्रोन से दो तरह के महत्वपूर्ण डेटा जुटाए जा रहे हैं। पहला, इलाके के तापमान का विश्लेषण किया जा रहा है ताकि सामान्य से अधिक तापमान वाले स्थानों की पहचान हो सके। वर्तमान में अधिकतम तापमान 22 से 25 डिग्री सेल्सियस है। अधिक तापमान गैस रिसाव या भू-गतिविधि की संभावना को बढ़ाता है। दूसरा ड्रोन आबादी, घरों की संख्या और उनकी स्थिति का डेटा भी इकट्ठा कर रहा है जिससे संभावित खतरे वाले क्षेत्रों की पहचान में मदद मिलेगी। भुवनेश गुप्ता ने बताया कि आकलन की सटीकता के लिए यह मेजरमेंट दोबारा भी किया जाएगा। अंतिम रिपोर्ट आने में 15 से 20 दिनों का समय लगेगा। गैस रिसाव के नौवें दिन भी इलाके की स्थिति गंभीर बनी हुई है। विशेषज्ञों की टीम रोजाना गैस की मात्रा की जांच कर रही है। बीसीसीएल ने निर्देश दिया है कि जांच रिपोर्ट प्रतिदिन अपडेट की जाए और उसे स्थल पर लगे पोस्टरों पर अंकित किया जाए। वहीं झामुमो के जिलाध्यक्ष लखी सोरेन ने स्थिति को बेहद खराब बताया। उन्होंने कहा कि कई परिवार परेशानी में हैं और गैस के कारण अब तक दो लोगों की मौत हो चुकी है। लखी सोरेन ने बीसीसीएल पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि कंपनी कोयला उत्पादन में तो सक्रिय है लेकिन गैस नियंत्रण और सुरक्षा सुनिश्चित करने में विफल रही है। झामुमो की केंद्रीय टीम ने भी आज प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण किया। टीम ने आरोप लगाया कि बीसीसीएल मनमानी कर रही है और हालात नियंत्रण में नहीं हैं। उन्होंने बंद माइंस को खोलने और फैन चालू कर गैस को नियंत्रित करने की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया। टीम इस संबंध में एक रिपोर्ट तैयार कर मुख्यमंत्री को सौंपेगी।

झारखंड से 27 बच्चों की तस्करी मामले में जांच शुरू

रांची(नबिटा ब्यूरो)। पश्चिम सिंहभूम जिले में 27 बच्चों को शिक्षा और बेहतर जीवन का लालच देकर नेपाल ले जाने के आरोप की जांच पुलिस ने शुरू कर दी है। एक अधिकारी ने गुरुवार को यह जानकारी दी। यह भी आरोप है कि बच्चों को नेपाल ले जाकर उनका धर्म परिवर्तन कराने की कोशिश की गई। मामला तब सामने आया जब हाल ही में तस्करों के चंगुल से भागकर दो बच्चे अपने घर लौटे और उन्होंने अपने माता-पिता को पूरी आपबीती सुनाई। इसके बाद पुलिस हरकत में आई। पश्चिम सिंहभूम के पुलिस अधीक्षक अमित रेनू ने बताया कि जांच के तहत एक टीम को उन दो बच्चों के गांव भेजा गया जहां यह जानकारी मिली कि उसी गांव के 11 बच्चे लालच देकर नेपाल ले जाए गए थे। इनमें से चार बच्चे बुधवार को लौट आए जबकि पांच बच्चे अभी भी नेपाल में फंसे हैं। एसपी ने कहा कि जिला प्रशासन उन्हें वापस लाने के लिए सभी जरूरी कदम उठा रहा है। रेनू ने बताया कि जिले के अन्य हिस्सों से 16 और बच्चों के नेपाल ले जाए जाने की सूचना मिली है। हालांकि इस संबंध में अभी कोई आधिकारिक शिकायत दर्ज नहीं हुई है। आरोपित तस्करी के मामले में पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। अधिकारी ने कहा कि फिलहाल वह इससे अधिक जानकारी साझा नहीं कर सकते।

सदन में छाया तिलैया नहर योजना, स्मार्ट मीटर और बिजली बिल का मुद्दा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। शीतकालीन सत्र के पांचवें और अंतिम दिन झारखंड विधानसभा की कार्यवाही प्रश्नकाल से शुरू हुई। शुरुआत में ही नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने छात्रवृत्ति के मुद्दे को जोरदार तरीके से उठाया। उन्होंने कहा कि छात्रवृत्ति नहीं मिलने से हजारों छात्र परेशान हैं और पढ़ाई प्रभावित हो रही है। मरांडी ने मांग की कि सरकार इस मामले की तुरंत जांच कराए। इसके साथ ही उन्होंने धान खरीद में हो रही गड़बड़ियों का सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि लगातार शिकायतें सामने आ रही हैं लेकिन शासन-प्रशासन की ओर से अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। बरकट्ठा विधायक अमित यादव ने सदन में सरकार से पूछा कि तिलैया नहर योजना का डीपीआर आखिर कब तैयार होगा। उन्होंने बताया कि इस योजना के लिए डीपीआर बनाने का फैसला 2014-15 में लिया गया था लेकिन अब तक कागजी प्रगति भी पूरी नहीं हो सकी है। वहीं विधायक सुरेश बैठा ने स्मार्ट मीटर से जुड़े अनियमित बिलों का मामला उठाया। उन्होंने कहा कि गरीब उपभोक्ताओं को अचानक बढ़े हुए बिजली बिल मिल रहे हैं जिसकी वजह से लोग परेशान हैं। इस पर ऊर्ज़ा मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने आश्वासन दिया कि जहां भी गड़बड़ी की जानकारी मिलेगी, तुरंत जांच कर कार्रवाई की जाएगी। रांची के विधायक सीपी सिंह ने पीडीएस दुकानदारों को लंबे समय से कमीशन नहीं मिलने का मुद्दा जोरदार तरीके से उठाया। उन्होंने कहा कि राज्य के लगभग 25 हजार पीडीएस दुकानदार महीनों से भुगतान की प्रतीक्षा कर रहे हैं। इस पर मंत्री इरफान अंसारी ने स्पष्ट किया कि मामला केंद्र सरकार के पोर्टल से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि तकनीकी जटिलताओं की वजह से भुगतान प्रक्रिया में देरी हुई है लेकिन जल्द ही सभी दुकानदारों को कमीशन दे दिया जाएगा। ग्रामीण विकास विभाग की मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने भी केंद्र की भूमिका पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि सहयोग न मिलने से कई ग्रामीण योजनाएं अटकी पड़ी हैं और केंद्र के मंत्री राज्य की समस्याओं पर चर्चा के लिए समय नहीं दे रहे। वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने सदन में कहा कि केंद्रीय कोयला मंत्री ने राज्य के 1.36 लाख करोड़ रुपए के बकाया मामले पर अधिकारियों की कमेटी बनाकर चर्चा आगे बढ़ाने का भरोसा दिया था लेकिन कई महीनों के बाद भी इस दिशा में कोई कार्रवाई नहीं दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि बकाये की वसूली राज्य की वित्तीय स्थिति के लिए बेहद जरूरी है और केंद्र को इस पर जल्द कदम उठाना चाहिए।

विपक्षी विधायकों ने किया विरोध प्रदर्शन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र का अंतिम दिन गुरुवार को लगातार राजनीतिक हलचल से भरा रहा। सत्र शुरू होने से पहले ही विपक्षी विधायकों ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल अलग-अलग मुद्दों को लेकर सदन परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। मांडू के विधायक निर्मल महतो और बड़कागांव के विधायक रौशनलाल चौधरी विधानसभा के बाहर धरने पर बैठे। मांडू विधायक निर्मल महतो ने एक अखबार की प्रति दिखाते हुए स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी पर स्वास्थ्य केंद्र भवन निर्माण में कथित रूप से पांच लाख रुपये की अवैध वसूली का गंभीर आरोप लगाया। महतो का दावा था कि यह मामला कांग्रेस विधायक ममता देवी ने सीएलपी बैठक में उठाया था और इसकी जानकारी मीडिया में भी प्रकाशित हुई है। उन्होंने कहा कि यह राज्य में व्याप्त भ्रष्टाचार की गहराई को उजागर करता है। हालांकि कांग्रेस विधायक ममता देवी ने इन आरोपों को पूरी तरह खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि सीएलपी बैठक के विषय गोपनीय होते हैं और उन्हें बाहर गलत तरीके से पेश करना अनुचित है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री पर कोई सीधा आरोप नहीं लगाया है।

बिहार-झारखण्ड का अपना अखबार

नवबिहार टाइम्स

आवश्यकता

1. बोकारो जिला मुख्यालय के अलावा प्रत्येक प्रखंड के लिए संवाददाता चाहिए।

2. नवबिहार टाइम्स के बोकारो कार्यालय के लिए उप सम्पादक/कार्यालय संवाददाता की आवश्यकता है। हिन्दी में समाचार लिखने और समाचार की समझ रखने वाले अनुभवी संवाददाता ही सम्पर्क करें। मानदेय-योग्यतानुसार।

3. बोकारो कार्यालय के लिए एक चतुर्थवर्गीय कर्मचारी की आवश्यकता है। बोकारो, चास या आस-पास का ही निवासी होना अनिवार्य है

सम्पर्क करें:-

7295863300/8210783623

'नवबिहार टाइम्स' कार्यालय, 31 कॉपरेटीव कॉलोनी बोकारो (झारखण्ड) मो0- 7004247547/6206165107

E-mai : nbtimesbihar@gmail.com

एनएचएआई व एनटीपीसी से संबंधित भू-अर्जन मामलों की समीक्षा बैठक आयोजित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। उपायुक्त श्री शशि प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में गुरुवार को कार्यालय सभागार में एनएचएआई एवं एनटीपीसी से संबंधित भू-अर्जन मामलों की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई।

बैठक में एनएच एवं एनटीपीसी की कोल माइनिंग परियोजनाएँ पकरी बरवाडीह, केरेडारी, बादम एवं चट्टीबारियातू कोल परियोजना से जुड़े स्टेटमेंट-6, म्यूटेशन की प्रगति, आंगनबाड़ी केन्द्र, पंचायत भवन, पैक्स केन्द्र एवं विद्यालयों के स्थानांतरण, मेजरमेंट, एफ.आर.ए., लीज बंदोबस्ती, भारत माला परियोजना, कॉमन इन्फ्रास्ट्रक्चर, पी.एच.सी. स्थानांतरण समेत विभिन्न बिंदुओं की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने केरेडारी कोल परियोजना के अधिकारी को ग्रामसभा करते हुए सड़क से जुड़ी समस्याओं का शीघ्र समाधान करने और कम्युनिटी डेवलपमेंट करने का निर्देश दिया।

वहीं, एनटीपीसी की विभिन्न कोल परियोजनाओं में हाउस मिजरमेंट एवं डिमोलिशन से संबंधित समस्याओं के समाधान हेतु एसडीओ के स्तर से अंचलाधिकारी एवं एनटीपीसी के अधिकारियों को समाधान करने का निर्देश दिया। उन्होंने परियोजना से विस्थापित परिवारों के कम्युनिटी डेवलपमेंट का कार्य डीएमएफटी मद से कराने की बात कही। पकरी बरवाडीह कोल परियोजना के अधिकारी को एफआरए, स्कूल शिफ्टिंग से संबंधित मामलों पर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने बड़कागांव सीओ एवं भू अर्जन कार्यालय के अधिकारियों को बादाम कोल परियोजना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले जीएम लैंड का वेरिफिकेशन के लिए अंचल कार्यालय में कैंप का आयोजन करने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने बरही, सदर, इचाक और पदमा सीओ को एनएच से संबंधित म्यूटेशन के लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन करने का निर्देश दिया। सभी लंबित कार्यों की प्रगति में तीव्रता लाने को कहा है। उपायुक्त ने योजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही समस्याओं के समाधान हेतु विभागीय समन्वय करने का निर्देश दिया। बैठक में उपायुक्त श्री शशि प्रकाश सिंह, अपर समाहर्ता, संबंधित अंचल अधिकारी, एनएचएआई एवं एनटीपीसी के पदाधिकारी सहित अन्य संबंधित कर्मी उपस्थित रहे।

लाखों के इलेक्ट्रॉनिक सामान की चोरी में बेंगाबाद पुलिस ने किया खुलासा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। शहर के प्रतिष्ठित इलेक्ट्रॉनिक दुकान में हुई लाखों रुपये के इलेक्ट्रॉनिक सामान के संबंध में बेंगाबाद पुलिस ने खुलासा किया है।मकतपुर स्थित प्रदीप इलेक्ट्रिक से लाखों रुपये के इलेक्ट्रॉनिक सामान की चोरी का खुलासा बेंगाबाद पुलिस ने कर लिया है। इसे लेकर थाना प्रभारी जितेन्द्र कुमार सिंह व एसआई विजय कुमार मंडल के नेतृत्व में पुलिस ने तकनीकी सहयोग से महुआर पंचायत के जामबाद में छापेमारी कर चोरी के सरगना द्वारिका तिवारी को गिरफ्तार किया।

इस दौरान पुलिस ने उसके घर से हैवल्स, एंकर, वी-गार्ड, आरआर जैसे ब्रांडों के कई इलेक्ट्रॉनिक सामान बरामद किए हैं। वहीं दुकान संचालक रूपक केडिया ने पुष्टि की कि आरोपी पहले उसकी दुकान में ही काम करता था और गोदाम में रहते हुए चोरी करता था। इस दौरान करीब आठ लाख रुपये मूल्य का माल गायब पाया गया था। बहरहाल पुलिस अब उन दुकानदारों पर नजर रख रही है, जिन्होंने सस्ते दाम में चोरी का माल खरीदा था। वंही मौके पर थाना प्रभारी ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

बच्छई गांव में हर्ष की लहर : नव चयनित एएसओ अरविंद का जनप्रतिनिधियों ने किया सम्मान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चौपारण (हजारीबाग)। प्रखंड के बच्छई गांव में गुरुवार को उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला, जब गांव के युवा प्रतिभा अरविंद कुमार राणा का प्रतिष्ठित असिस्टेंट सेक्शन ऑफिसर (ASO) पद पर चयन होने की खुशी में ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया। महिला मंडल प्रांगण में आयोजित इस कार्यक्रम में भारी संख्या में ग्रामीणों, सामाजिक कार्यकताओं और विभिन्न क्षेत्रों से आए अतिथियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान अरविंद राणा और उनके परिवार— माता कुसुम देवी, पिता रूपलाल राणा, दादी रेमका देवी, बड़े भाई पप्पू राणा और भाभी खुशबू देवी— को अंगवस्त्र और माल्यार्पण कर सम्मानित किया गया। अतिथियों ने कहा कि अरविंद की सफलता कठोर मेहनत, लगन और मजबूत संकल्प का परिणाम है, जो क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी। समारोह में मुखिया बीरेंद्र रजक, नेता भुनेश्वर यादव, भाजपा मंडल अध्यक्ष राजेंद्र चंद्रवंशी, वीरेंद्र राणा, रामलखन राणा, देवल यादव, सहदेव यादव, संतोष रजक, बैजनाथ यादव, नकुल रजक, सुखदेव यादव, दिनेश यादव और बासुदेव रविदास सहित कई सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। मंच संचालन प्रकाश यादव ने किया।अतिथियों ने युवाओं से शिक्षा को प्राथमिकता देने और लक्ष्य स्पष्ट रखकर कड़ी मेहनत करने की अपील की। कार्यक्रम का संचालन युवा वार्ड सदस्य सुजीत कुमार यादव ने किया, वहीं आयोजन समिति के दीनानाथ यादव और विजय यादव ने सभी अतिथियों एवं ग्रामीणों का आभार जताते हुए कहा कि सामूहिक सहयोग से यह कार्यक्रम एक यादगार अवसर बन गया। सम्मान समारोह में उमड़ी भीड़ के कारण पूरे क्षेत्र में उत्साह और खुशियों का वातावरण बना रहा।

वन भूमि पर अवैध निर्माण के खिलाफ हुई कार्रवाई, चहारदीवारी तोड़कर हटाया अतिक्रमण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। वन विभाग ने जिले के बंशीडीह सुरक्षित वन क्षेत्र में हो रहे अवैध अतिक्रमण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए निमार्णाधीन पक्की चारदीवारी को ध्वस्त कर दिया।

उक्त कार्रवाई वन क्षेत्र पदाधिकारी को मिली गुप्त सूचना के आधार पर की गई। बताया गया था कि वन भूमि पर अवैध रूप से पक्की घेराबंदी की जा रही है। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुँची और जांच में अतिक्रमण की पुष्टि होने पर तत्काल चारदीवारी को तोड़ने की प्रक्रिया शुरू की गई। विभागीय अधिकारियों के अनुसार यह निर्माण बिना किसी अनुमति के किया जा रहा था, जो वन अधिनियम का स्पष्ट उल्लंघन है कार्रवाई के दौरान प्रभारी वनपाल अमर कुमार विश्वकर्मा के साथ वनरक्षी बिरेंद्र कुमार, सुरुचि कुमारी, अन्नू सोरेन, संजय कांत यादव तथा अन्य वनकर्मी मौजूद रहे। सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए टीम ने संगठित तरीके से पूरे क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त कराया।वन क्षेत्र पदाधिकारी ने बताया कि वन भूमि पर अवैध निर्माण और कब्जे को किसी भी स्थिति में बर्दास्त नहीं किया जाएगा। ऐसे मामलों में विभाग सख्ती बरतते हुए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। अधिकारियों ने स्थानीय लोगों से भी अपील की कि वे वन क्षेत्र में किसी प्रकार का अवैध निर्माण या अतिक्रमण करने से बचें, अन्यथा कानूनन कार्रवाई की जाएगी।

बड़कागांव-केरेडारी विस्थापित किसानों की आवाज संसद में बुलंद

उपजाऊ भूमि पर कोल ब्लॉक आवंटन का सांसद मनीष जायसवाल ने किया कड़ा विरोध

नवीन सिन्हा

हजारीबाग। संसद के शीतकालीन सत्र के ग्यारहवें दिन गुरुवार को हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल ने बड़कागांव और केरेडारी के किसानों की पीड़ा को सदन में जोरदार तरीके से उठाया। उन्होंने बताया कि क्षेत्र की उपजाऊ तीन-फसली कृषि भूमि पर बड़े पैमाने पर कोल ब्लॉक आवंटन तथा अधिग्रहण किया जा रहा है, जिससे किसानों की आजीविका और कृषि विरासत पर गंभीर संकट मंडरा रहा है।

सांसद जायसवाल ने विशेष रूप से गोंदलपुरा, बादम, हरली, महूगाई, चंदौल, अंबाजीत, रतवे और केरेडारी ब्लॉक की उन जमीनों का उल्लेख किया, जिन्हें कोयला खनन के लिए अधिग्रहित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह जमीन साधारण नहीं, बल्कि अत्यंत उपजाऊ कृषि भूमि है जो हजारीबाग ज़िले में सब्ज़ियों की सबसे बड़ी आपूर्ति करने वाली क्षेत्रीय धुरी है। यह इलाका उच्च गुणवत्ता वाले गुड़ के लिए राष्ट्रीय स्तर पर भी जाना जाता है।

सांसद ने मार्मिक शब्दों में कहा कि किसान के लिए उसकी जमीन सिर्फ संपत्ति नहीं, बल्कि उसकी पहचान होती है। 'किसान की पहचान मिटाना किसी भी नागरिक के लिए सबसे बड़ी त्रासदी है,' उन्होंने कहा। उन्होंने यह भी कहा कि किसान पिछले तीन वर्षों से शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे हैं, लेकिन उन्हें निराशा और आक्रोश के अलावा कुछ नहीं मिला है। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की कि—तीन-फसली उपजाऊ भूमि पर कोल माइनिंग के लिये होने वाला अधिग्रहण तत्काल रोका जाए।

एनटीपीसी द्वारा दिए जा रहे मुआवजे की दरें, जो पाँच वर्षों से स्थिर हैं, तुरंत बढ़ाई जाएँ। अधिग्रहण में लागू 'कट-ऑफ डेट' की मनमानी प्रणाली, जिसे उन्होंने 'काला कानून' कहा, समाप्त की जाए ताकि किसानों के अधिकार सुरक्षित रहें।

जायसवाल ने कहा कि देश के विकास के लिए ऊर्जा आवश्यक है, लेकिन इसकी कीमत अन्नदाताओं की पहचान, आजीविका और पर्यावरण को दांव पर लगाकर नहीं चुकाई जा सकती। उन्होंने सरकार से किसानों की आवाज सुनने और कृषि विरासत की रक्षा हेतु नीतिगत पुनर्विचार की मांग की।

फेडरल बैंक ने खालसा नेशनल स्कूल को दिया वाटर डिस्पेंसर स्वच्छ पेयजल से बच्चों को मिलेगा बेहतर स्वास्थ्य

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत फेडरल बैंक ने खालसा नेशनल स्कूल के विद्यार्थियों के लिए स्वच्छ पेयजल की सुविधा को और बेहतर बनाने की दिशा में सराहनीय कदम उठाया है। गुरुवार को स्कूल परिसर में बैंक द्वारा एक आधुनिक वाटर डिस्पेंसर भेंट किया गया, जिससे सैकड़ों बच्चों को ल्लङ्कद्ग शुद्ध और ठंडा पानी आसानी से उपलब्ध हो सकेगा।

स्कूल में आयोजित संक्षिप्त कार्यक्रम में बैंक के प्रतिनिधियों ने वाटर डिस्पेंसर का उद्घाटन किया। उन्होंने बताया कि फेडरल बैंक शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक विकास से जुड़े कार्यों में निरंतर योगदान देता रहा है और भविष्य में भी ऐसी पहलें जारी रहेंगी। स्कूल प्रशासन ने फेडरल बैंक के इस सहयोग के लिए धन्यवाद व्यक्त किया और कहा कि स्वच्छ पेयजल की यह सुविधा विद्यार्थियों के स्वास्थ्य, स्वच्छता और दैनिक जीवन के लिए अत्यंत लाभकारी साबित होगी। कार्यक्रम में शिक्षक, बैंक अधिकारी और बड़ी संख्या में बच्चे मौजूद रहे। कार्यक्रम में डॉ. ए.पी. सिंह, जसमीत सिंह, परमवीर सिंह, बबलू वासु, गुरुशरण सिंह, कुलवंत सिंह, अमृतपाल सिंह, कुलतार सिंह और राजदीप होरा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। वहीं फेडरल बैंक की ओर से अभय कुमार यादव, महेश प्रजापति और गौरव मिश्रा कार्यक्रम में शामिल हुए। इस जानकारी की पुष्टि श्री गुरु सिंह सभा के मीडिया प्रभारी रोहित बजाज ने की।

हजारीबाग में एनआईए की फिर दबिश, संदिग्ध आतंकी शाहनवाज आलम कनेक्शन की जांच तेज

नवीन सिन्हा

हजारीबाग। एनआईए की टीम ने गुरुवार सुबह एक बार फिर हजारीबाग में कार्रवाई की है। पेलावल थाना क्षेत्र के एक घर पर अचानक पहुंची टीम ने घर के सदस्यों से पूछताछ शुरू कर दी। टीम तीन वाहनों में पहुंची थी और सुरक्षा के मद्देनजर अतिरिक्त पुलिस बल भी तैनात किया गया।

सूत्रों के अनुसार यह छापेमारी संदिग्ध आतंकी शाहनवाज आलम से जुड़े इनपुट्स के आधार पर की जा रही है। शाहनवाज को वर्ष 2023 में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने गिरफ्तार किया था। वह पुणे क्रक्र मॉड्यूल मामले में वांछित था और झारखंड के हजारीबाग का मूल निवासी है। शाहनवाज इससे पहले 2019 में हजारीबाग में डकैती और चोरी के कई मामलों में भी गिरफ्तार हो चुका था। लगभग 8झ्र9 महीने जेल में रहने के बाद उसे दिसंबर 2020 में जमानत मिल गई थी, जिसके बाद वह कथित तौर पर क्रक्र हैंडलर के संपर्क में आया।

एनआईए की टीम के साथ एटीएस की टीम भी मौके पर मौजूद है। पूछताछ के दौरान टीम घर के भीतर एक प्रिंटिंग मशीन भी ले गई है, जिससे अंदेशा है कि दस्तावेज या फोटो संबंधी कुछ अहम सबूत खोजे जा रहे हैं। छापामारी पूरी तरह गोपनीय तरीके से की जा रही है और अधिकारी किसी भी तरह की जानकारी साझा करने से बच रहे हैं। घर के अंदर मौजूद एक वृद्ध व्यक्ति से भी पूछताछ की जा रही है। टीम पूरे परिसर में सर्च ऑपरेशन चला रही है।

बरही में पीडीएस होगा हाईटेक : डीलरों को मिलेंगी 4-जी पॉस मशीननें, राशन वितरण में आएगी पारदर्शिता

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरही हजारीबाग। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (NFSA) के तहत जन वितरण प्रणाली (PDS) को और अधिक पारदर्शी, सटीक और त्रुटिरहित बनाने के लिए सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। अब जिले के सभी राशन दुकानों को 4G e-PoS मशीनें उपलब्ध कराई जाएँगी। कई जिलों में वितरण प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और बरही प्रखंड में भी दिसंबर के अंत तक सभी डीलरों को यह मशीनें मिल जाएंगी।

प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी संजय कुमार यादव ने बताया कि नई 4ऋ मशीनें वितरण व्यवस्था को मजबूत बनाएँगी और लाभुकों को बिना किसी परेशानी के अनाज मिल सकेगा। इन मशीनों में आधुनिक सुविधाएँ शामिल हैं जैसे—आधार आधारित बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण, रियल-टाइम ट्रांजेक्शन अपलोडिंग, स्टॉक की स्वचालित निगरानी, कमजोर नेटवर्क वाले क्षेत्रों में ऑफलाइन मोड में भी काम करने की सुविधा।

इन सुविधाओं से फजीर्वाड़े, अनियमितता और अनाज चोरी की संभावनाएँ लगभग समाप्त हो जाएंगी। साथ ही नेटवर्क की समस्या से जूझ रहे ग्रामीण क्षेत्रों में भी यह मशीनें सुचारु रूप से काम करेंगी। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन का लक्ष्य है कि "अंतिम छोर तक बैठे हर लाभुक को पूरी पारदर्शिता और सम्मान के साथ उसका अधिकार मिले।

सालूजा गोल्ड कॉलेज ऑफ फामेर्सी में ड्रग प्राइसिंग अवेयरनेस प्रोग्राम

गिरिडीह/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। सलूजा गोल्ड कॉलेज ऑफ फामेर्सी मोतीलेदा गिरिडीह में दवा मूल्य निर्धारण ड्रग प्रिंसिग पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें नेशनल फार्मास्यूटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी एनपीपीए के विशेषज्ञ द्वारा अत्यंत महत्वपूर्ण एवं जानकारीपूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में सभी छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और दवा मूल्य नियंत्रण, नियमों तथा स्वास्थ्य सेवाओं पर मूल्य निर्धारण के प्रभाव के बारे में गहन जानकारी प्राप्त की। कॉलेज के प्राचार्य प्रो. दिवाकर तिवारी ने कहा, इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम हमारे छात्रों के लिए अत्यंत लाभकारी हैं। कॉलेज में ऐसे आयोजन नियमित रूप से किए जाएंगे, ताकि विद्यार्थी फामेर्सी के विभिन्न क्षेत्रों में अद्यतन ज्ञान प्राप्त कर सकें।

विभिन्न मांगों को लेकर कुलपति से मिला एबीवीपी का प्रतिनिधि मंडल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। आज अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् के एक प्रतिनिधिमंडल के द्वारा अठारह सूत्री मांग को लेकर विश्वविद्यालय कुलपति को ज्ञापन सौंपा गया । इस दौरान अभाविप के कृष्णा त्रिवेदी बताया कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् हमेशा से छात्र हित में काम करते आ रही है।एक छात्र संगठन होने के नाते शिक्षा से संबंधित विभिन्न विषयों पर हमेशा अपनी बात रखते आई है।

विद्यार्थी परिषद् विश्वविद्यालय से संबंधित विभिन्न समस्याओं को लेकर अठारह सूत्री मांग पत्र सौंपा जिसमें विगत कई वर्षों से बंद हो चुके छात्रसंघ चुनाव को पुनः से शुरू किया जाए विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाले सभी महाविद्यालय में शिक्षक और कर्मचारी के घोर कमी है जिसके कारण विद्यार्थियों को काफी परेशानी होती है, महाविद्यालय में शिक्षक और कर्मचारी की कमी को जल्द से जल्द दूर किया जाए। विश्वविद्यालय और विश्वविद्यालय के अंदर महाविद्यालय में वोकेशनल कोर्स बीसीए बीएमएलटी का लैब की कमी को जल्द पूरा किया जाए ।निप 2020 के तहत सभी महाविद्यालय के पुस्तकालय में पुस्तक के व्यवस्था जल्द से जल्द की जाए। विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालय में मूलभूत सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जाए जैसे, शौचालय, पेयजल, क्लासरूम की सफाई, टूटे बेंच डेस्क की मरम्मत आदि। विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाले सभी महाविद्यालय और विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाए। विश्वविद्यालय में नया ट्राइबल भवन बन कर तैयार हुए कई वर्ष हो चुके हैं लेकिन उसमें किसी प्रकार की कोई गतिविधि नहीं हो रहा है उसे जल्द शुरू किया जाए। सभी महाविद्यालय का वेबसाइट को दुरुस्त किया जाए। सेल्फ फाइनेंस कोर्स में शिक्षकों की कमी को जल्द से जल्द दूर किया जाए विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाले सभी महाविद्यालयों में खेल शिक्षकों की नियुक्ति जल्द से जल्द किया जाए। डीईटी की परीक्षा जल्द आयोजित की जाए। स्पेशल जेनेरिक परीक्षा की तिथि की घोषणा जल्द किया जाए। गिरिडीह महाविद्यालय में इतिहास, राजनीति विज्ञान, भूगोल, हिंदी, भौतिकी, केमिस्ट्री विषयों में मास्टर डिग्री की पढ़ाई प्रारंभ करवाया जाए।

बेटियों की शिक्षा पर सरकार कब जागेगी, विधानसभा के बाहर धरने पर बैठे हजारीबाग सदर विधायक प्रदीप

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने गुरुवार को झारखंड विधानसभा के बाहर सिलवार में बने पॉलिटेक्निक भवन को बालिका महाविद्यालय के रूप में शुरू करवाने की मांग को लेकर धरना दिया। हाथों में तख्ती लिए विधायक प्रसाद प्रसाद विधानसभा के बाहर बैठे दिखाई दिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार विद्यार्थियों, विशेषकर बालिकाओं की शिक्षा और उनके भविष्य के प्रति बिल्कुल भी गंभीर नहीं है।

■ सरकार की उदासीनता से बेटियों की शिक्षा प्रभावित 37 करोड़ का भवन वर्षों से बंद पड़ा : प्रदीप प्रसाद

विधायक ने बताया कि सदर प्रखंड के सिलवार में वर्ष 2011 में लगभग सैंतीस करोड़ रुपये की लागत से एनबीसीसी द्वारा पॉलिटेक्निक कॉलेज का निर्माण कराया गया था। वर्ष 2015 में भवन पूरी तरह बनकर तैयार हो गया, लेकिन आज तक इसे चालू नहीं किया गया। लंबे समय से बंद और उपेक्षित रहने के कारण भवन का रखरखाव नहीं हो पा रहा है और अब इसकी छतें व संरचनाएं क्षतिग्रस्त होने लगी हैं। करोड़ों रुपये की सरकारी संपत्ति यूँ ही बर्बाद हो रही है जबकि क्षेत्र की हजारों बच्चियों को उच्च शिक्षा के लिए आज भी लंबी दूरी तय करनी पड़ रही है। प्रदीप प्रसाद ने कहा कि यदि इस भवन में बालिका महाविद्यालय शुरू किया जाए तो स्थानीय और दूरदराज के ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाली छात्राओं को पढ़ाई में भारी राहत मिलेगी। यह कदम न केवल शिक्षा को सुलभ बनाएगा बल्कि बालिकाओं की सुरक्षा, सुविधा और भविष्य के रास्ते भी खोलेगा। उन्होंने सरकार पर यह आरोप लगाया कि वह बेटियों की शिक्षा को लेकर संवेदनहीन है और तैयार भवन को वर्षों से जानबूझकर बंद रखकर जनता के पैसे की अनदेखी कर रही है। धरने के दौरान विधायक प्रसाद ने स्पष्ट कहा कि यह लड़ाई सिर्फ एक बंद पड़े भवन की नहीं बल्कि क्षेत्र की बेटियों के सम्मान और उनके उज्ज्वल भविष्य की है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर सरकार जल्द निर्णय नहीं लेती तो वह इस मुद्दे को बड़े आंदोलन का रूप देंगे।

विधायक ने जमुआ में अत्याधुनिक बस स्टैंड के निर्माण की मांग रखी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। शीतकालीन सत्र के दौरान विधायक जमुआ मंजू कुमारी ने जमुआ विधानसभा अंतर्गत जमुआ में अत्याधुनिक बस स्टैंड के निर्माण की मांग रखी। इस दौरान विधायक मंजू कुमारी ने कहा कि जमुना से दर्जनों बस और यात्री वाहन प्रतिदिन पटना रांची, हजारीबाग, कोडरमा, देवघर इत्यादि स्थानों के लिए प्रस्थान करते है और वहां पर बस स्टैंड नहीं होने के कारण यात्रियों एवं वाहन चालकों को बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, साथ ही साथ जमुआ चौक पर जाम एवं दुर्घटना की संभावना बनी रहती है इसलिए जमुआ में अत्याधुनिक बस स्टैंड निर्माण जनहित के लिए बेहद ही महत्वपूर्ण है विधायक ने सदन के माध्यम से सरकार से अति शीघ्र जमुआ में अत्याधुनिक बस स्टैंड निर्माण करवाने की आग्रह किया। इसके अलावा शून्यकाल के माध्यम से विधायक जमुआ ने जन वितरण प्रणाली विक्रेताओं की भी समस्याओं को सदन के माध्यम से सरकार तक पहुंचाया इसे लेकर विधायक ने कहा कि झारखंड राज्य खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत ग्रीन कार्ड कमीशन का पैसे भी लाभग 2 साल का बकाया है उसे सरकार अविलंब उन्हें उनकी बकाया राशि प्रदान करे,और साथ ही साथ जन वितरण प्रणाली विक्रेताओं को मानदेय और प्रोत्साहन राशि भी दी जाए।

सखी मंडल की दीदियां नवाचार से उद्यम विकास कर गरीबी मिटाने का प्रयास करें : एसडीओ

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर (पलामू)। स्थानीय टाउन हॉल में जेएसएलपीएस की ओर से ग्रामीण उद्यमिता कार्यक्रम सह ऋण वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसका शुभारंभ मेदिनीनगर सदर एसडीओ सुलोचना मीणा, एनडीसी नीरज कुमार, डीपीएम अनिता केरकेट्टा ने किया। कार्यक्रम के उद्देश्य के बारे में जिला कार्यक्रम प्रबंधक अनीता करकेटा ने बताया कि जेएसएलपीएस के द्वारा ग्रामीण महिलाओं को छोटे- छोटे उद्यम कराया जा रहा है। साथ में बैंक से ऋण भी उपलब्ध कराया जा रहा है। जिले में इस वित्तीय वर्ष में 14 हजार से ज्यादा उद्यम शुरू किया गया है। इसमें किराना दूकान, चाय समोसा, चूड़ी-बाला

निर्माण, खाद सामग्री नमकीन, चूड़ा, सरसो तेल, आटा पैकिंग, पनीर, दूध, दही जैसे छोटे-छोटे उद्यम विकास किया जा रहा है। बताया कि जिलाधिकारी समय- समय पर उचित मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है। एसडीओ सुलोचना मीणा ने सखी मंडल के दीदी को कुछ नवाचार करने का प्रयास व जिले के सभी दीदी को उद्यम विकास से गरीबी से बाहर निकालने का प्रयास करना चाहिए। कहा कि दीदी अपना पहचान खूद बनाएं। इससे जिला का उस विशेष उद्ययम में पहचान बनें। ग्रामीण महिलाओं को सरकार की तरफ से समुचित सहयोग प्रदान किया जा रहा है। एसडीओ ने छह दीदी दुर्गवती देवी, सुलेखा कुमारी, मंजू देवी, सुप्रिया देवी, रानी बेगम, रीना देवी को व्यक्तिगत ऋण का सांकेतिक चेक प्रदान किया गया। कार्यक्रम में एलडीएम आलोक श्रीवास्तव, झारखंड ग्रामीण बैंक के रीजनल मैनेजर अरुण कुमार, क्रेडिट मैनेजर संजीव कुमार, जिला कौशल पदाधिकारी नीरज कुमार, आरसेटी निदेशक ब्रह्मानंद, जिला प्रबंधक स्किल व जाब नवल किशोर राजू, मिथिलेश कुमार, शेखर लाल, संदीप मिश्रा, प्रधान की रुचिका सिंह, बीपीएम वैभव कांत, अंजनी कुमार, पिंकी सिंह, राम ध्यान, बीपीओ राजीव भारद्वाज, सुनील कुमार, मंदीप कुमार सहित जिले के उद्यमी दीदियों ने भाग लिया।

किसानों को कीटनाशक दवाइयां व लीफ कलर चार्ट का वितरण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। छतरपुर प्रखंड के नौडीहा पंचायत भवन में फसल सुरक्षा कार्यक्रम के तहत किसानों का दो दिवसीय प्रशिक्षण हुआ। इसमें पंचायत क्षेत्र के 30 किसानों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण के प्रथम दिन बीज उपचार, भूमि उपचार, जीवामृत बनाने की विधि, कीट प्रबंधन, जैविक खाद व जैविक कीटनाशक इत्यादि के बारे में किसानों को सतीश पटेल व रजनी कुमारी कृषि स्नातक द्वारा विस्तृत रूप से जानकारी दी गई। दूसरे दिन किसानों को मित्र व शत्रु किट की पहचान, कीटनाशकों की पहचान लेवल व कलर के आधार पर परिक्षेत्र में जाकर कीट व बीमारियों की पहचान करना, खरपतवार नाशक स्प्रे से पहले व बाद में बरतने

वाली सावधानियां, नोजल का प्रकार, येलो स्टकी ट्रैप की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के क्रम में सरकार द्वारा चलाई जा रही किसानों के हितकारी योजना केवाईसी, केसीसी, पीडीएमसी व किसान समृद्धि योजना के बारे में विस्तृत रूप से किसानों को जानकारी उपलब्ध कराई गई। प्रशिक्षण में भाग लेने वाले सभी किसानों को पौधा संरक्षण केंद्र छतरपुर के माध्यम से खरपतवारनाशक, कीटनाशक व फफूंदी नाशक का वितरण भी नौडीहा पंचायत के मुखिया हरेंद्र सिंह ने किया। कार्यक्रम में जगन्नाथ सिंह, दिलीप सिंह, जय यादव, कलाम मिया, मुमताज अंसारी, अक्षय पासवान व सपोर्टिंग स्टाफ के रूप में अखिलेश कुमार ठाकुर उपस्थित थे।

पलामू कप टूर्नामेंट में रनों का अंबार खिलाड़ी डब्लू ने जड़ा पहला शतक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। दिशोम गुरु स्व. शिबू सोरेन मेमोरियल पलामू कप सीज़न-3 के पांचवें दिन दर्शकों ने जबरदस्त क्रिकेट के रोमांच का आनंद लिया। मैदान में रनों की ऐसी बरसात हुई कि दर्शक भी दंग रह गए। बारालोटा इलेवन के धाकड़ बल्लेबाज़ डब्लू ने सिर्फ 35 गेंदों पर 101 रन की धमाकेदार पारी खेलकर इस सीज़न का पहला शतक जड़ा व मैन ऑफ द मैच बनें। गुरुवार का टॉस डीसीए के राजू शुक्ला ने कराया। इसमें बेलवाटिका ने पहले क्षेत्ररक्षण का निर्णय लिया। मैच के परिणाम को देखते हुए बेहद गलत साबित हुआ। बारालोटा इलेवन ने तूफ़ानी बल्लेबाज़ी करते हुए 172

रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। जवाब में बेलवाटिका ने 141 रन बनाते हुए संघर्ष तो किया, लेकिन लक्ष्य से पीछे रह गए। डब्लू को शानदार प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच ट्रॉफी एड वर्ल्ड के प्रोपराइटर मनीष सिंह ने प्रदान किया। वहीं तीन गेंद पर तीन लगातार छक्के जमाने के लिए शहर के प्रसिद्ध व्यवसायी रौशन नाग ने 501 रुपए का विशेष इनाम दिया। आयोजक झामुमो नेता सन्नी शुक्ला व आशुतोष विनायक ने बताया कि अब टूर्नामेंट में केवल मजबूत व खिताब की दावेदार टीमें बची हैं। कल से क्वार्टर फाइनल मुकाबले शुरू होंगे। यह दर्शकों के लिए और भी रोमांचक साबित होंगे। पलामू कप के इस चरण ने स्पष्ट कर दिया है कि आने वाले मैचों में रोमांच और बढ़ने वाला है।

देवघर एयरपोर्ट से उड़ानें कल से लौटेंगी पटरी पर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

देवघर। पिछले कुछ दिनों से देशभर में इंडिगो एयरलाइंस के तकनीकी और ऑपरेशनल संकट के चलते उड़ान सेवाएं प्रभावित थी। इसका सीधा असर देवघर एयरपोर्ट पर भी दिख रहा था। 4 दिसंबर से कई उड़ानें रद्द होने से यात्रियों को काफी परेशानी हुई। वहीं बुधवार को दिल्ली से आई इंडिगो फ्लाइट में यात्रियों का सामान छूट जाने के बाद एयरपोर्ट पर हंगामे की स्थिति तक बन गई थी। हालांकि अब हालात सामान्य होते दिख रहे हैं। केंद्र सरकार के त्वरित हस्तक्षेप के बाद देवघर एयरपोर्ट से इंडिगो की सभी प्रमुख उड़ानें दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु एक बार फिर सुचारु रूप से संचालित होंगी। यात्रियों को लंबे समय बाद सामान्य हवाई सेवाओं पर भरोसा वापस लौट रहा है।

शोषण के विरुद्ध संघर्ष के पर्याय थे सतीश कुमार : अविनाश देव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। झारखंड आंदोलनकारी कॉमरेड सतीश कुमार नहीं रहे। कल 10 दिसंबर की रात पटना के अस्पताल में अंतिम सांस लिया। मौके पर उनके अंतिम दर्शन के लिए बड़ी संख्या में गणमान्य उपस्थित थे। मौके पर अविनाश देव ने कहा कि सतीश कुमार वर्तमान में आजसू पार्टी से जुड़े थे। वे मूलतः सामाजिक व राजनीतिक दुनिया में विचारधारा से वामपंथी थे। अगर सीधे कहे तो सतीश कुमार नक्सल थे। गुरिल्ला युद्ध लड़े थे। जेल में आंदोलन के दरम्यान लाठी खाए हुए क्रांतिकारी नौजवान थे। भारत नौजवान सभा से राजनीति की शुरुआत किया व पूरी उम्र गरीबों के आवाज बने रहे। शोषण के विरुद्ध जंग लड़ते रहे। नक्सली आंदोलन में सतीश जी का इतना ऊंचा कद

था कि तत्कालीन पुलिस अधीक्षक दीपक वर्मा उनसे सलीके से व्यवहार करते थे । साथ ही बगल में कुर्सी पर बैठते थे। पलामू में सामंती, शोषण व जमींदारी जुल्म के खिलाफ सतीश कुमार सरीखे नहीं लड़ते तो आज उनकी पीढ़ी इतना आजाद नहीं रहता। सतीश जी भूमिगत लड़ाई नहीं लड़ते तो आज प्रशासनिक महकमा में पदाधिकारी रहते। नौकरी पर लात मार कर मानवीय सम्मान के लिए कलम फेंक कर बंदूक उठा लिया। उनके समकक्ष रहे साथियों ने बताया वह पैर से जमीन खिसक गया। अपने स्वास्थ्य के परवाह किए वगैर घर परिवार मां, पिता, बीबी व बच्चों से दूर जन मुक्ति के लिए भूखे रहा। कागज में पत्नी से तलाक हो गया। बाप संपति से बेदखल कर दिए। अपनो से बेगाना आवाम के बीच बने रहे। अपने कॉमरेड विरासत के लिए विचारों से तनिक भी समझौता नहीं किया। मुख्यधारा के लिए चुनाव भी लड़े व विपरीत विचारधारा से भी पलामू के विकास में नैतिक समर्थन देते रहे। अति मृदुभाषी व्यवहार समृद्ध समाज लोगों के बीच लोकप्रियता उनकी पहचान थी। उनके निधन पर उनके चाहने वालों की भीड़ जिंदगी के कमाई का गवाही दे रहा था। सतीश कुमार पिता तुल्य थे। पिता स्वर्गीय सुदामा पंडित के साथ मिलकर अलग झारखंड राज्य की लड़ाई संयुक्त रूप से लड़े थे। बहुत ही आत्मीय लगाव रखते थे। संत मरियम विद्यालय में हमेशा आते व मिलते। हर संभव उनके मदद में हमेशा खड़ा रहते थे। आज वे इस दुनिया को अलविदा कह गए। इसका मलाल हमेशा खलता रहेगा। प्रकृति उनको शानदार जगह दे। दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें।

रिम्स परिसर में जारी रहेगा अतिक्रमण हटाओ अभियान, कार्रवाई रोकने से जुड़ी सभी याचिकाएं खारिज

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। राज्य के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल रिम्स यानी राजेंद्र इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस की जमीन पर अतिक्रमण के खिलाफ चल रहा अभियान जारी रहेगा। चीफ जस्टिस तरलोक सिंह चौहान की खंडपीठ ने गुरुवार को अतिक्रमण हटाओ अभियान रोकने से जुड़ी सभी याचिकाएं खारिज कर दी। कोर्ट ने कब्रक्ष ग्राउंड नाम से चर्चित जमीन पर अतिक्रमण हटाओ अभियान जारी रखने का आदेश दिया है।

कैलाश कोठी तोड़े जाने पर फिलहाल स्टे

प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता दीपक कुमार दूबे ने पक्ष रखा। झारखंड हाईकोर्ट के अधिवक्ता धीरज कुमार ने बताया कि इस दौरान रांची के उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री, सिटी एसपी और बड़गांई के सीओ भी मौजूद थे। दलील सुनने के बाद खंडपीठ ने अतिक्रमण अभियान रोकने से जुड़ी याचिकाओं को खारिज कर दिया। इस दौरान खंडपीठ ने कैलाश कोठी को तोड़े जाने पर फिलहाल स्टे लगा दिया है। इस मामले पर सोमवार को सुनवाई होगी. कोर्ट को बताया गया कि रिम्स की ओर से पहले ही सभी को मुआवजा दिया जा चुका है।

हाईकोर्ट के आदेश पर कार्रवाई जारी : गौरतलब है कि झारखंड हाईकोर्ट ने पिछली सुनवाई के दौरान रिम्स परिसर से अतिक्रमण हटाने को लेकर 72 घंटे का अल्टीमेटम दिया था। साथ ही रिम्स व्यवस्था की मॉनिटरिंग के लिए बनी कमेटी को रिपोर्ट सौंपने को कहा था। इस आधार पर अल्टीमेटम अवधि पूरी होते ही प्रशासन ने अतिक्रमण हटाना शुरू कर दिया। अभी तक दर्जनों कच्चे मकान तोड़ा जा चुके हैं. साथ ही रिम्स के खाली पड़े भवनों को कब्जा मुक्त किया गया है। दरअसल, रिम्स की बदहाल स्थिति को देखते हुए हाईकोर्ट ने मामले को जनहित याचिका में तब्दील कर दिया था। बता दें कि झालसा यानी झारखंड विधिक सेवा प्राधिकार ने अपनी रिपोर्ट में इस बात का जिक्र किया था कि रिम्स गेट से लेकर ट्रामा सेंटर तक अवैध अतिक्रमण है। इसकी वजह से मरीजों को खासा परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसको कोर्ट ने गंभीर मामला बताते हुए अभियान चलाने का निर्देश दिया था।

धान की खरीद नहीं होने से किसानों की बढ़ी चिंता

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नारदीगंज,नवादा। प्रखंड में अभी तक पैक्स अध्यक्षों के माध्यम से धान की खरीद शुरु नहीं हुई है। जबकि 26 दिन बीत गये हैं। 15 नवम्बर से धान की अधिप्राप्ति करना था। लेकिन धान की खरीदारी नहीं होने से किसानों की चिंता बढ़ी हुई है। किसानों का कहना है कि पैक्स में धान की खरीदारी लंबे समय बीत जाने के बाद भी नहीं शुरु होना परेशानी का सबब बन गया है। घर व खलिहान में धान रखा हुआ है। उसकी रखवाली कर पाना भी मुश्किल हो रहा है। इस ठंड में रतजगा कर सुरक्षा में लगे हुए हैं। सुरक्षा के अभाव में कई किसानों का धान खलिहान से गायब हो रहे हैं। खुले बाजार में सरकारी दर से कम कीमत मिल रहा। पैक्स में धान की खरीदारी होती तो किसानों के हित में अच्छा होता। वैसे विवशता वश किसान खुले बाजार में बिक्री कर रहे हैं। जिससे किसान को काफी घाटा हो रहा है। किसान आर्थिक मार झेलने को विवश है। इस बाबत पचेया निवासी किसान विकास कुमार सिंह, हरनारायणपुर निवासी किसान श्रवण कुमार कुशवाहा, नंदपुर निवासी किसान रविन्द्र सिंह,सहजपूरा निवासी नवीन कुमार सिंह, दरियापार निवासी अनिल सिंह, प्रवीण कुमार समेत अन्य किसान कहते हैं कि अभी तक नारदीगंज प्रखंड में अभी तक पैक्स अध्यक्षों के माध्यम से धान खरीदारी नहीं होने से परेशानी बढ़ी हुई है। किसान कहते हैं कि घर खलिहान से धान पैक्स गोदाम तक पहुंचाने में काफी परेशानी है। एक बोरा धान को पैक्स गोदाम तक पहुंचाने में तकरीबन 134 रुपये खर्च होते हैं। कहा गया एक जुट के बोरा की कीमत 25 रुपये, वजन व सिलाई में 20 रुपये, ट्रैक्टर चढ़ाने व उतारने में 10 रुपये, प्रति बोरा परिवहन व्यय 10 रुपये के अलावा एक बोरा में (नमी के वजह से) तीन किलो धान अलग से देना है।

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं.: एसजी.टेंडर/डीएसटीई/एसडीएएच/583, दिनांक 10.12.2025; वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता, पूर्व रेलवे, सियालदह, दूसरी मंजिल, कंट्रोल बिल्डिंग, डीआरएम बिल्डिंग, कैजर स्ट्रीट, सियालदह, कोलकाता-700014 द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **ई-निविदा सं.: एसडीएसटीई/सिग/टी/24/25-26/आरआरएसके; कार्य का नाम** साथ में उसका **स्थान:** सियालदह मंडल में निम्नलिखित सिग्नलिंग कार्य - सियालदह मंडल में सीटीआर (पी)-20.909 टीकेएम एवं टीआरआर(पी)-4.404 टीकेएम, सीटीआर(पी)-4.123, टीआरआर(पी)-27.395 टीकेएम एवं टीटीआर (एफएस+टीडब्ल्यूएस्म+डब्ल्यूसीएमएससी)-3 सेट (1 इन 12)। **निविदा मूल्य:** रु. 1,09,39,542.22; **जमा की जाने वाली बयाना राशि/बोली सुरक्षा:** रु. 2,04,700; **निविदा दस्तावेज की कीमत:** शून्य। **कार्य समापन अवधि:** 12 महीने। **निविदा जमा शुरू होने की तारीख:** 24.12.2025; **निविदा जमा करने की अंतिम तारीख:** 07.01.2026 को 14.00 बजे तक। **निविदा बोली खुलने की तारीख:** 07.01.2026 को 14.30 बजे। विस्तृत विवरण: **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। **पात्रता के तकनीकी मानदंड:** निविदादाताओं द्वारा पिछले 07 (सात) वर्षों के दौरान, निविदा आमंत्रित किए जाने वाले माह से पहले महीने के अंतिम दिन तक, नीचे उल्लेखित श्रेणियों में से किसी भी एक कार्य को सफलतापूर्वक पूरा अथवा काफी हद तक सम्पन्न किया होना चाहिए: (i) समतुल्य प्रकृति के तीन कार्य, प्रत्येक की लागत निविदा के विज्ञापित मूल्य के 30% की बराबर रकम से कम नहीं होनी चाहिए अथवा (ii) समतुल्य प्रकृति के दो कार्य, प्रत्येक की लागत निविदा के विज्ञापित मूल्य के 40% की बराबर रकम से कम नहीं होनी चाहिए अथवा (iii) समतुल्य प्रकृति का एक कार्य, जिसकी लागत निविदा के विज्ञापित मूल्य के 60% की बराबर रकम से कम नहीं होनी चाहिए। **वित्तीय मानदंड:** निविदादाता द्वारा वी/एन अथवा 'वी' जो कम हो का न्यूनतम औसत वार्षिक अनुबंधकीय कारोबार किया होना चाहिए, जहां वी=निविदा का विज्ञापित मूल्य करोड़ रुपये में, एन=कार्य पूरा करने के लिए निर्धारित वर्षों की संख्या, जिसके लिए बोली आमंत्रित की गई है। औसत वार्षिक अनुबंधकीय कारोबार की गणना लेखा परीक्षित तुलन पत्र के अनुसार पिछले तीन वित्त वर्षों में "कुल अनुबंधकीय भुगतान" के औसत के रूप में किया जाएगा। हालांकि, पिछले वर्ष के तुलन पत्र के तैयार होना/लेखा परीक्षण होना बाकी रहने की स्थिति में औसत वार्षिक अनुबंधकीय कारोबार की गणना के लिए पिछले चौथे वर्ष के लेखा परीक्षित तुलन पत्र पर विचार किया जाएगा। निविदादाताओं को जीसीसी 2022 के अनुलनग्क-VIबी (इस निविदा दस्तावेज का प्रपत्र-6) के अनुसार अपेक्षित जानकारी के साथ चार्टर्ड एकाउंटेंट द्वारा भलीभांति सत्यापित लेखा परीक्षित तुलनपत्र/लेखा परीक्षित तुलन पत्र के साथ भलीभांति समर्थित चार्टर्ड एकाउंटेंट से प्रमाणपत्र जमा करना होगा। **जमा किए जाने वाले अन्य दस्तावेज:** जैसा कि निविदा दस्तावेज में उल्लेखित है। **समतुल्य प्रकृति का कार्य:** इस निविदा कार्य के लिए डाटा लॉगर अथवा आरटीयू की आपूर्ति, स्थापना एवं चालू करना अथवा ईआई अथवा आरआरआई अथवा पीआई अथवा आईबीएस अथवा आईबीएच अथवा एलसी गेट इंटरलॉकिंग अथवा यार्ड मॉडिफिकेशन अथवा यूएफएसबीआई अथवा ट्रैक सर्किट (एएफटीसी अथवा डीसी टीसी) अथवा एक्सल काउंटर (एसएसडीएसी अथवा एमएसडीएसी अथवा एचएएसएसडीएसी) अथवा स्वचालित सिग्नलिंग सम्मिलित कोई भी सिग्नल इंटरलॉकिंग कार्य को समतुल्य प्रकृति का कार्य माना जाएगा। **टिप्पणी:** निविदादाता को निविदा प्रस्ताव के साथ निविदा दस्तावेज में यथा उल्लेखित पात्रता के मानदंडों को पूरा करने के अपने दावे के समर्थन में दस्तावेज जमा करने होंगे। निविदादाता द्वारा अनुशंसापत्रों के समर्थन में जमा किए गए दस्तावेज/प्रमाणपत्रों की प्रतिलिपियों के प्रत्येक पृष्ठ पर निविदादाता अथवा निविदाकारी प्रतिष्ठान के अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा स्वयं सत्यापित/डिजिटली हस्ताक्षर होना चाहिए। स्वयं सत्यापन में हस्ताक्षर, मुहर तथा तारीख (प्रत्येक पृष्ठ पर) शामिल होना चाहिए।

(SDAH-298/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

देवघर में श्रद्धा का सैलाब, उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

देवघर। बाबा नगरी देवघर पूरे देश में एक धार्मिक स्थान के रूप में जाना जाता है। देशभर के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक झारखंड के देवघर में बाबा बैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग है। इस कारण यहां सालोंभर श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला जारी रहता है। इसके अलावा देवघर में रिखिया आश्रम, सत्संग आश्रम सहित कई ऐसे ऐतिहासिक धार्मिक धरोहर हैं, जिसे देखने के लिए पूरे देश-दुनिया से लोग बाबाधाम पहुंचते हैं। देवघर में तो ऐसे तो सालों भर श्रद्धालुओं की आवाजाही रहती है, लेकिन दिसंबर और जनवरी के महीने में श्रद्धालुओं की भीड़ सबसे ज्यादा देखने को मिलती है। कुछ ऐसा ही नजारा इन दिनों देवघर में देखने को मिल रहा है। सिर पर सफ़ेद टोपी पहने लोगों का जत्था शहर में हर तरफ दिख रहा है। ठंड के बावजूद भी बिहार, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों से भी श्रद्धालु देवघर पहुंच रहे हैं। खासकर छत्तीसगढ़ से आने वाले लोगों की संख्या सबसे अधिक देखने को मिलती है क्योंकि छत्तीसगढ़ सरकार की तीर्थ यात्रा योजना के माध्यम से हजारों लोग यहां घूमने आ रहे है।

सबसे ज्यादा सैलानी छत्तीसगढ़ से पहुंचे

यात्रियों का जत्था लेकर देवघर पहुंचे अमन सैनी बताते हैं कि छत्तीसगढ़ सरकार की मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत पहले खेप में करीब साढ़े आठ सौ लोग देवघर आए हैं और यह निरंतर चलता रहता है। इस योजना के तहत जो बुजुर्ग और आर्थिक रूप से कमजोर लोग हैं उन्हें मुफ्त में तीर्थ स्थलों का भ्रमण कराया जाता है। जिसमें सबसे मुख्य देवघर और बासुकीनाथ को रखा गया है।

प्रशासन और नगर निगम ने की खास तैयारी

वहीं श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन और निगम की तरफ से भी व्यवस्था को दुरुस्त रखा जा रहा है। सभी होटलों और धर्मशालाओं में यात्रियों की सुख-सुविधा और उनकी सुरक्षा का विशेष ध्यान रखने का निर्देश दिया गया है क्योंकि देवघर एक पर्यटन क्षेत्र है और यहां पर प्रतिवर्ष लाखों की संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं। जिसका लाभ कहीं ना कहीं राजस्व के रूप में जिला प्रशासन और राज्य सरकार को भी होता है।

महापरिवर्तन के जिला शिष्टमण्डल ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जहानाबाद। महापरिवर्तन संगठन एक सामाजिक, गैर-राजनीतिक एवं जागरूकता फैलाने का संगठन है, जो बिहार की जनता के सर्वांगीण विकास का कार्य करती है। इस संगठन का शिष्टमण्डल जिला स्तर के साथ-साथ प्रखंड स्तर पर भी है, जिसमें सभी क्षेत्रों के प्रबुद्ध और सम्मानित व्यक्ति जुड़े हैं। इनका प्रतिनिधि मंडल प्रत्येक माह जिला और प्रखंड स्तर के पदाधिकारियों से मिलकर आम जनता की समस्या को संज्ञान में देती है। इसी क्रम में गुरुवार को जिला शिष्टमण्डल के प्रतिनिधि मंडल ने जिलाधिकारी अलंकृता पाण्डेय से मिलकर आम जनता के द्वारा समर्पित आवेदन पर कार्य पूरा करने की समय सीमा निर्धारित करने एवं जिला से भ्रष्टाचार का पूरी तरह उन्मूलन करने के सम्बन्ध में ज्ञापन दिया। जिला पदाधिकारी ने बताया कि दिए आवेदन पर कार्य पूरा हो इसके लिए जिला प्रशासन हमेशा तत्पर रहती है। भ्रष्टाचार उन्मूलन के सम्बन्ध में जिला पदाधिकारी ने बताया कि यदि जिला में कोई भी भ्रष्टाचार से पीड़ित है तो उसके लिए कोई भी एडीएम जांच विनय कुमार को सूचित कर सकता है। प्रसार भारती के जहानाबाद जिला के प्रतिनिधि आभाष रंजन के नेतृत्व में गए प्रतिनिधि में संजय कुमार एवं डिम्पी कुमारी शामिल थे। महापरिवर्तन संगठन का मुख्य उद्देश्य जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन के साथ मिलकर जहानाबाद जिला को आदर्श जिला स्थापित करने के मुहीम को अनवरत चला रही है ताकि आम जनता शांति और सौहद्र पूर्ण वातावरण में अपने परिवार-समाज के साथ रहकर अपने कार्य को निश्चिंतता के साथ सुचारु ढंग से पूरा कर सकें।

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सूचना सं.: ओ-एसी-टी-124 से 125-25-26 (ओपन), दिनांक: 10.12.2025; मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के निष्पादन के लिए ई-निविदाएं (खुली) आमंत्रित की जाती हैं: **क्रमांक 1, केस सं. ओ-एसी-टी-124-25-26; कार्य का नाम:** सीनि. डीईएन/III/एएसएन अनुभाग में आसनसोल यार्ड में ट्रैक की स्क्रीनिंग, स्लीपर के नवीनीकरण, रेल नवीनीकरण तथा अन्य विविध ट्रैक रखरखाव कार्यकलापों के संबंध में आसनसोल में यार्ड लाइनों के सुधार के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्य:** रु. 76,03,494.95। **बयाना राशि:** रु. 1,52,100; **क्रमांक 2, केस सं. ओ-एसी-टी-125-25-26; कार्य का नाम:** सीनि. डीईएन/III/एएसएन अनुभाग में अंडाल यार्ड में ट्रैक की स्क्रीनिंग, स्लीपर के नवीनीकरण, रेल नवीनीकरण तथा अन्य विविध ट्रैक रखरखाव कार्यकलापों के संबंध में अंडाल में यार्ड लाइनों के सुधार के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्य:** रु. 70,79,883.55। **बयाना राशि:** रु. 1,41,600; **कार्य हेतु समापन अवधि:** प्रत्येक के लिए 12 महीने। **बंद होने की तारीख एवं समय:** 05.01.2026 को दोपहर 12.00 बजे। परिपूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखे जा सकते हैं। (ASN-272/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट ww.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

ग्राम स्तरीय मिट्टी जांच प्रयोगशाला की स्थापना हेतु बैठक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जहानाबाद। वित्तीय वर्ष 2025-26 में केन्द्र प्रायोजित, प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के मृदा स्वास्थ्य एवं उर्वरता कार्यक्रम अंतर्गत ग्राम स्तरीय मिट्टी जांच प्रयोगशाला की स्थापना किया जाना है। जिसके अंतर्गत जहानाबाद जिले का कुल पांच लक्ष्य निर्धारित है। मेधा सूची तैयार करने हेतु दैनिक समाचार पत्र में आवेदन प्राप्त करने हेतु सूचना प्रकाशन किया गया था तथा जिले के बेवसाइट पर भी अपलोड किया गया था। समय सीमा समाप्ति उपरांत कुल 17 आवेदन प्राप्त हुए हैं। गुरुवार को उप विकास आयुक्त डॉ. प्रीति के द्वारा जिला कार्यकारिणी समिति की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में इस योजना के उद्देश्य, लाभार्थी की अहर्ता, वित्तीय

सहायता, चुने गए लाभार्थी का प्रशिक्षण तथा अपेक्षित परिणाम जैसे गंभीर विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। चुने जाने वाले लाभार्थियों का चयन का आधार तय उम्र सीमा (18-27 वर्ष), युवा उद्यमी की प्राथमिकता, एक प्रखण्ड से एक लाभार्थी का चयन, जिन प्रखण्डों में पूर्व से ग्राम स्तरीय मिट्टी जाँच प्रयोगशाला स्थापित है उन प्रखण्डों में उनके आवेनदनों पर विचार न करना जैसे अहर्ता शामिल है। साथ ही लाभार्थी उद्यमी को विज्ञान संकाय से 10वीं पास तथा कम्प्यूटर का ज्ञान की अनिवार्यता सम्मिलित है। प्रारंभ में लाभार्थी को योजना की लागत का 1.5 लाख रूपये स्वयं वहन करना है। प्रयोगशाला स्थापित करने के बाद भारत सरकार के द्वारा ग्राम स्तरीय मिट्टी जाँच प्रयोगशाला स्थापित करने के लिए एक मुश्त 1.5 लाख रूपये का अनुदान के रूप में लाभुक का भुगतान करने का प्रावधान किया गया है। बताया गया कि जिला स्तरीय कार्यकारिणी समिति से प्राप्त उद्यमियों के प्रस्ताव को राज्य स्तरीय कार्यकारिणी समिति को भेजा जाना है जो अंतिम रूप से प्रस्तावों को अनुमोदित करेगी। पूरी प्रक्रिया में अधिकतम एक माह का समय निर्धारित है। राज्य सरकार उद्यमियों को प्रयोगशाला की स्थापना के 15 दिनों के अंदर वित्तीय सहायता जारी करेगी। जिला स्तरीय कार्यकारिणी की बैठक में जिला कृषि पदाधिकारी सदस्य सचिव के रूप में उपस्थित थे। साथ ही समिति के अन्य सदस्य सहायक निदेशक (रसायन), जिला उद्यान पदाधिकारी, प्रधान वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केन्द्र मृदा वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केन्द्र एवं अन्य उपस्थित थे।

दक्षिण पूर्व रेलवे - निविदा

भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से वरिष्ठ डीईई, टीआरएस, बोकारो स्टील सिटी, दक्षिण पूर्व रेलवे निम्नलिखित कार्य के लिए **निविदा संख्या: जीईएम/2025/बी/6983543, तारीख: 10.12.2025** के तहत ई-निविदा आमंत्रित करते हैं: **निविदा सूचना संख्या: ईएलएसबी-25-कैलिब्रेशन-12/टीएन, दिनांक: 10.12.2025। कार्य का विवरण:** मेकानिकल, विद्युतीय, ताप, फ्लूइड फ्लो, रेडियोलॉजिकल कैलिब्रेशन, ऑप्टिकल कैलिब्रेशन, डायमेंशन, मास एंड वॉल्यूम, प्रेशर एंड वैक्यूम, स्पीड एंड अक्सेलरेशन, हार्डनेस एवं प्रभाव, डेंसिटी एंड विस्कोसिटी, वोल्टेज, करंट, बिजली। **अवधि:** 03 वर्ष। **अनुमानित मूल्य:** ₹ 9,88,309। **जमा बयाना राशि:** ₹ 19,770। **निविदा प्रपत्र की कीमत:** शून्य। निविदा दस्तावेज **दिनांक 05.01.2026 को सुबह 11.00 बजे तक** सरकारी ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) वेबसाइट अर्थात **www.gem.gov.in** पर उपलब्ध होगा। **निविदा जमा करने की अंतिम तारीख/समय:** 05.01.2026 को सुबह 11.00 बजे तक। **निविदा खुलने की तारीख/समय:** 05.01.2026 को सुबह 11.30 बजे। सभी वास्तविक, अनुभवी एवं इच्छुक निविदादाता इस कार्य के लिए आवेदन कर सकते हैं। (PR-941)

पूर्व मध्य रेल

ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के तरफ से निम्न कार्य हेतु ई. निविदा आमंत्रित की जाती है।

ई–निविदा सं० : ईसीआर–सीएओ–सी–एस–एटेन–गया–02, **कार्य का नाम:** पूर्व रेलवे के धनबाद मंडल में चोपन–चुनार दोहरीकरण कार्य के संबंध में चौ. 141.430 से चौ. 143.070 के बीच छोटे पुलों का निर्माण, रिटेनिंग वॉल, निर्माण में मिट्टी का काम, कंबलिंग, गिट्टी की आपूर्ति सहित स्थायी मार्ग को जोड़ना, पी.वे सामग्री का परिवहन, निर्माण कार्य, पानी की पाइप लाइन और अन्य संबंधित कार्य। **आकलित लागत (रू.):** 18,99,71,720.68, **बोली प्रतिभूति (रू.):** 10,99,900.00, **कार्य पूर्ण करने की अवधि:** 12 (बारह) महीने

उप मुख्य अभियंता (निर्माण)
पूर्व मध्य रेलवे, गया
पीआर/1440/कॉन गया/टी/25–26/24

सड़क दुर्घटना में दो दोस्तों की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बिहारशरीफ। दीपनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत बख्तियारपुर- रजौली फोरलेन (एनएच-20) पर देर रात एक भीषण सड़क दुर्घटना हुई, जिसमें बाइक सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई।

दोनों युवक रात में पावापुरी से अपने घर लौट रहे थे तभी डीटीओ ऑफिस के पास फ्लाईओवर पर अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और दोनों युवकों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

मृतकों की पहचान लहेरी थाना क्षेत्र के मथुरिया मोहल्ला निवासी उदय शंकर प्रसाद के पुत्र पीयूष कुमार (23) और बिहार थाना क्षेत्र के खंदक पर मोहल्ला निवासी संजय कुमार के पुत्र सोनू कुमार (21) के रूप में हुई है। दोनों बचपन के दोस्त बताए जाते हैं।

पीयूष के चाचा रंजन कुमार ने बताया कि दोनों देर रात पावापुरी से लौट रहे थे और जैसे ही फ्लाईओवर के ऊपर पहुंचे, अचानक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उन्हें रौंद दिया। घटनास्थल की स्थिति इतनी भयावह थी कि शव भी क्षत-विक्षत हो गए थे। परिवार को हादसे की सूचना पुलिस द्वारा दी गई, जिसके बाद माहौल में कोहराम मच गया।

परिजनों के अनुसार पीयूष के पिता घी का व्यवसाय करते हैं, जबकि सोनू के पिता फॉर्च्यून का व्यापार संचालित करते हैं। दीपनगर थानाध्यक्ष राजमणि ने बताया कि शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया था, जिसके बाद परिजनों को सौंप दिया गया है।

उन्होंने बताया कि ट्रैफिक थाना को घटना की जानकारी दे दी गई है और आवेदन मिलने पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अज्ञात वाहन की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज भी खंगाल रही है।

इस दर्दनाक हादसे के बाद स्थानीय लोगों में भी शोक और आक्रोश का माहौल है। कई लोगों का कहना है कि फोरलेन पर रात में तेज रफ्तार वाहनों के कारण दुर्घटनाओं का खतरा लगातार बढ़ रहा है और प्रशासन को सख्त कदम उठाने की आवश्यकता है।

जीएसटी में हेराफेरी, सरकार चलायेगी चाबुक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बेतिया। जिले में उद्योग विभाग के अधीन चलाई जा रही स्वरोजगार से जुड़ी योजनाओं में लाभुकों के द्वारा दिए गए कई विपत्रों में फर्जी जीएसटी के मामले सामने आए हैं। मशीनों के आपूर्तिकताओं के द्वारा फर्जी जीएसटी नंबर से हेराफेरी की गई है। ऐसे में लाभुकों से करोड़ों की राशि फजीवाड़ा मामले के उजागर होने के बाद उद्योग विभाग ने इस पर कड़ा रुख अख्तियार किया है।

जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक रोहित राज ने बताया कि राज्य कर संयुक्त कार्यालय में आपूर्तिकताओं के द्वारा इस्तेमाल किए गए जीएसटी के सत्यापन के लिए पत्र भेजे गए थे। सत्यापन रिपोर्ट में कई ऐसे मामले सामने आए हैं। इसमें मुस्कान मशीन इंटरप्राइजेज, मुस्कान इंटरप्राइजेज एवं हार्दिक मोबाइल सेंटर के जीएसटी मान्य नहीं पाए गए हैं। इन आपूर्तिकताओं के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

हाल में राज्य कर संयुक्त आयुक्त की ओर से उद्योग विभाग को सात आपूर्तिकताओं के जीएसटी के बारे में रिपोर्ट भेजी गई है, इनमें शिवम इंटरप्राइजेज को अब तक जीएसटी नंबर विभाग की ओर से दिया ही नहीं गया है, बावजूद उक्त आपूर्तिकर्ता के द्वारा मशीन की आपूर्ति की गई है। वहीं, दो आपूर्तिकताओं के जीएसटी सेंट्रल जीएसटी के क्षेत्राधीन में आते हैं, जबकि तीन उत्तर प्रदेश के अंदर निबंधित हैं।

उधर, नरकटियागंज के चार आपूर्तिकर्ता फर्म में तीन को फर्जी करार किया गया है, जबकि एक के द्वारा व्यवसाय संचालन नहीं होने की स्थिति में उसे भी निलंबित करने की बात बताई गई है।

वाणिज्य कर संयुक्त आयुक्त की ओर से उद्योग विभाग को भेजे गए रिपोर्ट में बगहा के आपूर्तिकर्ता के संबंध में बताया गया है कि उसने निर्धारित प्राविधानों का उल्लंघन किया है।

बगहा के कबिरा सिलाई मशीन फर्म के द्वारा आपूर्ति विपत्र में कर प्रतिवेदित किया गया है, जबकि करदाता जीएसटी वसूल नहीं कर सकता है।

सोती मां के बगल से नवजात गायब

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चतरा। लावालौंग के कदहे गांव से सोती मां के पास से नवजात की रहस्यमयी चोरी के बाद पुलिस ने तलाश अभियान और तेज कर दिया है। बुधवार की रात और गुरुवार सुबह पुलिस की कई टीमें अलग-अलग दिशाओं में निकलकर बच्चे की खोज में जुटी रहीं।

आसपास के जंगलों, पगडंडियों और संभावित मार्गों की सूक्ष्म तलाशी ली गई। एक स्थान से नवजात का कपड़ा मिला है। सूत्रों का कहना है कि कुछ और महत्वपूर्ण इनपुट मिले हैं।

जिसके बाद नवजात की जल्द बरामदगी की संभावना बढ़ गई है।

दूर जंगल से मिला कपड़ा

पुलिस कप्तान सुमित कुमार अग्रवाल ने नवजात चोरी की घटना को गंभीरता से लेते हुए लातेहार और पलामू जिले की पुलिस को भी अलर्ट किया है। सीमावर्ती क्षेत्रों में नाकेबंदी कर वाहनों की जांच शुरू कर दी गई है। गांव के कई संदिग्धों को पूछताछ के लिए थाना लाया गया है।

चाइल्ड ट्रैफिकिंग से जुड़े पुराने मामलों को भी खंगाला जा रहा है ताकि किसी संगठित गिरोह की संलिप्तता की संभावना पर विचार किया जा सके। बुधवार दोपहर डाग स्क्वायड को दोबारा गांव लाया गया। टीम ने लगभग दो किलोमीटर के दायरे में खोजबीन की। हालांकि कुत्ता एक स्थान पर बार-बार रुकता नजर आया। पुलिस उस स्थान की गतिविधियों की गहन जांच कर रही है।

ग्रामीणों के अनुसार देर रात गांव के बाहरी हिस्से में कुछ लोगों की संदिग्ध आहट सुनी गई थी। जिसे अब पुलिस एक महत्वपूर्ण सुराग के रूप में देख रही है। पीड़ित परिवार की स्थिति बेहद दयनीय बताई जा रही है। नवजात की मां का रो-रोकर बुरा हाल है।

गांव की महिलाओं ने घर पहुंचकर उन्हें सांत्वना दी और बच्चे की सकुशल बरामदगी की प्रार्थना की। ग्रामीण भी पुलिस के लगातार प्रयासों से अब उम्मीद जताने लगे हैं।

प्रमुख पति श्रवण रजक ने बताया कि पुलिस निरंतर क्षेत्र में कैंप कर रही है और गांव वालों से भी सूचना तंत्र को सक्रिय रखने की अपील की है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार कार्रवाई आगे बढ़ी है, उससे लगता है कि मामला जल्द सुलझ जाएगा।

थाना प्रभारी प्रशांत कुमार मिश्रा ने बताया कि कुछ महत्वपूर्ण सुराग सामने आए हैं। उनका कहना है कि टीमें लगातार काम कर रही हैं। हर एंगल पर जांच की जा रही है। हमें भरोसा है कि बहुत जल्द नवजात को सुरक्षित बरामद कर लिया जाएगा। कदहे गांव अभी भी भय और बेचैनी की स्थिति में है, लेकिन पुलिस की बढ़ी हुई सक्रियता ने लोगों में उम्मीद की एक नई किरण जगा दी है।

जीरादेई महोत्सव में याद किये गये डॉ. राजेंद्र प्रसाद

सामा-चकेवा की प्रस्तुति ने दर्शकों को किया मंत्रमुग्ध

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सिवान। भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की जन्मभूमि जीरादेई में गुरुवार को भव्य जीरादेई महोत्सव मनाया गया। 11 दिसंबर 1946 को डॉ. राजेंद्र प्रसाद के संविधान सभा के स्थायी अध्यक्ष चुने जाने की स्मृति में आयोजित होने वाला यह वार्षिक महोत्सव इस बार भी आकर्षण का केंद्र बना रहा। महोत्सव का मुख्य आकर्षण महेंद्र उच्च विद्यालय प्रांगण में आयोजित सांस्कृतिक संध्या रही। कार्यक्रम में नवागत जिला अधिकारी विवेक रंजन मैत्रेय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जिन्होंने अपना पहला कार्य दिवस जीरादेई में बिताया। कार्यक्रम की शुरूआत जिला अधिकारी सहित अन्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन से हुई। अतिथियों का स्वागत जिला कला-संस्कृति पदाधिकारी डॉ. ऋचा वर्मा, जीरादेई बीडीओ और सीओ ने संयुक्त रूप से किया।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में महेंद्र उच्च विद्यालय की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत डॉ. राजेंद्र प्रसाद का प्रिय लोकगीत ह्लबटोहियाह्व सबसे अधिक सराहा गया। गीत के शुरू होते ही पूरा पंडाल तालियों की गड़गड़ाहट और वाह-वाह के स्वर से गूंज उठा। दर्शक भाव-विभोर होकर झूमने लगे।

इसी क्रम में डिवाइन पब्लिक स्कूल की छात्राओं ने मनमोहक मणिपुरी नृत्य प्रस्तुत किया, जबकि विशाल राज ने हाँ हम बिहारी गीत गाकर सभी का दिल जीत लिया। मिथिला की प्रसिद्ध लोक परंपरा सामा-चकेवा की प्रस्तुति ने भी दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। महोत्सव में कबड्डी सहित विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। विजेता खिलाड़ियों को जिला अधिकारी एवं अन्य पदाधिकारियों ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

अपने संबोधन में जिला अधिकारी विवेक रंजन मैत्रेय ने कहा, ह्लजीरादेई की पावन धरती पर कदम रखते ही गर्व की अनुभूति हो रही है। डॉ. राजेंद्र प्रसाद सादगी, देशभक्ति और संविधान के प्रति समर्पण के प्रतीक थे। हमें उनके जीवन मूल्यों को समझकर जीवन में अपनाना चाहिए।ह्व उन्होंने अपने पहले कार्य दिवस पर जीरादेई महोत्सव में शामिल होना एक सुखद संयोग बताया।

इससे पूर्व शिक्षाविद् डॉ. गणेश दत्त पाठक ने डॉ. राजेंद्र प्रसाद के जीवन दर्शन और उनके देशहितकारी योगदान पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में डीडीसी मुकेश कुमार, पीजीआरओ इस्तियाक अंसारी, एसडीएम आशुतोष कुमार, जिला जनसंपर्क अधिकारी कन्हैया कुमार, जिला योजना पदाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह, जिला कल्याण पदाधिकारी संजय झा, प्रखंड प्रमुख पुष्पा देवी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार सरकार तथा जिला प्रशासन सीवान के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित यह महोत्सव देर रात तक चलता रहा और लोगों ने डॉ. राजेंद्र बाबू को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की।

पावर लिफ्टिंग में स्वर्ण पदक

फतेहपुर। कीचड़ में कमल खिलता है। इस कहावत को एक छोटे से गांव के किसान का बेटा पावर लिफ्टिंग में स्वर्ण पदक जीतकर साबित कर दिखाया है। गया जिले के फतेहपुर प्रखंड का नाम एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन हुआ है। सुदूर ग्रामीण इलाके पुरनी बथान के युवा पावरलिफ्टर अजय यादव ने रूस में आयोजित पावरलिफ्टिंग वर्ल्ड चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीतकर भारत का परचम बुलंद किया है। उन्होंने बीते सात दिसंबर को ईरान के खिलाड़ी को पराजित कर पदक जीता।

83 किलोग्राम भार वर्ग के फाइनल मुकाबले में अजय ने 265 किलो वजन उठाकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। यह उनके करियर का एक और चमकदार अध्याय बन गया है। अजय यादव भारतीय सेना के जवान हैं।

अजय को भारत लौटने पर फतेहपुर वासी भव्य स्वागत की तैयारी में जुट गए हैं। अजय अभी रूस में हैं। उपलब्धि की खबर मिलते ही पुरनी बथान समेत पूरे प्रखंड में खुशी की लहर दौड़ गई।

नवविवाहिता पर एसिड अटैक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरपुर। नवविवाहिता पर एसिड अटैक करने का आरोप लगाया गया है। झुलसी नवविवाहिता को स्वजन ने एसकेएमसीएच भर्ती कराया है। बर्न वार्ड में उसका इलाज चल रहा है।

चिकित्सक ने महिला की हालत गंभीर बताई है। उसके गर्दन के नीचे का पार्ट झुलसने की जानकारी दी है। पीड़िता की ससुराल मिठनपुरा थाना क्षेत्र में है। वहीं, मायका गायघाट थाना क्षेत्र में है। घटना के बाद भी पीड़िता का बयान दर्ज करने में पुलिस आनाकानी करती रही। मायके के लोग एसकेएमसीएच ओपी पुलिस का चक्कर लगा रहे थे। वहां से पहले इलाज कराने को बोलकर लौटा दिया गया। पिता ने बताया कि मई में बेटी की शादी की थी। उपहार स्वरूप से जो बना वो दिया। शादी के कुछ दिन बाद से ही बेटी की ननद व पति अक्सर मायके से सोने के आभूषण व अन्य सामान लाने का दबाव उसपर डालते थे।

इसी दौरान उसके भतीजे की शादी थी। उसमें बेटी को आना था। बेटी आने के लिए तैयार हुई तो ननद रोकने लगी। इसका विरोध करने पर ननद ने भाई के साथ मिलकर उसपर एसिड फेंक दिया। इससे बेटी झुलस गई।

शादी समारोह में नहीं आने पर जब बेटी की जानकारी ली तो पता चला कि वह बीमार है और अस्पताल में भर्ती है। यहां पहुंचे तो बर्न वार्ड में बेटी भर्ती थी। पति ने बताया कि बैटरी का पानी गिर गया, जिससे वह झुलस गई है। पिता ने बताया कि घटना की जानकारी लेने वह बेटी की ससुराल पहुंचे तो उसके कमरे में एसिड जैसी दुर्गंध आ रही थी। ननद फिनाइल छिड़क रही थी। जानकारी मिलने पर दामाद के भाई पहुंचे तो उन लोगों की हत्या कर पोखर में फेंकने की धमकी दी। पुलिस उन लोगों के खिलाफ बयान दर्ज नहीं कर रही है। आशंका जताई कि पुलिस बेटी के ससुरालवालों के साथ मिली है।

सरेआम फल-फूल रहा अवैध लॉटरी का धंधा

रोज लाखों का खेल, प्रशासन बेपरवाह

60 से 70 लोग प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से हैं जुड़े

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नवादा। अकबरपुर में इन दिनों प्रतिबंधित लॉटरी की बिक्री खुलेआम जारी है, जिससे क्षेत्र में अवैध आर्थिक लेन-देन का बड़ा नेटवर्क खड़ा हो गया है। सूत्रों के अनुसार इस अवैध कारोबार का दैनिक टर्नओवर लाखों रुपये तक पहुंच जाता है।

सुबह से ही लॉटरी की बुकिंग शुरू हो जाती है, जिसमें लगभग 60 से 70 लोग प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े हुए बताए जाते हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि इस अवैध लॉटरी के जाल में सबसे अधिक गरीब और मध्यमवर्गीय परिवार फंस रहे हैं। आर्थिक स्थिति सुधारने की उम्मीद में लोग अपनी कमाई दांव पर लगा देते हैं, जिसके कारण कई परिवार कर्ज और आर्थिक संकट की चपेट में आ रहे हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से कड़ा कदम उठाने की मांग की है।

उनका कहना है कि यदि समय रहते इस धंधे पर रोक नहीं लगी तो आने वाले दिनों में इसका प्रभाव और गंभीर हो सकता है। क्षेत्रवासियों का मानना है कि प्रशासनिक सख्ती ही इस अवैध कारोबार को समाप्त कर सकती है। अभी तक प्रशासन की ओर से कोई बड़ी कार्रवाई नहीं की गई है, लेकिन लोगों की बढ़ती शिकायतें संकेत दे रही हैं कि इस मुद्दे पर तत्काल ध्यान देने की जरूरत है।

लाभुकों पर होगा सर्टिफिकेट केस

गयाजी। प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना के तहत राशि का उठाव करने के बावजूद मकान निर्माण नहीं करने वाले लाभुकों के विरुद्ध नप प्रशासन द्वारा कानूनी कार्रवाई करने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है।

नप क्षेत्र के ऐसे 10 लाभुकों को चिह्नित कर सर्टिफिकेट केस करने हेतु म्युनिसिपल सिविल इंजीनियर को आदेश दिया गया है।

नप कार्यपालक पदाधिकारी राजेश कुमार झा ने बताया कि नियम के अनुसार तीन नोटिश और बार बार समय देने के बावजूद राशि प्राप्त करने वाले 10 लाभुकों द्वारा मकान निर्माण का कार्य शुरू किया गया। ऐसे सभी लाभुकों के विरुद्ध सर्टिफिकेट केस के साथ सरकारी नियामानुसार ब्याज सहित योजना की हस्तांतरित राशि वापस करना होगा। राशि जमा नही करने पर सजा का भी प्रावधान है।

नगर प्रबंधक मोहित कुमार ने बताया कि सर्टिफिकेट केस के दायरे में आने वाले सभी लाभुकों को प्रधानमंत्री आवास योजना 1.0 के तहत लाभ दिया गया था। निर्धारित समय सीमा समाप्त होने के बाद भी लाभुकों द्वारा मकान निर्माण नही किया गया।

उपभोक्ता फोरम ने स्पाइसजेट एयरलाइन पर तरेरी आंखें

चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर पर गैर जमानती वारंट जारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सीवान। जिले के उपभोक्ता फोरम ने स्पाइसजेट एयरलाइन के अध्यक्ष एवं मैनेजिंग डायरेक्टर पर नॉन-बैलेबल वारंट जारी किया है। मामला 2017 में बुक किए गए टिकट के रिफंड से जुड़ा था। शिकायतकर्ता, अधिवक्ता राजीव रंजन ने बताया कि उन्होंने अगस्त 2017 में दिल्ली से मुंबई के लिए दो टिकट बुक किए थे (4 सितंबर और 8 सितंबर 2017)। बाद में कार्यक्रम में बदलाव के कारण टिकट कैंसिल करनी पड़ी।

स्पाइसजेट ने 20,904 के टिकट रिफंड के बदले केवल 2,264 वापस किए। शिकायतकर्ता ने कई बार एयरलाइन से संपर्क किया लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला। इसके बाद उन्होंने सीवान उपभोक्ता फोरम का दरवाजा खटखटाया और केस नंबर 283/2017 दर्ज कराया। सुनवाई के आठ साल बाद, उपभोक्ता फोरम ने गहन जांच के बाद स्पाइसजेट के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर पर गैर जमानती वारंट जारी किया।

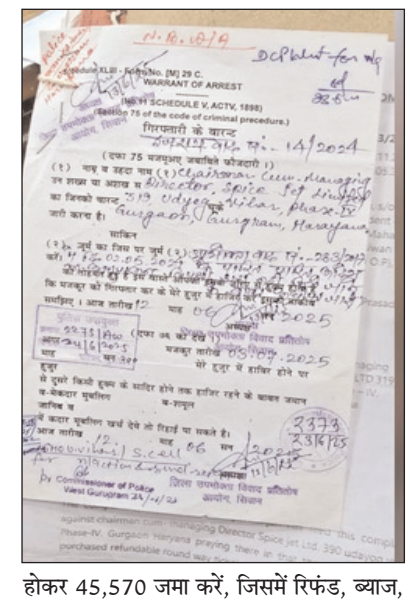

आयोग ने आदेश दिया है कि वह स्वयं उपस्थित होकर 45,570 जमा करें, जिसमें रिफंड, ब्याज, मानसिक पीड़ा और मुकदमा खर्च शामिल हैं। अधिवक्ता राजीव रंजन ने बताया कि यदि एक महीने के भीतर वे उपस्थित नहीं होते हैं, तो आयोग एसपी से आदेश जारी कर गुड़गांव से गिरफ्तारी करवा सकती है।

भुना चना भी सुरक्षित नहीं

पटना। भुंजा को अब तक सुरक्षित और लोकप्रिय स्नैक माना जाता रहा ह। हाल में इसमें खतरनाक रासायनिक मिलावट की पुष्टि होने के बाद एफएसएसएआई सतर्क हो गया है। दिल्ली में भुने चने के नमूनों की जांच में कपड़ा रंगने वाली औद्योगिक डाई औरामाइन ओ मिलने के बाद खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने देशभर में भुंजा की जांच का आदेश दिया है। बिहार में भी जल्द ही अभियान शुरू होगा। जांच में पता चला कि भुने चने को चमकदार पीला और कुरकुरा बनाने के लिए इस जहरीले रसायन का उपयोग किया जा रहा था। विशेषज्ञों के अनुसार औरामाइन किडनी आदि गंभीर बीमारियों के खतरे को बढ़ाता है।

विवादों में उलझा बिहार-झारखंड का सीमांकन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

साहिबगंज। झारखंड-बिहार का सीमांकन विवादों में उलझ गया है। बुधवार को सीमांकन करने पहुंची टीम बैरंग लौट गई। दूसरे दिन भी ग्रामीणों व कर्मचारियों के बीच सहमति नहीं बनने से मापी नहीं हो सकी। दोनों जिला के अंचल कर्मचारी हाई कोर्ट के आदेश पर 2018 में हुई मापी के दौरान गाड़े गए सीमेंट के पिलर को आधार मानकर मापी करना चाहते थे, लेकिन ग्रामीणों का कहना है कि मापी जब भी होगी तो साहिबगंज के तेलियागढ़ी से होगी या पीरपैंती से होगी ग्रामीणों के अनुसार तीन मौजा के सेंटर से कड़ी गिराने पर 40-40 चैन बाबुपुर व मखमलपुर में प्रवेश करता है जो जमीन अर्सेक्षित है। ग्रामीण इस स्थल से मापी को तैयार नहीं हैं।अंचल कर्मियों का कहना था कि पूर्व में गाड़े गए पिलर से मापी करने पर बिहार के बाबुपुर व बैजनाथपुर तथा झारखंड के साहिबगंज सदर प्रखंड के मखमलपुर मौजा का मिलान हो जाता है। अब वरीय अधिकारियों से इस मामले पर चर्चा की जाएगी जिसमें बाद मापी होगी। 1985 से बाबुपुर, बैजनाथपुर व मखमलपुल (साहिबगंज) के सीमांकन को लेकर किसानों के बीच लंबी लड़ाई चल रही है। सीमांकन नहीं होने से मखमलपुर के किसान को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। दबंग हजारों एकड़ जमीन को जबरन कब्जा किए हुए हैं। किसान कार्यालय व व्यवहार न्यायालय का चक्कर लगाते लगाते थक गए।

मो. मुस्तका नामक किसान ने 2014 में हाइकोर्ट में याचिका दायर की। इसमें झारखंड के साथ-साथ बिहार सरकार को पार्टी बनाया गया। कोर्ट ने 2018 में ही दोनों जिलों के उपायुक्त को सीमांकन कराने का आदेश दिया था। तत्कालीन डीसी संदीप सिंह के नेतृत्व में दोनों जिला के कर्मचारियों ने मापी शुरू की, लेकिन विवाद बढ़ जाने की वजह से मापी स्थगित करनी पड़ी। पुनः एक बार हाई कोर्ट ने संज्ञान लिया है।

गरजा बुलडोजर, सड़कें हुई अतिक्रमण मुक्त,

अतिक्रमणकारियों के खुद कब्जा हटाने से अभियान को मिली गति

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पूर्णिया। भवानीपुर नगर पंचायत क्षेत्र में प्रशासन ने अतिक्रमण के विरुद्ध सख्त तेवर दिखाते हुए बृहद अभियान चलाया। एसएच-65 के दोनों किनारों पर फैले अवैध निर्माण एवं कब्जों को हटाने के लिए सुबह से ही धमदाहा अनुमंडलीय पदाधिकारी (एसडीएम) अनुपम, एसडीपीओ संदीप गोल्डी, थानाध्यक्ष अजय कुमार अजनबी, कार्यपालक पदाधिकारी कशिश कुमारी, सीओ ईशा रंजन और आरओ सादिक आलम के नेतृत्व में टीम सक्रिय रही। अभियान के दौरान कई पक्के निर्माण जेसीबी की मदद से ढहा दिए गए। साथ ही सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा जमाए लोगों से जुमार्ना भी वसूला गया। प्रशासन के कड़े रुख का असर यह रहा कि कई। अतिक्रमणकारियों ने स्वयं ही कब्जा खाली करना शुरू कर दिया, जिससे अभियान में और तेजी आई।

मौके पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती से वातावरण में तनाव तो रहा, पर किसी प्रकार की अप्रिय घटना की सूचना नहीं है। एसडीएम अनुपम ने बताया कि यह कार्रवाई पहले चरण का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि एसएच-65 को अतिक्रमणमुक्त करने के बाद मुख्य बाजार क्षेत्र में बड़े स्तर पर अभियान चलाया जाएगा।

उन्होंने साफ चेतावनी दी कि खाली कराई गई जमीन पर दोबारा कब्जा करने वालों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। नगर पंचायत की ओर से अस्थायी अतिक्रमण पर 5,000 रुपये तथा स्थायी अतिक्रमण पर 20,000 रुपये का जुर्माना निर्धारित किया गया है। अभियान में राजस्व कर्मचारी धीरेंद्र कुमार, अंचल अमीन सहित नगर पंचायत के सभी कर्मियों की सक्रिय भूमिका रही। प्रशासन की इस कठोर कार्रवाई से आमलोगों में राहत है, वहीं अतिक्रमणकारियों में हड़कंप मचा हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क चौड़ी होने से आवागमन सुगम होगा और बाजार क्षेत्र में भी व्यवस्था सुधरेगी।

वर्षों से फरार नक्सली धराया

जमुई। बिहार एसटीएफ की विशेष टीम ने जमुई पुलिस के सहयोग से गुरुवार को चिहरा थाना क्षेत्र में छापेमारी कर 20 साल से फरार नक्सली मोतीलाल किस्कु उर्फ चुन्ना किस्कु को गिरफ्तार कर लिया है।

मोतीलाल की गिरफ्तारी चिहरा थाना अंतर्गत हरणी स्थित उसके गांव से हुई। एसटीएफ की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि चकाई थाना में दर्ज कांड संख्या 2/05 दिनांक 9-11-2005 में मोतीलाल प्राथमिकी अभियुक्त है।

हलकान हुई पुलिस

शेखपुरा। बरबीघा के मिशन थाना क्षेत्र में नालंदा के कतरीसराय के मायापुर निवासी एक युवक के अपहरण को लेकर हाई वोल्टेज ड्रामा हुआ। इसमें पुलिस दिनभर परेशान रही।

वहीं, बाद में युवक को छोड़ देने का मामला भी सामने आया। अब इस मामले में पुलिस अधीक्षक बलीराम चौधरी के द्वारा जांच कराई जा रही है। यह पूरा मामला साइबर अपराध से जुड़ा हो सकता है।

दरअसल, यह पूरा मामला कतरीसराय थाना के मायापुर निवासी रौनक कुमार से जुड़ा हुआ है। मामले की जानकारी देते हुए रौनक कुमार के साला मन्नु कुमार ने बताया कि उसकी बहन सोनी देवी को मोबाइल पर कॉल करके बताया गया कि रौनक कुमार को बरबीघा के मिशन थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

इसी की छानबीन करने के लिए जब वह बरबीघा आ रहे थे, तो रास्ते में रौनक के मोबाइल से कॉल करके तीन लाख रुपये की मांग छोड़ने के बदले की गई । साथ ही एक लोकेशन भी भेजा गया। उस लोकेशन पर पहुंचकर जब छानबीन किए तो कुछ पता नहीं चला।

डिजिटल अरेस्ट के मामले सरकार सीबीआई को सौंपने की तैयारी में

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सुप्रीम कोर्ट के हालिया आदेश के बाद बिहार में भी डिजिटल अरेस्ट के मामलों को सीबीआई को सौंपने की तैयारी शुरू हो गई है। इसको लेकर राज्य में हुई डिजिटल अरेस्ट से जुड़े मामलों की समेकित रिपोर्ट तैयार की जा रही है। सभी जिलों से डिजिटल अरेस्ट के कांडों का विस्तृत ब्योरा मांगा गया है। इनमें सबसे अधिक मामले पटना में पाए गए हैं।

विभागीय सूत्रों के अनुसार, राज्य में पिछले दो वर्षों में डिजिटल अरेस्ट के सौ से अधिक मामले सामने आए हैं।

इनमें करीब आधे 50 कांड सिर्फ पटना में दर्ज किए गए हैं। इन मामलों में पुलिस अनुसंधान और कार्रवाई की रिपोर्ट भी तैयार की जा रही है। पुलिस के वरीय अधिकारियों के अनुसार, डिजिटल अरेस्ट के मामलों की समेकित जांच होने से इसके संगठित गिरोह तक पहुंचने में मदद मिलेगी। अभी डिजिटल अरेस्ट के मामले की अलग-अलग थानों या इकाई के स्तर पर जांच की जा रही है।

डिजिटल अरेस्ट के मामले अधिसंख्य दूसरे राज्यों से भी जुड़े होते हैं, जिसका फायदा साइबर अपराधी उठाते हैं। सीबीआई के पास जांच जाने से वह राष्ट्रीय स्तर पर ऐसे मामलों और अपराधियों को चिह्नित कर ठोक कार्रवाई कर सकेगी।

मंत्री श्रवण कुमार ने केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मांगों को लेकर की औपचारिक मुलाकात

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नयी दिल्ली/पटना। ग्रामीण विकास एवं परिवहन विभाग मंत्री श्रवण कुमार ने शिवराज सिंह चौहान, केन्द्रीय मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग से उनके कार्यालय कक्ष में अंग वस्त्र एवं पुष्प गुच्छ देकर औपचारिक मुलाकात की। इस मुलाकात में बिहार राज्य के लिए ग्रामीण विकास विभाग द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में विकास हेतु कतिपय योजना संचालित की जा रही है, उनमें प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण, मनरेगा एवं एन0आर0एल0एम0 प्रमुख है। इन

योजनाओं के तहत ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जुलाई माह में एसएनए स्पर्श मॉड्यूल के तहत राशि की विमुक्ति किये जाने की सूचना दी गई है । ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार से पूर्व निर्धारित प्रक्रिया के तहत राशि की विमुक्ति नहीं किये जाने के कारण इन योजनाओं का कार्यान्वयन बाधित है। योजनावार प्रगति एवं लंबित राशि की विमुक्ति की वर्तमान स्थिति की चर्चा किया गया। मंत्री ने मुलाकात के दौरान कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 को मिलाकर राज्य को कुल 12,21,247 लक्ष्य उपलब्ध कराया गया है। प्राप्त लक्ष्य से राज्य के गरीब आवास विहीन एवं कच्चे आवासों में रहने वाले परिवारों को आवास का लाभ दिया गया है। इनमें से 11,35,799 परिवारों को प्रथम किश्त, 7,46,992 परिवारों को द्वितीय किश्त एवं 3,26,770 परिवारों को तृतीय किश्त का भुगतान किया गया है। योजना के राज्य नोडल खाता में योजना मद की राशि समाप्त हो जाने के कारण निर्धारित स्तर तक निर्माण कार्य पूर्ण किये हुए लाभुकों को अग्रेतर किश्त की सहायता राशि का भुगतान संभव नहीं हो पा रहा है । वर्तमान में 3,88,807 लाभुकों को द्वितीय किश्त तथा 4,20,222 लाभुकों को तृतीय किश्त का भुगतान नहीं किया गया है। योजना अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में योजना मद में प्रथम किश्त का प्रथम भाग 1,497 करोड़ रूपये की विमुक्ति की गई है। अर्थात प्रथम किश्त का द्वितीय भाग एवं द्वितीय किश्त के रूप में अनुमान्य 4,491 करोड रूपये की विमुक्ति लंबित है। इसी प्रकार योजना के प्रशासनिक मद में भी सिर्फ प्रथम किश्त का प्रथम भाग 18 करोड़ रूपये की ही विमुक्ति की गई है। विभाग से प्रस्ताव प्रेषित रहने के बावजूद भी प्रशासनिक मद में प्रथम किश्त का द्वितीय भाग एवं द्वितीय किश्त की राशि विमुक्त नहीं की गई है।

प्राचार्या प्रो. रत्ना अमृत ने दी प्रेरणा, बी.डी. कॉलेज की एनएसएस टीम पहुंची परिवर्तन शिविर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बी.डी. कॉलेज, पटना की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई आज परिवर्तन, नरेंद्रपुर (प्रखंड जीरादेई, जिला-सिवान) के सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा शिविर (11 से 17 दिसम्बर 2025) में शामिल होने के लिए रवाना हुई। इस शिविर में कॉलेज के 40 छात्र-छात्राएं भाग ले रहे हैं। टीम का नेतृत्व एनएसएस कॉर्डिनेटर विशाल विजय तथा प्राचीन इतिहास विभाग की सहायक प्राध्यापिका डॉ. स्वर्णा कुमार कर रही हैं। प्रस्थान से पूर्व कॉलेज की प्राचार्या प्रो. रत्ना अमृत ने दो बसों के माध्यम से टीम को रवाना किया और शिविर के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। परिवर्तन संस्था द्वारा आयोजित इस शिविर का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा, कृषि, महिला सशक्तिकरण, आजीविका, सामुदायिक रंगमंच और खेल जैसे विषयों पर युवाओं को अनुभवात्मक सीख प्रदान करना है। शिविर के दौरान प्रतिभागी छात्र-छात्राएं विभिन्न गांवों में जाकर सामाजिक जागरूकता अभियान, स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण, महिला समूहों के साथ संवाद और सामुदायिक गतिविधियों में भाग लेंगे। प्राचार्या प्रो. रत्ना अमृत ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना का मूल मंत्र 'मैं नहीं बल्कि तुम' छात्रों को समाज के प्रति उत्तरदायित्व का भाव सिखाता है। परिवर्तन जैसे संस्थान के साथ जुड़कर हमारे विद्यार्थी ग्रामीण जीवन को समझेंगे और सामाजिक विकास में अपनी भूमिका निभाएंगे। परिवर्तन के निदेशक मंडल ने बी.डी. कॉलेज की टीम का स्वागत करते हुए कहा कि युवा शक्ति ही परिवर्तन की असली ताकत है। इस शिविर से छात्रों को समाज की वास्तविक चुनौतियों को समझने और समाधान खोजने का अवसर मिलेगा।

चार विधानसभा सीटों के चुनाव परिणाम को हाईकोर्ट में चुनौती, नवनिर्वाचित विधायकों को नोटिस जारी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव के परिणाम घोषित होने के बाद अब राजनीतिक जंग अदालत की चौखट तक पहुंच गई है। राष्ट्रीय जनता दल, हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा और राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी ने चार अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों के नतीजों को चुनौती देते हुए पटना उच्च न्यायालय में चुनाव याचिकाएं दायर की हैं।

नरपतगंज सीट पर पहली सुनवाई

नरपतगंज विधानसभा क्षेत्र से राष्ट्रीय जनता दल के उम्मीदवार मनीष यादव ने भारतीय जनता पार्टी की नवनिर्वाचित विधायक देवयंती यादव की जीत को अदालत में चुनौती दी है। इस पर न्यायमूर्ति शशि भूषण प्रसाद सिंह की एकलपीठ ने प्रारम्भिक सुनवाई करते हुए विधायक को नोटिस जारी किया है। मधुबनी विधानसभा सीट से राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के उम्मीदवार गणेश कुमार महरान ने राष्ट्रीय लोकतांत्रिक मोर्चा के विधायक माधव आनंद के निर्वाचन को गलत बताते हुए चुनौती दी है। इस मामले में न्यायमूर्ति अशोक कुमार पांडेय की पीठ ने नवनिर्वाचित विधायक को नोटिस भेजकर जवाब तलब किया है। मोहिउद्दीननगर से राष्ट्रीय जनता दल की प्रत्याशी डॉ. इज्या यादव ने भारतीय जनता पार्टी के विधायक राजेश कुमार सिंह की जीत को अदालत में चुनौती दी है। याचिका में निर्वाचन प्रक्रिया और मतगणना को लेकर गंभीर आपत्तियां दर्ज कराई गई हैं। टेकारी विधानसभा क्षेत्र में हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के उम्मीदवार डॉ. अनिल कुमार ने राष्ट्रीय जनता दल के नवनिर्वाचित विधायक अजय कुमार की जीत के खिलाफ याचिका दायर की है। इस मामले की सुनवाई भी प्रारम्भ हो चुकी है। चारों सीटों पर दायर इन याचिकाओं के बाद अब नवनिर्वाचित विधायकों की राह मुश्किल हो सकती है। अदालत में चल रही कार्यवाही के बाद चुनावी जीत का अंतिम निर्णय अब न्यायिक प्रक्रिया पर निर्भर करेगा।

विकसित भारत संकल्प यात्रा में 14 दिसम्बर को जुटेंगे हजारों युवा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। प्रेम यूथ फाउंडेशन की ओर से 14 दिसंबर को राजधानी के युवा आवास पटना से विकसित भारत संकल्प यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जायेगा। फाउंडेशन के निदेशक देवानंद ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो विकसित भारत 2047 का सपना देखा है उसे साकार करने के लिए फाउंडेशन निरंतर प्रयासरत है । भारत दुनिया के सबसे युवा देश है युवा शक्ति को संगठित कर हम राष्ट्र के मुख्य धारा में शामिल कर ही विकसित भारत के सपना को साकार कर सकते है । विकसित भारत संकल्प यात्रा में शामिल होने के लिए राजनेता, उद्योगपति, शिक्षाविद, छात्र अधिकारी,पत्रकार, एनजीओ, युवा मंडल के लोग शामिल हो रहे है ।

40 वर्ष के बाद नियमित कराएं आंखों की जांच : डॉ. शशि मोहनका

पुस्तक मेला की स्वास्थ्य परिचर्चा में विशेषज्ञों ने दी महत्वपूर्ण सलाह

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। पटना पुस्तक मेले में सोमवार को आंख, दांत और इएनटी विषय पर स्वास्थ्य परिचर्चा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रख्यात नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. शशि मोहनका ने काला मोतियाबिंद को लेकर विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि जिन परिवारों में इसका इतिहास रहा है, उन घरों में 40 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को नियमित नेत्र जांच अवश्य करानी चाहिए। आंखों में लालिमा, कीचड़ जमना या धुंधलापन जैसे लक्षण दिखाई दें तो विशेषज्ञ से तुरंत परामर्श लेना चाहिए। उन्होंने बताया कि समय पर जांच से गंभीर स्थिति को रोका जा सकता है। वहीं नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. सुनील कुमार सिंह ने बताया कि मोबाइल, लैपटॉप और टीवी स्क्रीन के बढ़ते उपयोग से ड्राई आई सिंड्रोम की समस्या तेजी से बढ़ रही है। उन्होंने प्रिंट सामग्री पढ़ने और स्क्रीन की ब्राइटनेस आंखों के अनुकूल रखने की सलाह दी।

डॉ. रंजना कुमार ने आंखों में धुंधलापन आने पर देर न करने की अपील की। ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. प्रीति शर्मा ने कान बहने की समस्या को गंभीरता से लेने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि कान की अनावश्यक सफाई नुकसानदायक होती है। डॉ. सुमित कुमार ने सर्दी के मौसम में नाक बहना, कान दर्द और टॉन्सिल बढ़ने जैसी समस्याओं को नजरअंदाज न करने की सलाह दी। दंत चिकित्सक डॉ. राजीव लाल ने दांतों में झनझनाहट और पीलापन के कारणों की जानकारी देते हुए दिन में दो बार ब्रश करने को जरूरी बताया। डॉ. प्रतिभा कुमारी ने कहा कि बच्चों को मिठाई खाने से रोकना कठिन है, ऐसे में मिठाई के बाद दांतों की सफाई का ध्यान रखना चाहिए। डॉ. प्रतीक आनंद ने बताया कि जंक फूड की आदत बच्चों में दांत संबंधी परेशानियां बढ़ा रही है।

पटना पुस्तक मेले में रंजन सिन्हा को मिला फिल्म पीआर का अवार्ड

क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए मिला सम्मान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। पुस्तक मेला 2025 इस बार एक खास क्षण का साक्षी बना जब प्रसिद्ध निर्देशक रंजन कुमार सिंह के हाथों भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री के दिग्गज पीआरओ राजीव रंजन कुमार उर्फ रंजन सिन्हा को फिल्म पीआर क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। यह सम्मान न सिर्फ रंजन सिन्हा की पेशेवर उपलब्धियों का प्रतीक है, बल्कि उनके दो दशक से अधिक के धैर्य, समर्पण और लगन की भी पहचान है। पिछले 21 वर्षों में रंजन सिन्हा ने 900 से ज्यादा फिल्मों और 5000 से अधिक गानों का प्रचार किया है। वे सिर्फ एक पीआरओ नहीं, बल्कि भोजपुरी सिनेमा के ब्रांड आइकॉन के रूप में जाने जाते हैं। उनकी रणनीतियों,

मीडिया नेटवर्क और रचनात्मक प्रचार ने कई फिल्मों को राष्ट्रीय पहचान दिलाई। मनोज तिवारी, रवि किशन, पवन सिंह, खेसारी लाल यादव, प्रदीप पांडे चिंटू और अक्षरा सिंह जैसे सुपरस्टार्स के साथ उनके काम ने उन्हें इंडस्ट्री का विश्वसनीय नाम बना दिया। वैशाली जिले के राजापाकर प्रखंड के छोटे से गांव बिरना लखन सेन से निकलकर मुंबई जैसी माया नगरी में अपनी जगह बनाना आसान नहीं था। रंजन सिन्हा की कहानी संघर्ष, मेहनत और जुनून की मिसाल है। वे बताते हैं कि हर सम्मान मेरे लिए खास है, यह मुझे लगातार बेहतर काम करने की प्रेरणा देता है। भोजपुरी इंडस्ट्री में पहचान बनाने के बाद उन्होंने दक्षिण भारतीय और बॉलीवुड फिल्मों के प्रचार में भी अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। रंजन सिन्हा फिल्मों के प्रचार तक सीमित नहीं रहे। उन्होंने बिहार सरकार के बड़े आयोजनों प्रकाश पर्व, पटना फिल्म फेस्टिवल, गांधी पैनोरमा फिल्म फेस्टिवल, बाबू वीर कुंवर सिंह विजयोत्सव, नेशनल बॉक्सकॉन कांफ्रेंस में भी अहम भूमिका निभाई। इन आयोजनों में उनकी पीआर रणनीतियों ने बिहार की सांस्कृतिक पहचान को देशभर में नई ऊंचाई दी। वे पारंपरिक प्रचार के साथ डिजिटल पीआर को जोड़कर नए मानक स्थापित करने में अग्रणी रहे हैं। यह सम्मान उनकी लगातार मिलती उपलब्धियों की श्रृंखला में एक और सुनहरा अध्याय है। इससे पहले उन्हें दादा साहेब फाल्के भोजपुरी अवार्ड, भोजपुरी गौरव सम्मान और कई अन्य इंडस्ट्री अवार्ड्स मिल चुके हैं। आज रंजन सिन्हा भोजपुरी कंटेंट को अंतरराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल्स और बड़े ओटीटी प्लेटफॉर्म्स तक ले जाने के मिशन पर काम कर रहे हैं। उनका लक्ष्य क्षेत्रीय सिनेमा को वैश्विक मंच पर मजबूत पहचान दिलाना है।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ प्रेम कुमार ने जिला स्तरीय उर्वरक निगरानी समिति की बैठक में हुए शामिल

ब्लैक यूरिया खाद बेचने पर किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा : डा. प्रेम कुमार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गया। बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ प्रेम कुमार ने गया जिला अंतर्गत जिला समाहरणालय स्थित सभागार में जिला स्तरीय उर्वरक निगरानी समिति की बैठक में शामिल हुए। अध्यक्ष बिहार विधानसभा डॉक्टर प्रेम कुमार ने कहा कि ब्लैक यूरिया खाद बेचने पर किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने जिला कृषि पदाधिकारी को निर्देश दिया कि प्रखंड स्तर एवं पंचायत स्तर पर पंचायती राज के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर किसानों के समस्याओं को दूर किया जा सकता है। साथ ही प्रखंड स्तर के पदाधिकारी को जिम्मेदारी दिया जाए कि वह खाद दुकानों पर निरीक्षण कर कालाबाजारी पर रोकथाम करें साथ ही जल्द से जल्द उड़नदस्ता का गठन कर औचक निरीक्षण कराया जाए। किसानों की समस्याओं को दूर करने के लिए जिला कृषि पदाधिकारी को हेल्पलाइन नंबर जारी करने का निर्देश दिया गया साथ ही डॉ प्रेम कुमार ने कहा कि जो भी कंपनी को खाद्य वितरण का जिम्मेदारी दिया गया है उनका स्टॉक वेरिफिकेशन हो साथ ही 24 प्रखंडों का जिला कृषि पदाधिकारी स्वयं औचक निरीक्षण करें एवं वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा करने का भी निर्देश दिया गया। किसानों के खाद्य वितरण के बाद प्रेस विज्ञप्ति भी जारी किया जाए ताकि आम जनों एवं किसानों को यह पता चल सके की खाद में कोई कालाबाजारी नहीं हो रही है बल्कि समय से किसानों को खाद आपूर्ति की जा रही है जो भी कंपनी समय पर किसानों को खाद आपूर्ति नहीं कर पा रही है उन पर प्रस्ताव सरकार को दिया जाए कार्यवाही करवाई जाएगी।

अलकतरा घोटाले में कार्यपालक अभियंता और ट्रांसपोर्टर को सजा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार की राजधानी पटना स्थित केंद्रीय जांच ब्यूरो सीबीआई की एक विशेष अदालत ने बहुचर्चित अलकतरा घोटाले के एक मामले में आज एक तत्कालीन कार्यपालक अभियंता और एक ट्रांसपोर्टर को 3 वर्षों तक के सश्रम कारावास की सजा के साथ एक लाख पचास हजार रुपए तक का जुर्माना भी किया। सीबीआई के विशेष न्यायाधीश सुनील कुमार ने मामले में सुनवाई के बाद बांका रोड डिविजन के तत्कालीन कार्यपालक अभियंता बैकुंठ शर्मा और तिरुपति ट्रांसपोर्ट के मालिक सुरेश कुमार गुप्ता को भारतीय दंड विधान और भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम की विभिन्न धाराओं में दोषी करार देने के बाद यह सजा सुनाई है। अदालत ने दोषी तत्कालीन कार्यपालक अभियंता बैकुंठ शर्मा को एक वर्ष के सश्रम कारावास की सजा के साथ दस हजार रूपए का जुर्माना भी किया है। जुर्माने की राशि अदा नहीं करने पर दोषी को दो माह के कारावास की सजा अलग से भुगतनी होगी। दूसरी ओर अदालत ने ट्रांसपोर्टर सुरेश कुमार गुप्ता को तीन वर्षों के सश्रम करावास की सजा के साथ एक लाख पचास हजार रूपयों का जुर्माना भी किया है। जुर्माने की राशि अदा नहीं करने पर दोषी को दो माह के कारावास की सजा अलग से भुगतनी होगी। मामले के विशेष लोक अभियोजक राकेश दुबे ने बताया कि मामला बांका रोड डिविजन का था। आरोप के अनुसार वर्ष 1994 से 1996 के बीच दोषियों ने एक आपराधिक षड्यंत्र के तहत लगभग 15 लाख रूपयों के अलकतरा का गबन कर लिया था।

नर्सरियों के माध्यम से गुणवत्तायुक्त कृषि वानिकी पौध उत्पादन को मिलेगा बढ़ावा

नर्सरी विकास से ग्रामीण अर्थव्यवस्था और हरित आवरण तीनों होंगे सुदृढ़ : राम कृपाल यादव

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। कृषि मंत्री राम कृपाल यादव ने कहा कि राज्य सरकार कृषि वानिकी को नई ऊर्जा, नई दिशा और बड़े पैमाने पर विस्तार देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हरित भारत-समृद्ध भारत विजन तथा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कृषि-हितैषी नेतृत्व में बिहार सरकार नर्सरी-आधारित पौध उत्पादन को मजबूत कर रही है जिससे किसानों की आय में वृद्धि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी। मंत्री ने जानकारी दी कि केंद्र प्रायोजित कृषि वानिकी योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 3 करोड़ 28 लाख 50 हजार की निकासी एवं व्यय की स्वीकृति प्रदान की गई है। यह निर्णय राज्य में कृषि वानिकी के व्यापक विस्तार, पर्यावरणीय संतुलन, हरित आवरण में बढ़ोतरी तथा किसानों को सस्ती दर पर गुणवत्तायुक्त पौधे उपलब्ध कराने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है।

हिमालयी संतरा उत्सव किसानों के लिए ज्ञान, तकनीक और समृद्धि का नया द्वार : राम कृपाल यादव

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। पटना में आयोजित 7वां हिमालयी संतरा पर्यटन महोत्सव में बिहार के कृषि मंत्री राम कृपाल यादव मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। यह प्रतिष्ठित आयोजन पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा किया गया जिसमें नेपाल, भूटान, दार्जिलिंग हिल्स, कालिमपोंग, डुआर्स, सिक्किम, मोंगपू सहित हिमालयी क्षेत्रों के संतरा उत्पादक किसानों ने अपने उत्कृष्ट उत्पादों का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में बिहार के विभिन्न जिलों से आए अनेक किसानों ने भी भागीदारी की और हिमालयी क्षेत्रों की उन्नत संतरा उत्पादन तकनीक, पैकिंग, प्रसंस्करण तथा पर्यटन से जोड़े नए अवसरों को नजदीक से समझा। कृषि मंत्री राम कृपाल यादव ने उपस्थित किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि यह उत्सव बिहार के किसानों के लिए एक अनमोल अवसर लेकर आया है। संतरा उत्पादन की उन्नत तकनीकें सीखकर हमारे किसान अपनी आमदनी में उल्लेखनीय वृद्धि कर सकते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' और 'समृद्ध किसान-समृद्ध भारत' के संकल्प तथा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की कृषि-अग्रसर नीतियों के अनुरूप बिहार सरकार किसानों को हर संभव सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है।

विज्ञान, प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग ने की विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य अभिमुखीकरण सत्र संचालित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। विज्ञान, प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता एवं कल्याण हेतु आयोजित मानसिक स्वास्थ्य अभिमुखीकरण सत्र वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित किया गया। यह सत्र ब्रह्माकुमारीज द्वारा संचालित किया गया जिसमें राजयोगिनी बी. के. सुमन दीदी एवं अन्य सदस्यों ने भाग लिया। सत्र की अध्यक्षता विभाग के अपर सचिव-सह-निदेशक अहमद महमूद ने की। इस अभिमुखीकरण में सभी प्राचार्य, प्रभारी प्राचार्य, मानसिक स्वास्थ्य नोडल अधिकारी, अभिभावक-अध्यापक बैठक नोडल अधिकारी, छात्रावास अधीक्षक (वार्डन) एवं मेंटर्स ने सहभागिता की। सत्र में विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर चर्चा की गई तथा यह बताया गया कि संवेदनशील परिस्थितियों में क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए। यह आयोजन एआइसीटीइ+ यूजीसी के दिशा-निर्देशों तथा सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों के आलोक में किया गया। विभाग द्वारा यह भी निर्णय लिया गया है कि शीघ्र ही सभी राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालयों एवं राजकीय पॉलिटेकनिक संस्थानों में विद्यार्थियों के लिए प्रत्येक माह मानसिक स्वास्थ्य अभिमुखीकरण सत्र प्रारंभ किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि विभाग ने गत महीनों में स्वास्थ्य विभाग के साथ समन्वय कर सभी संस्थानों में क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट्स के माध्यम से भी अभिमुखीकरण सत्र आयोजित किए थे। उल्लेखनीय है कि विभाग ने गत महीनों में स्वास्थ्य विभाग के साथ समन्वय कर सभी संस्थानों में क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट्स के माध्यम से भी अभिमुखीकरण सत्र आयोजित किए थे। विभाग आशा करता है कि इस सतत पहल से विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य संवर्धन की दिशा में ठोस कदम उठेंगे और संस्थागत वातावरण और अधिक सहयोगी एवं सकारात्मक बनेगा।

महाकवि सुब्रह्मण्य भारती की जन्म तिथि पर भाषा उत्सव का आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। देशरत्न राजेन्द्र प्रसाद शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में एन सी टी ई के निर्देशानुसार महाकवि सुब्रह्मण्य भारती की जन्म तिथि के अवसर पर भाषा उत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रशिक्षुओं द्वारा भारत के प्रांतीय भाषाओं में चार्ट पेपर पर सुविचार लिखकर उन भाषाओं की विशेषताओं एवं उन प्रांतों के वेष भूषा को प्रदर्शित किया। कार्यक्रम की विशिष्टता थी महाविद्यालय के कैंपस में भारत के मानचित्र का चित्रण कर के मानव श्रृंखला बनाकर भाषाई विविधताओं को प्रदर्शित करना। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ पूनम वर्मा, सभी शिक्षक गण, सभी प्रशिक्षु गण एवं सभी शिक्षकेत्तर कर्मचारी मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन भाषा की सहायक प्रोफेसर डॉ रीना चौधरी एवं मंजरी चौधरी ने किया।

संपादकीय

आग से सुरक्षा के लिए इंतजामों में लापरवाही कब रुकेगी?

किसी भी हादसे का मुख्य सबक यह होना चाहिए कि उस तरह की घटना से बचने के लिए हर उपाय किए जाएं, ताकि वैसा दोबारा न हो। मगर आए दिन लगभग समान दिखने वाले हादसों की खबरें आती रहती हैं, उसमें नाहक लोगों की जान जाती है और कई बार एक ही प्रकृति की लापरवाही आम पाई जाती है।गोवा के एक नाइट क्लब में शनिवार रात जिस तरह आग लगी और उसमें कम से कम पच्चीस लोगों की जान चली गई, उससे फिर यही पता चलता है कि सुरक्षा और व्यवस्था संबंधी जरूरी पक्ष को लेकर लापरवाही के नतीजे क्या हो सकते हैं। आग लगने के वास्तविक कारण जांच के बाद ही सामने आएंगे, मगर किसी भी जगह ऐसे हादसे में जानमाल की क्षति का मुख्य कारण बचाव के पर्याप्त इंतजाम न होने से आग का तेजी से फैलना होता है।खबरों के मुताबिक, गोवा के उस क्लब में भी आपात स्थिति में बाहर निकलने का रास्ता बेहद संकरा था, जिसमें कई लोग फंस गए। विडंबना यह है कि नाइट क्लब या ज्यादा लोगों के जमावड़े वाली जगहों पर चकाचौंध पैदा करने के लिए भारी खर्च किए जाते हैं, लेकिन आपात स्थिति में बचाव को लेकर अमूमन सभी जरूरी पहलुओं को लेकर घोर लापरवाही बरती जाती है।किसी भी हादसे की स्थिति में सबसे बुनियादी और प्राथमिक जरूरत बचाव का उपाय होती है। मगर जानमाल के व्यापक नुकसान की लगभग सभी घटनाओं में कारण के तौर पर एक विचित्र तरह की समानता पाई जाती है कि वहां अग्नि शमन की व्यवस्था या तो नहीं थी या फिर वह काम नहीं कर रही थी।निश्चित तौर पर यह संबंधित भवन के मालिक और प्रबंधन की लापरवाही होती है, लेकिन अक्सर लोगों के जमा होने की जगहों पर आग लगने की स्थिति में बचाव इंतजामों की जांच करने के मामले में सरकार या संबंधित महकमों की जिम्मेदारी क्या होती है?गोवा को एक अहम पर्यटक स्थल और अपेक्षया एक सुरक्षित जगह के रूप में देखा जाता रहा है। मगर नाइट क्लब में आग लगने से जिस तरह पच्चीस लोगों की जान चली गई, उसके बाद वहां के जोखिम को लेकर भी अब सवाल उठने लगे हैं। गोवा के बाकी क्लबों में भी अग्नि शमन, सुरक्षा और बचाव के उपायों की स्थिति की जांच की मांग की जा रही है।सवाल है कि आग लगने की स्थिति में बचाव या सुरक्षा का इंतजाम एक अनिवार्य व्यवस्था क्यों नहीं होनी चाहिए, जिसमें मामूली लापरवाही की भी गुंजाइश न हो! अव्वल तो समूचा ढांचा ऐसा तैयार होना चाहिए, जिसमें कोई सामान्य तकनीकी गड़बड़ी बड़े हादसे में तब्दील न हो। दूसरे, किसी भी वजह से आग लगने की आशंका के मद्देनजर हर स्तर पर बचाव के ऐसे पुख्ता इंतजाम किए जाएं।

भूख से युद्ध के साथ शिक्षा की लौ जलाता अक्षय पात्र

बहरहाल दीन-दुखियों, बच्चों, विधवा और बुजुर्ग महिलाओं एवं पुरूषों, स्कूली बच्चों और आंगनबाड़ी में आने वाले बच्चों को भोजन मुहैया कराने के लिए इस्कॉन से जुड़े दो संतों ने अक्षय पात्र की साल 2000 में कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में की। इस्कॉन से जुड़े मधु पंडित दास और चंचलापति दास ने मिलकर अक्षय पात्र फाउंडेशन की स्थापना की। महाभारत में एक कथा आती है..जुए में अपना सबकुछ हारने के बाद पांडव वनवास काट रहे हैं..उसी दौरान वे सूर्य की उपासना करते हैं..सूर्य देव प्रसन्न होकर युधिष्ठिर को एक पात्र देते हैं..उस पात्र की विशेषता है कि उसमें रखा भोजन कभी खत्म ही नहीं होता...वह सदा भरा ही रहता है।

(उमेश चतुर्वेदी)

अक्षय का अर्थ ही होता है, जिसका कभी क्षय ना हो, यानी जिसमें कभी कोई कमी ना हो..कहना न होगा कि इस्कॉन का अक्षय पात्र भी पांडवों के अक्षय पात्र की तरह हो गया है..भूखे, बेसहारा, गरीब, बेघर बुजुर्ग माताओं, आंगनबाड़ी और स्कूली बच्चों की भूख मिटाने का आज यह बड़ा सहारा बन गया है। साल 2000 में शुरू इस संकल्प ने चौथाई सदी की यात्रा पूरी कर ली है।

अक्षय पात्र सोलह राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों के करीब 24 लाख बच्चों को नियमित रूप से उनके स्कूलों में भोजन करा रहा है। साल 2001 में सर्वोच्च न्यायालय ने स्कूली बच्चों को मध्यान्ह भोजन योजना को लागू करने का आदेश दिया। देश की सर्वोच्च अदालत में दायर एक जनहित याचिका में कहा गया था कि खाद्य निगम के गोदामों में काफी मात्रा में अन्न सड़ जाता है। उस अन्न के जरिए मध्यान्ह भोजन योजना लागू की जा सकती है। सर्वोच्च न्यायालय को यह तर्क जंचा और उसके ही आदेश पर समूचे देश के स्कूलों में दोपहर में बना हुआ भोजन देना जरूरी कर दिया गया। इसके पहले केंद्र की नरसिंह राव सरकार ने 15 अगस्त 1995 को राष्ट्रीय पोषण योजना की चुने हुए ब्लॉकों में शुरूआत की, जिसके तहत स्कूली बच्चों को मध्यान्ह भोजन मुहैया कराना शुरू हुआ । बाद में इसके तहत बच्चों को मुफ्त चावल दिया जाने लगा। लेकिन सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के बाद अब पका हुआ खाना देना अनिवार्य कर दिया गया। अब इसका नाम प्रधानमंत्री पोषण कार्यक्रम कर दिया गया है।

अक्षय पात्र फाउंडेशन की शुरुआत के पीछे अंतरराष्ट्रीय श्रीकृष्ण भावनामृत संघ यानी इस्कॉन के संस्थापक स्वामी प्रभुपाद का भी एक संकल्प कार्य कर रहा है। स्वामी प्रभुपाद पश्चिम बंगाल के मायापुर में भगवान कृष्ण के भजन में लीन रहते थे। एक बार उन्होंने अपनी खिड़की से देखा, कूड़े में फेंके भोजन को लेकर कुत्ते और कुछ बच्चों में खींचतान चल रही थी। यह कारूणिक दृश्य देखकर प्रभुपाद परेशान हो गए। उन्होंने तब संकल्प लिया कि वे ऐसी व्यवस्था करेंगे, जिसकी वजह से उनके आसपास कोई भूखा रहने को मजबूर ना हो सके। इस्कॉन के मंदिरों में यह व्यवस्था अहर्निश अब तक जारी है। उनके यहां भोजन के वक्त कोई भूखा नहीं रहता।

बहरहाल दीन-दुखियों, बच्चों, विधवा और बुजुर्ग महिलाओं एवं पुरूषों, स्कूली बच्चों और आंगनबाड़ी में आने वाले बच्चों को भोजन मुहैया कराने के लिए इस्कॉन से जुड़े दो संतों ने अक्षय पात्र की साल 2000 में कर्नाटक की

राजधानी बेंगलुरु में की। इस्कॉन से जुड़े मधु पंडित दास और चंचलापति दास ने मिलकर अक्षय पात्र फाउंडेशन की स्थापना की। पहले साल साल इस योजना के तहत बेंगलुरू के पांच स्कूलों के 1,500 बच्चों को भोजन उपलब्ध कराया गया। तब से यह फाउंडेशन लगातार कार्य कर रहा है और आज स्थिति यह है कि अक्षय पात्र सोलह राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों के सरकारी विद्यालयों के करीब चौबीस लाख बच्चों को रोजाना दोपहर का भोजन मुहैया करा रहा है। अक्षय पात्र का उद्देश्य भूख की वजह से स्कूल छोड़ने वाले बच्चों को भोजन मुहैया कराना और उन्हें शिक्षा हासिल करने में सहयोगी बनना है। शुरुआत में सीमित पैमाने पर काम करने के बाद, संस्था का विस्तार तेजी से हुआ। आज यह भारत में सबसे बड़े मध्याह्न भोजन कार्यक्रमों में से एक का संचालन करता है, जिसके दायरे में अब करीब चौथाई करोड़ बच्चे आ चुके हैं। अक्षय पात्र के जरिए अब तक चार अरब से ज्यादा थालियां खिलाई जा चुकी हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो चार अरब लोगों को अब तक भोजन मुहैया कराया जा चुका है। इसका मतलब यह है कि भारत की आबादी के करीब ढाई गुना ज्यादा लोगों को अब तक यह गैरलाभकारी संगठन खाना खिला चुका है। अक्षय पात्र की पहुंच आज 23,978 से अधिक स्कूलों तक हो गई है। इस साल मार्च में अक्षय पात्र ने अपना 78वां रसोईघर स्थापित किया। बहुत लोगों को जानकर हैरत होगी कि इनमें से 47 रसोईघरों को आईएसओ प्रमाण पत्र हासिल है। सरकारी स्कूलों में जारी मध्यान्ह भोजन योजना पर दो तरह के आरोप लगते रहे हैं। पहला भ्रष्टाचार का होता है, जबकि दूसरा परोसे जाने वाले भोजन की गुणवत्ता पर रहा है। कमोबेश ये शिकायतें अभी तक बनी हुई हैं। लेकिन अक्षय पात्र की ओर से जिन स्कूलों, आंगनबाड़ियों आदि में भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है, वहं ऐसी कोई शिकायत नहीं है। इसकी वजह यह है कि अक्षय पात्र सिर्फ सरकार से मिलने वाले चावल, दाल और गेहूं और दूसरी सहूलियतों पर ही निर्भर नहीं है। अक्षय पात्र फाउंडेशन दान दाताओं से भी मिले सहयोग पर भी निर्भर है। दान में मिली रकम से अक्षय पात्र ने ना सिर्फ भोजन की गुणवत्ता बेहतर बनाए रखी है, बल्कि पौष्टिकता और पोषण का भी ध्यान रखा है। उसके पास जो 78 रसोईघर हैं, वे पूरी तरह मशीनीकृत हैं । उनमें स्वच्छता का पूरा ध्यान रखा जाता है। भोजन को तैयार करने के लिए सैकड़ों लोग इन रसोईघरों में कार्यरत हैं। तैयार भोजन को स्कूलों और आंगनबाड़ियों को पूरी तरह एयर कंडिशंड व्यवस्था में भेजा जाता है। एक तरह से कह सकते हैं कि अक्षय पात्र का भोजन ढोने वाले वाहन सचल रेफ्रिजरेटर हैं। यानी भोजन के खराब होने या बासी होने की कोई वजह नहीं है। भोजन में तेल, सब्जी, आटा, दाल, चावल, मसाले आदि जिस भी चीज का इस्तेमाल होता है, उनकी गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखा जाता है। इतना ही नहीं, भोजन का मेन्यू भी एक ही नहीं होता। बल्कि भोजन का मेन्यू रोजाना अलग-अलग होता है। अक्षय पात्र के एक प्रवक्ता कहते हैं कि हमारा उद्देश्य पौष्टिक और गुणवत्ता युक्त भोजन मुहैया कराकर स्कूली बच्चों की सेहत का ध्यान तो रखना ही है, उनकी पढ़ाई की गुणवत्ता को निर्बाध रखना है। अध्ययन बताते हैं कि दोपहर का भोजन मिलने के बाद स्कूल छोड़ने वाले बच्चों की संख्या में गिरावट आई है। साल 2003 में अक्षय पात्र फाउंडेशन को मध्याह्न भोजन योजना का भागीदार बनाया गया । इसी साल पहली बार फाउंडेशन ने कर्नाटक सरकार के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया। इसके बाद कर्नाटक के हुबली, मैसूर और मंगलुरु के साथ-साथ उत्तर प्रदेश के वृंदावन और राजस्थान के जयपुर जैसे अन्य स्थानों पर भी और अधिक रसोइयां स्थापित की गईं। आज, यह संगठन भोजन परोसने के साथ सुनिश्चित करता है कि कक्षा में बैठने वाले प्रत्येक बच्चे को पर्याप्त पोषण मिले। अक्षय पात्र के भोजन की गुणवत्ता की ख्याति बढ़ती जा रही है। बिना प्याज लहसुन के बना अक्षय पात्र का भोजन ना सिर्फ सुस्वादु है, बल्कि पौष्टिक भी है। यही वजह है कि इसी साल अगस्त में रेल गाड़ियों और स्टेशनों पर भोजन आदि की व्यवस्था करने वाले रेलवे के आईआरसीसीटी के साथ अक्षय पात्र ने समझौता किया है। इसके तहत चुनिंदा स्टेशनों और रूटों पर रेल यात्रियों को अक्षय पात्र की थाली मिलने लगी है। अक्षय पात्र फाउंडेशन को उम्मीद है कि इसका विस्तार रेलवे में हो सकेगा। अक्षय पात्र की बढ़ती साख ही है कि इसी साल सितंबर में कानपुर में स्कूली बच्चों को भोजन अक्षय पात्र की ओर से मिलने लगा है। एक दिसंबर से मथुरा जिले के साढ़े आठ सौ से ज्यादा आंगनवाड़ियों को भी इसी के जरिए भोजन मिलना शुरू हो चुका है। अक्षय पात्र की भोजन की गुणवत्ता का ही असर है कि आज हर ताकतवर सियासी हस्ती चाहती है कि उसके इलाके के स्कूलों में भी अक्षय पात्र भोजन मुहैया कराए। लेकिन अक्षय पात्र की भी सीमा है। इस कार्य से उसे कोई मुनाफा नहीं कमाना है और ना ही उसे ऐसा कोई फायदा मिलता है। अक्षय पात्र से जुड़े एक शख्स का कहना है कि अगर दानदाता आगे आते रहे तो दूसरे इलाकों में भी उनका संगठन स्कूली और आंगनवाड़ी के बच्चों को भी भोजन मुहैया कराएगा। बस जरूरत है कि इस महत्वपूर्ण समाज कार्य में सहयोगी के तौर पर और भी दान दाता आगे आएं। लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

भारत ने पिला दिया है अमेरिका को पानी, मोलतोल में छूट गए हैं पसीने, सामने आई अंदर की बात

(अमित शुक्ला)

भारत अमेरिका के साथ व्यापार समझौते में अनुचित फायदा देने को तैयार नहीं है। इसे अमेरिकी प्रतिनिधि 'अ टफ नट टू क्रैक' बता रहे हैं। वैश्विक अनाज आपूर्ति बढ़ने के बीच अमेरिका भारत को कृषि निर्यात के लिए एक बड़े बाजार के तौर पर देख रहा है। लेकिन, भारत के सख्त नियम एक चुनौती बने हुए हैं। भारत ने अमेरिका को पानी पिला दिया है। ट्रेड डील के लि?ए जारी बातचीत में वह अमेरिका को कोई अनुचित छूट देने को जरा भी तैयार नहीं है। अमेरिकी प्रतिनिधियों ने स?वीकार कर लिया है कि भारत को मोलतोल में तोड़ पाना आसान नहीं है। अमेरिकी ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव जैमिसन ग्रीर ने भारत को 'अ टफ नट टू क्रैक' बताया है। यह मुहावरा किसी व्यक्ति, समस्या, या स्थिति के बारे में बताता है जिसे समझना, हल करना या संभालना बहुत कठिन या मुश्किल हो।

अमेरिका भारत को कृषि निर्यात बढ़ाने के चक?कर में है। ऐसा इसलिए है क्योंकि दुनिया भर में अनाज की सप्लाई बढ़ गई है। इससे भारत अमेरिकी किसानों के लिए एक बड़ा बाजार बन सकता है। अमेरिकी ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव जैमिसन ग्रीर ने सीनेट की एक सुनवाई में बताया कि उनकी टीम भारत में एक व्यापार समझौते पर बातचीत कर रही है। उन्होंने माना कि भारत के सख?त कृषि नियमों और कुछ खास चीजों जैसे मांस और डेयरी उत्पादों के आयात पर रोक लगाना एक चुनौती है। लेकिन, ग्रीर ने यह भी कहा कि भारत का रवैया बातचीत में काफी सकारात्मक रहा है। उन्होंने कहा कि भारत ने अब तक की सबसे अच्छी पेशकश की है। अमेरिका भारत को अपने लिए एक 'व्यवहार्य वैकल्पिक बाजार' मानता है। यह सब तब हो रहा है जब अमेरिकी कृषि विभाग (यूएसडीए) ने दुनिया भर में अनाज की सप्लाई बढ़ने का अनुमान लगाया है। इससे निर्यातकों के बीच भारत जैसे बाजारों के लिए प्रतिस्पर्धा बढ़ सकती है। यूएसडीए की दिसंबर की रिपोर्ट के मुताबिक, 2025-26 में दुनिया भर में गेहूं की सप्लाई 1.10 अरब टन तक पहुंचने का अनुमान है। यह पिछले अनुमान से 75 लाख टन ज?यादा है। कनाडा, अर्जेंटीना, यूरोपीय संघ (ईयू), ऑस्ट्रेलिया और रूस जैसे देशों में ज?यादा उत्पादन होने की वजह से यह बढ़ोतरी हुई है। कनाडा में उत्पादन 30 लाख टन बढ़कर 400 लाख टन होने का अनुमान है। सीनेट एग्रोप्रिएशन्स कमेटी की सुनवाई में सीनेटर जेरी मोरन के सवाल का जवाब देते हुए अमेरिकी ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव जैमिसन ग्रीर ने कहा कि अमेरिका भारत में जमीनी स्तर पर सक्रिय रूप से बातचीत कर रहा है। उन्होंने कहा, 'हमारा दल भारत में व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहा है।' यह बात एक रिपोर्ट के हवाले से सामने आई है। ग्रीर ने स्वीकार किया कि भारत के कृषि क्षेत्र में, खासकर राजनीतिक रूप से संवेदनशील मामलों में, घुसना आसान नहीं है। उन्होंने कहा, 'भारत कुछ फसलों, मांस और डेयरी उत्पादों के आयात का विरोध करता है।' उन्होंने यह भी जोड़ा कि अधिकारी इस बात से सहमत हैं कि भारत को भेद पाना एक मुश्किल काम रहा है। इसके बावजूद ग्रीर ने बातचीत के भविष्य को लेकर उम्मीद जताई। उन्होंने भारत के हालिया रुख को असामान्य रूप से रचनात्मक बताया। उन्होंने कहा, भारत का रवैया काफी आगे बढ़कर रहा है। उन्होंने आगे कहा, भारत की ओर की गई पेशकशें अब तक की सबसे अच्छी हैं जो अमेरिका को मिली हैं। उन्होंने भारत को एक व्यवहार्य वैकल्पिक बाजार भी कहा। इससे पता चलता है कि अमेरिका इस बातचीत को कितनी अहमियत दे रहा है। दुनिया भर में गेहूं की सप्लाई लगभग 1.10 अरब टन के करीब पहुंच गई है। ऐसे में अमेरिका भारत को अपने कृषि उत्पादों के निर्यात के लिए एक बड़े बाजार के तौर पर देख रहा है। अमेरिकी कृषि विभाग (यूएसडीए) ने भी ग?लोबल अनाज सप?लाई के अपने अनुमान को बढ़ाया है। इससे सप?लाई की चिंता कम हुई है। वहीं, भारत जैसे प्रमुख बाजारों के लिए निर्यातकों के बीच प्रतिस्पर्धा बढ़ने की संभावना है। यूएसडीए की दिसंबर की 'वर्ल्ड एग्रीकल्चरल सप्लाई एंड डिमांड एस्टिमेट्स' रिपोर्ट में 2025-26 के लिए ग?लोबल गेहूं सप?लाई का अनुमान 75 लाख टन बढ़ाकर लगभग 1.10 अरब टन कर दिया गया है। यह बढ़ोतरी कई बड़े निर्यात देशों में ज?यादा उत्पादन के कारण हुई है। कनाडा में उत्पादन का अनुमान 30 लाख टन बढ़कर 400 लाख टन हो गया है, जो सबसे बड़ी बढ़ोतरी है। इसके बाद अर्जेंटीना, यूरोपीय संघ, ऑस्ट्रेलिया और रूस का नंबर आता है। (यह लेखक के अपने विचार हैं)

हिंदू आस्था का मान रखने वाले जज के खिलाफ पूरे विपक्ष का एकजुट होना चिंताजनक मिसाल है

(नीरज कुमार दुबे)

तिरुप्परनकुंद्रम का दीपथूण विवाद केवल एक धार्मिक अनुष्ठान का मामला नहीं रह गया है; यह प्रशासनिक निष्पक्षता, न्यायपालिका की स्वतंत्रता और धर्मनिरपेक्षता के नाम पर हो रही राजनीति की वास्तविकता का आईना बन चुका है। हिंदू-बहुल भारत में आखिर यह स्थिति क्यों पैदा हो गई है कि किसी हिंदू को अपने ही प्राचीन धर्मस्थल पर दीपक जलाने या पूजा करने के लिए अदालत से अनुमति लेनी पड़े? यह स्थिति आखिर क्यों पैदा हो गयी है कि न्यायालय पूजा की अनुमति दे दे तो सरकार उस अनुमति के क्रियान्वयन को ही रोक दे? यह स्थिति क्यों बन गयी है कि अदालत अनुमति दे दे तो कुछ राजनीतिक दल उस न्यायाधीश को ही पद से हटाने की मांग करने लगें जिसने हिंदुओं को अपने धर्म स्थल पर पूजा करने की अनुमति दी? क्या यह लोकतांत्रिक व्यवस्था का स्वाभाविक दृश्य है? सवाल उठता है कि तुष्टिकरण की राजनीति की आड़ में हिंदू आस्था को बार-बार क्यों चोट पहुँचायी जाती है? क्या बहुसंख्यक धर्म की परंपराएँ केवल इसलिए संदेह के घेरे में हैं क्योंकि कुछ राजनीतिक दल अपने वोट बैंक की राजनीति को धर्म और इतिहास से ऊपर रख चुके हैं? और क्या अब न्यायपालिका तक को इस आधार पर निशाना बनाया जाएगा कि उसका निर्णय किसी समुदाय को राजनीतिक रूप से असुविधाजनक लगा? इन मूलभूत प्रश्नों के बीच तिरुप्परनकुंद्रम का दीपथूण विवाद केवल एक धार्मिक अनुष्ठान का मामला नहीं रह गया है; यह प्रशासनिक निष्पक्षता, न्यायपालिका की स्वतंत्रता और धर्मनिरपेक्षता के नाम पर हो रही राजनीति की वास्तविकता का आईना बन चुका है। हम आपको बता दें कि मदुरै के तिरुप्परनकुंद्रम में अरुलमिघु सुब्रमण्य स्वामी मंदिर और उससे सटे 'दीपथूण' (पत्थर के दीप-स्तंभ) पर दीप प्रज्वलन को लेकर उठा विवाद लगातार कानूनी और राजनीतिक टकराव का रूप लेता जा रहा है। मद्रास उच्च न्यायालय की मदुरै पीठ द्वारा 'दीपथूण' पर दीप जलाने की अनुमति देने के बाद राज्य सरकार ने न केवल इस आदेश को चुनौती दी बल्कि जिला प्रशासन ने भी पर्वत की तलहटी पर ही श्रद्धालुओं को रोक दिया। इस घटना ने न्यायपालिका और राज्य सरकार के बीच तनाव को सार्वजनिक रूप से उद्घाटित कर दिया। हम आपको बता दें कि 1 दिसंबर को न्यायमूर्ति जीआर स्वामीनाथन ने हिंदू तमिलर कच्ची के संस्थापक राम रविकुमार की याचिका पर आदेश देते हुए भक्तों को तिरुप्परनकुंद्रम पहाड़ी पर स्थित दीपथूण पर दीप जलाने की अनुमति दी थी। लेकिन 3 दिसंबर के कार्तिगई दीपम उत्सव के दिन प्रशासन ने उन्हें रोक दिया जिसके बाद रविकुमार ने अवमानना याचिका दायर की। उसी दिन न्यायमूर्ति स्वामीनाथन ने दस भक्तों को दीपथूण तक जाने और वहाँ दीप प्रज्वलित करने की अनुमति दी तथा उनकी सुरक्षा के लिए सीआईएसएफ कवर प्रदान करने का निर्देश दिया। इसके बावजूद पुलिस ने समूह को रोक दिया और राज्य सरकार ने अवमानना कार्यवाही से बचने के लिए उच्चतम न्यायालय का दरवाजा

खटखटाया। हम आपको बता दें कि इस मामले की जड़ें लगभग सौ वर्ष पुरानी हैं। तिरुप्परनकुंद्रम पहाड़ी, जो भगवान मुरुगन के छह प्रमुख पवित्र स्थलों (अरुपडई वीड़कु) में से एक है, वहां पर स्थित मंदिर और एक दरगाह के बीच 1920 से ही स्वामित्व और धार्मिक अधिकारों को लेकर विवाद रहा है। उस समय सिविल कोर्ट और बाद में प्रिवी काउंसिल ने पहाड़ी को मंदिर सम्पत्ति घोषित किया था। किंतु दीप प्रज्वलन की परंपरा को लेकर न्यायालय ने 1996 में यह कहा था कि पारंपरिक स्थान मंदिर परिसर का उच्चिपिल्लैयार कोविल मंडपम है; हालांकि भविष्य में किसी वैकल्पिक स्थान पर दीप प्रज्वलन की अनुमति एचआरएण्डसीई विभाग द्वारा दी जा सकती है, बशर्ते वह दरगाह से दूर हो। इसके बाद भी दीपथूण को पारंपरिक स्थल बताकर कई याचिकाएँ दायर हुईं, जिन पर 2014 और 2017 में उच्च न्यायालय ने यह दोहराया था कि मंदिर प्रबंधन ही धार्मिक परंपराओं और स्थलों का निर्धारण करेगा। लेकिन इस वर्ष पुनः इस विवाद ने जोर पकड़ा और राजनीतिक रंग ले लिया। राज्य सरकार ने उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालय की खंडपीठ में अपील दायर कर दी है। वहीं 5 दिसंबर को खंडपीठ ने मंदिर प्रबंधन का पक्ष रखते हुए यह चेतावनी दी कि न्यायपालिका का अपमान करने वाली टिप्पणियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसके बाद 9 दिसंबर को अदालत ने तमिलनाडु के मुख्य सचिव और एडीजीपी (कानून-व्यवस्था) को 17 दिसंबर को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित होने का आदेश दिया, क्योंकि प्रशासन ने न्यायालय के पूर्व आदेशों का पालन नहीं किया। दूसरी ओर, यह विवाद इसी बीच संसद तक पहुँच गया है। कांग्रेस, डीएमके, समाजवादी पार्टी, एनसीपी (एसपी) और एआईएमआईएम से संबद्ध 107 विपक्षी सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को मद्रास उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति स्वामीनाथन को हटाने का प्रस्ताव सौंपा। आरोप लगाया गया कि न्यायाधीश ने एक विशेष राजनीतिक विचारधारा से प्रभावित होकर निर्णय दिए और निष्पक्षता व धर्मनिरपेक्षता पर प्रश्नचिह्न लगा है। देखा जाये तो विपक्ष का यह कदम अपने आप में एक बड़ा राजनीतिक टकराव बन चुका है, क्योंकि इसे न्यायपालिका पर सीधे प्रहार के रूप में देखा जा रहा है। जिस प्रकार से विपक्षी दलों ने न्यायाधीश के निर्णय से असहमति को आधार बनाकर उन्हें हटाने का प्रस्ताव दिया, वह भारतीय लोकतंत्र में अभूतपूर्व और चिंताजनक मिसाल है। सबसे पहले यह समझना आवश्यक है कि तिरुप्परनकुंद्रम पहाड़ी का इतिहास केवल मंदिर-प्रशासन से जुड़ा मामला नहीं है, बल्कि यह हिंदू आस्था का एक महत्त्वपूर्ण केंद्र है जहाँ सदियों से भक्तों की उपस्थिति रही है। 1920 के सिविल डिक्री और प्रिवी काउंसिल के निर्णय ने स्पष्ट कहा था कि पहाड़ी मंदिर की संपत्ति है तथा दरगाह उससे केवल कुछ सीमित हिस्सों में सम्बद्ध है। यह तथ्य अपने आप में बताता है कि दीपथूण पर दीप जलाना मंदिर-परिसर के भीतर ही धार्मिक अनुष्ठान का एक स्वाभाविक हिस्सा है। फिर भी, पिछले तीन दशकों में दीपथूण को लेकर विवाद गहराता गया और प्रशासन ने अक्सर सुरक्षा या साम्प्रदायिक संवेदनशीलता का हवाला देकर हिंदू परंपराओं को सीमित किया। यह वही मानसिकता है जो डीएमके और उसके सहयोगियों की राजनीति में बार-बार दिखाई देती है, जहाँ बहुसंख्यक आस्था को दबाकर तुष्टिकरण को राजनीतिक लाभ का साधन बना दिया जाता है। यह संयोग नहीं है कि वही दल, जिसके नेताओं ने अनेक बार सनातन धर्म को नष्ट करने योग्य कहा, वही आज दीपथूण में दीप जलाने का विरोध कर रहा है। यहाँ प्रश्न केवल परंपरा का नहीं, बल्कि अधिकारों का है। जब उच्च न्यायालय का स्पष्ट आदेश मौजूद था कि भक्त दीपथूण पर दीप जला सकते हैं, तब राज्य सरकार द्वारा उसे लागू न करना न केवल न्यायालय की अवमानना है बल्कि धार्मिक स्वतंत्रता का खुला हनन भी है। जिस प्रकार अदालत ने पुलिस और प्रशासन को फटकारते हुए कहा कि न्यायपालिका का अपमान बर्दाश्त नहीं होगा, वह बताता है कि सरकार किस हद तक अपनी सीमाएँ भूल चुकी है। लेकिन इससे भी खतरनाक कदम था 107 विपक्षी सांसदों द्वारा न्यायाधीश को हटाने का प्रस्ताव। यह केवल असहमति का मुद्दा नहीं, बल्कि न्यायपालिका को धमकाने का सीधा प्रयास है। दीप जलाना किसी समुदाय के खिलाफ नहीं, बल्कि एक परंपरा का निर्वाह है। इसे रोकना और फिर इसे अनुमति देने वाले न्यायाधीश को निशाना बनाना, दोनों ही लोकतांत्रिक मर्यादाओं के विपरीत हैं। विपक्ष को चाहिए कि सनातन पर प्रहार और न्यायपालिका पर दबाव के जरिये भारत की अवधारणा को कमजोर नहीं करे। (लेखक के यह अपने विचार हैं)

दिल्ली में एसआइआर के खिलाफ महारैली की तैयारी तेज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार से सैकड़ों कांग्रेसी कार्यकर्ता होंगे रवाना

कटिहार/कटिहार। मतदाता सूची के विशेष सघन पुनरीक्षण एसआइआर को लेकर कांग्रेस पार्टी ने चुनाव आयोग के खिलाफ बड़े आंदोलन का बिगुल बजा दिया है। राजधानी दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाली इस महा रैली की तैयारी पूरे जोर-शोर से शुरू हो गई है। इसी क्रम में कटिहार जिला कांग्रेस द्वारा जिला मुख्यालय स्थित राजेंद्र आश्रम में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता जिला अध्यक्ष सुनील कुमार यादव ने की। बैठक में मनिहारी विधानसभा के विधायक मनोहर प्रसाद सिंह, कदवा के पूर्व विधायक डॉ. शकील अहमद खान, पूर्व विधायक सत्यनारायण प्रसाद, किसान प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष दिलीप विश्वास, तथा रैली के पर्यवेक्षक अमन कुमार सहित बड़ी संख्या में पार्टी के नेता व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि कटिहार से सैकड़ों की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता दिल्ली में आयोजित होने वाली इस रैली में शामिल होंगे और एसआइआर प्रक्रिया में हो रही अनियमितताओं के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करेंगे। विधायक मनोहर प्रसाद सिंह ने एसआइआर प्रक्रिया पर गंभीर प्रश्न उठाते हुए आरोप लगाया कि चुनाव आयोग पूरी तरह भाजपा के साए में काम कर रहा है और लोकतंत्र को खत्म करने की साजिश चल रही है। वहीं पूर्व विधायक डॉ. शकील अहमद खान ने कहा कि कांग्रेस पार्टी लगातार एसआइआर को लेकर सवाल उठा रही है और दिल्ली की महा रैली में यह दिखाया जाएगा कि कैसे लोगों को भ्रमित कर लोकतंत्र को चोट पहुंचाई जा रही है। जिला अध्यक्ष सुनील कुमार यादव ने कहा कि बैठक में कटिहार जिला से लेकर प्रखंड स्तर तक के नेताओं ने हिस्सा लिया और सभी ने एक स्वर से दिल्ली में रैली को सफल बनाने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कटिहार से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता दिल्ली पहुंचकर लोकतंत्र बचाने की लड़ाई को मजबूती देंगे। किसान कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष दिलीप विश्वास ने कहा कि यह रैली ऐतिहासिक होने वाली है और इससे पूरे देश में संदेश जाएगा कि चुनाव आयोग की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े हैं। कार्यक्रम के पर्यवेक्षक अमन कुमार ने बताया कि बैठक में यह स्पष्ट हो गया कि कटिहार से भारी संख्या में कार्यकर्ता दिल्ली के लिए रवाना होंगे। बैठक में पूर्व विधायक सत्यनारायण प्रसाद दिलीप विश्वास अवधेश कुमार मंडल, संतोष कुमार यादव,मो. अकरम, मो. सऊद आलम,मेजर जमाल,पंकज तंबाकूवाला, राजेश रंजन मिश्रा, अमन सिंह, गोपाल यादव, मो. वहाब, सुबोध यादव, रतन यादव,आलम खान, अजहरुद्दीन अख्तर, मनोहर कुमार मंडल, आले रसूल, गोपाल कृष्ण यादव, सिमरनजीत सिंह, सूरज कुमार विश्वास सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नगर पंचायत बारसोई में सड़क व नाला निर्माण कार्य का शिलान्यास

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बारसोई /कटिहार। नगर पंचायत के वार्ड संख्या 10 में सड़क निर्माण एवं वार्ड संख्या 9 में नाला निर्माण कार्य का शिलान्यास मुख्य पार्षद बिमला देवी एवं उप मुख्य पार्षद प्रमोद कुमार साह, मुख्य पार्षद प्रतिनिधि रिंकू सिंह एवं वार्ड पार्षदों ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया।

वार्ड संख्या 10 में सड़क में मिट्टी भराई ईंट सोलिंग एवं पीसीसी कर सड़क निर्माण कार्य शकील के घर से शमीम के घर होते हुए मुख्य सड़क तक होना हैं। जिसकी लागत 29,88,576 रुपये हैं। तो वही वार्ड संख्या 9 में सहरुल मार्स्ट के घर से कुद्दुस मलिक के घर तक नाला निर्माण कार्य हेतु शिलान्यास किया गया जिसकी लागत 27,31,125 रुपये हैं। शिलान्यास के मौके पर मुख्य पार्षद बबीता देवी ने कहा कि नगर क्षेत्र में सड़क और जलनिकासी की समस्या को दूर करना प्राथमिकता हैं। निर्माण कार्य पूरा होने के बाद स्थानीय लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी तथा बरसात के समय जलजमाव की समस्या से भी राहत मिलेगी। उन्होंने बताया कि यह परियोजना नगर पंचायत की महत्वपूर्ण योजना के तहत शुरू की गई हैं और समय पर गुणवत्तापूर्ण निर्माण सुनिश्चित किया जाएगा। इस अवसर पर वार्ड पार्षद बेबी खातून, वार्ड पार्षद मोहम्मद फैजान, जदयू मीडिया प्रभारी दुलाल चंद्र साह, डॉक्टर असगर अली, वार्ड पार्षद मेघनाथ मंडल, वार्ड पार्षद धर्मेंद्र सिंह, मोहम्मद असवर एवं कई गणमान्य लोग मुख्य रूप से मौजूद रहें।

नगर निगम ने लगाया जन सुविधा शिविर

■ नागरिकों को आवासीय प्रमाण पत्र और स्वच्छता कर्मियों को ई-श्रम कार्ड का लाभ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार नगर। नगर निगम की ओर से गुरुवार को एक जन-सुविधा शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य स्थानीय नागरिकों को आवासीय प्रमाण पत्र बनवाने में सुविधा प्रदान करना और निगम के स्वच्छता कर्मियों के लिए ई-श्रम कार्ड बनाने का कार्य सुनिश्चित करना था। यह पहल आम जनता और निगम के कर्मचारियों, दोनों को सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से की गई है। शिविर में अच्छी खासी भीड़ देखने को मिली। आवासीय प्रमाण पत्र बनवाने के लिए आए लोगों को निगम कर्मचारियों ने आवश्यक मार्गदर्शन दिया। जिससे प्रक्रिया काफी सरल हो गई। वहीं स्वच्छता कर्मियों में भी अपना ई-श्रम कार्ड बनवाने को लेकर उत्साह देखा गया। शिविर मे मेयर उषा देवी अग्रवाल, उपमहापौर मंजूर खान, नगर आयुक्त संतोष कुमार श्रम अधीक्षक पीटर मिंज सहित कई निगम पार्षद व पार्षद प्रतिनिधि अन्य निगम के कर्मी मौजूद रहे। मेयर उषा देवी अग्रवाल ने इस अवसर पर कहा कि निगम की प्राथमिकता है कि नागरिकों को सभी आवश्यक सरकारी दस्तावेज आसानी से उपलब्ध हों। उपमहापौर मंजूर खान ने ई-श्रम कार्ड की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह हमारे स्वच्छता योद्धाओं के सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा कदम है। नगर आयुक्त संतोष कुमार ने बताया कि यह शिविर शुक्रवार को भी लगेगा तथा भविष्य में भी ऐसे शिविरों का आयोजन किया जाएगा। ताकि अधिक से अधिक लोग लाभान्वित हो सकें। इस दौरान निगम पार्षद दिनेश पांडेय, निक्कू सिंह, मनोज राय।

सवारी गाड़ी का फिर से परिचालन शुरू हो : मर्चेंट एसोसिएशन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

■ सालमारी, झौआ, सौनेली, डंडखोरा, मुकुरिया स्टेशन के यात्रियों को होगी सुविधा

■ शाम 6 बजे से सुबह 6 बजे तक एक भी सवारी गाड़ी नहीं है इस रुट पर

सालमारी/कटिहार। बारसोई, भाया सालमारी कटिहार सवारी गाड़ी को सालमारी, झौआ, मुकुरिया, सोनेली क्षेत्र के लोगों ने फिर से चलाने की मांग की है। सालमारी मर्चेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष गोपाल अग्रवाल ने बताया कि इस मार्ग कि यह सवारी गाड़ी काफी महत्वपूर्ण ट्रेन थी। पर लोक डाउन के समय इस ट्रेन का परिचालन बंद कर दिया गया है। और उसके बाद से आज तक इस ट्रेन का परिचालन शुरू नहीं हो सका है। जिसकी वजह से इस क्षेत्र के लोगों को कटिहार आने-जाने के लिए काफी परेशानी उठानी पर रही है।

ज्ञात हो कि सालमारी रेलवे स्टेशन पर सुबह करीबन 4: 30 बजे का समय था। इस ट्रेन से यात्री कटिहार करीबन 6:00 बजे तक पहुंच जाते थे। और वहां से कटिहार पटना इंटरसिटी, कटिहार मालदा, कटिहार जोगबनी, कटिहार मनिहारी रूट की गाड़ियों को पकड़कर यात्री अपने गंतव्य स्थान पर पहुंचते थे। और रात में वापसी यह ट्रेन कटिहार से बारसोई के लिए करीबन 9:30 बजे खुलती थी। जिससे डंडखोरा, गोरफर, सोनेली, झौआ, मीनापुर, सालमारी, मुकूरिया सहित बारसोई स्टेशन के यात्रियों को सुविधा मिल जाती थी। पर इस ट्रेन का परिचालन बंद रहने से इस रूट पर कटिहार से आने के लिए शाम 6 बजे से सुबह 6 बजे तक एक भी ट्रेन नहीं होने की वजह से लोगों को रात भर कटिहार प्लेटफार्म पर रात बितानी पड़ती है। जिसकी वजह से इस क्षेत्र के यात्रियों को काफी मुश्किल उठाने पड़ती है।इस लिए इस मार्ग पर पुनः कटिहार भाया सालमारी बारसोई सवारी गाड़ी का अप एंड डाउन का परिचालन अविलंब शुरू किया जाना चाहिए। डीआरएम कटिहार से इस ट्रेन को फिर से चलाने की मांग की है। जिससे इस क्षेत्र के यात्रियों को सुविधा मिल सके।

सांसद ने सदर अस्पताल कटिहार की दुर्दशा पर चिंता जाहिर कर व्यवस्था ठीक करने की मांग की

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। कांग्रेस सांसद तारिक अनवर लोकसभा मे सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुए कहा कि मेरे संसदीय क्षेत्र कटिहार में सदर अस्पताल सहित कई अस्पतालों में गंभीर अव्यवस्था और संसाधनों की कमी बनी हुई है।

जिला कांग्रेस पार्टी के प्रवक्ता पंकज कुमार तमाखुवाला ने बताया कि सांसद श्री अनवर ने कहा कि सदर अस्पताल में ड्यूटी रोस्टर कई महीनों से रिवाइज नहीं हुआ है और शिफ्ट हो चुके डॉक्टरों के नाम भी डिस्प्ले बोर्ड में लिखे हुए हैं। ऐसे में अस्पताल में आने वाले मरीज भ्रमित हो रहे हैं। सांसद श्री अनवर ने सरकार से मांग की है कि स्पेशलिस्ट डॉक्टर की कमी को पूरा किया जाए और बुनियादी सुविधाओं पर संज्ञान लिया जाए। कांग्रेस प्रवक्ता श्री तमाखुवाला ने बताया कि दो दिन पूर्व भी सांसद श्री अनवर ने बिहार सरकार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे का भी इस ओर ध्यान आकृष्ट कराया था और आज सदन मे केन्द्र सरकार का भी ध्यान आकृष्ट कराया है।

सदर अस्पताल से कॉपर वायर-पाइप चोरी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

■ मातृ-शिशु अस्पताल की छत पर लगे एसी सिस्टम को किया तहस-नहस,सेवाएँ ठप

कटिहार नगर। सदर अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था को धता बताते हुए चोरों ने बुधवार की रात एक बड़ी और सनसनीखेज चोरी को अंजाम दिया है। चोरों ने सीधे मातृ-शिशु अस्पताल भवन की छत पर लगे वातानुकूलन संयंत्र को निशाना बनाया और लगभग लाख रुपए मूल्य के कॉपर वायर और कॉपर पाइप को उखाड़ कर फरार हो गए।

इस दुस्साहसिक वारदात के बाद पूरे मातृ-शिशु अस्पताल भवन का एयर कंडीशन सिस्टम पूरी तरह से ठप हो गया है। यह चौंकाने वाली घटना रात के अंधेरे में तब घटी जब अस्पताल में चौबीस घंटे सुरक्षा के लिए दर्जनों गार्ड तैनात रहते हैं। इतनी बड़ी मात्रा में धातु की चोरी और एयर कंडीशन सिस्टम को बर्बाद करने में चोरों को न केवल समय लगा होगा, बल्कि इसके लिए औजारों का भी इस्तेमाल किया गया होगा। बावजूद इसके, सुरक्षाकर्मियों को इसकी भनक तक न लगना अस्पताल प्रशासन की सतर्कता और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर प्रश्न खड़े करता है। चोरी का यह मामला गुरुवार की सुबह उस वक्त सामने आया। जब सिस्टम की इंस्टॉलेशन और मेंटेनेंस का काम देख रहे कंपनी के सुपरवाइजर संतोष कुमार नियमित जांच के लिए छत पर पहुँचे। एसी प्लांट को बर्बाद और कॉपर कीमती धातु को गायब देख वह हक्के-बक्के रह गए। उन्होंने बताया कि चोरों ने जिस तरीके से सिस्टम को क्षतिग्रस्त किया है। उसे देखकर लगता है कि वे पूरी तैयारी के साथ आए थे। सुपरवाइजर संतोष कुमार ने तत्काल घटना की सूचना अस्पताल प्रशासन को दी।उन्होंने स्पष्ट किया कि हुहमारा काम केवल इंस्टॉलेशन और मेंटेनेंस का है, जबकि बहुमूल्य उपकरणों की सुरक्षा की पूरी जिम्मेदारी अस्पताल प्रशासन की है।अस्पताल प्रशासन की सूचना पर नगर थाना पुलिस टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुँची और पूरे मामले का मुआयना किया।पुलिस ने क्षतिग्रस्त एसी प्लांट का निरीक्षण किया और चोरी के पैटर्न को समझने का प्रयास किया।

TVS NTORQ 150 स्कूटर का भव्य लॉन्च

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। राजधानी पटना में DENI TVS, छोटी पहाड़ी बायपास रोड ने 11 दिसंबर 2025 को बहुप्रतीक्षित TVS NTORQ 150 स्कूटर का भव्य लॉन्च किया। आधुनिक फीचर्स और हाई-परफॉर्मेंस तकनीक से लैस यह नया मॉडल बिहार के युवाओं और दोपहिया वाहन प्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

लॉन्च कार्यक्रम का नेतृत्व DENI TVS के डायरेक्टर अमरजीत सिंह ने किया। उन्होंने बताया कि नया NTORQ 150 अपने क्लास में पहला ऐसा स्कूटर है, जिसमें हाई-पावर इंजन, एडवांस्ड TFT डिस्प्ले, कनेक्टेड स्मार्ट फीचर्स, अइर और ट्रैक्शन कंट्रोल जैसी सुविधाएँ शामिल हैं। उन्होंने कहा, 'यह मॉडल न सिर्फ स्पोर्टी डिजाइन पेश करता है, बल्कि तकनीक और परफॉर्मेंस दोनों में अपनी श्रेणी में सबसे आगे है।' कार्यक्रम में निशांत जी ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और NTORQ 150 के नए वेरिएंट को ग्राहकों के लिए एक बड़ी उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि DENI TVS हमेशा से ग्राहकों को नवीनतम मॉडल और बेहतरीन सेवा प्रदान करने के लिए जाना जाता है। लॉन्चिंग के दौरान स्कूटर का लाइव अनावरण किया गया, जहाँ उपस्थित लोगों ने नए मॉडल की डिजाइन, पावर और फीचर्स को करीब से देखा। NTORQ 150 की रेसिंग-प्रेरित लुक, मल्टी-फंक्शन डिस्प्ले और पावरफुल परफॉर्मेंस इसे युवा राइडर्स की पहली पसंद बना रहा है। DENI TVS ने बताया कि यह मॉडल लॉन्च के तुरंत बाद शोरूम में उपलब्ध होगा और ग्राहक टेस्ट राइड का लाभ उठा सकेंगे। इस मौके पर कम्पनी के एरिया मैनेजर सुतान्सु एवम् टेरेटरि मैनेजर पर्शान्त जी उपस्थि थे।

उत्क्रमित मध्य विद्यालय उचला में सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक को दी गई विदाई

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरारी/कटिहार। उत्क्रमित मध्य विद्यालय उचला के प्रांगण में सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक विवेकानंद विवेक के सम्मान में आयोजित भावनात्मक विदाई सह सम्मान समारोह में पूरा वातावरण भावुक हो उठा। इसी क्रम में विद्यालय के नव पदस्थापित प्रभारी प्रधानाध्यापक सवेन्द्र प्रसाद सिंह को भी सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता सेवानिवृत्त शिक्षक दिनेश प्रसाद मंडल ने की। जबकि मंच संचालन शिक्षक अंकिता गौतम एवं दीपक कुमार द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस दौरान छात्रों ने फूलों की वर्षा और उपहार भेंट कर सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक का अभिनंदन किया। शिक्षकों एवं बीआरसी कर्मियों ने पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र और स्मृति चिन्ह देकर भावपूर्ण विदाई दी। मौके पर समारोह में सरपंच सरदार अर्जुन सिंह, भाजपा पूर्व मंडल अध्यक्ष महेश कुमार चौधरी, लेखापाल संतोष कुमार, डाटा ऑपरेटर अनीश कुमार, बीआरसी कर्मी मनोज जायसवाल, छोटू चौधरी, शिक्षक रिम्पल सिंह, सुरेश प्रसाद चौधरी, आदित्य कुमार झा, वीणा सिन्हा,सुनील कुमार, खबिरुल इस्लाम, विद्यालय अध्यक्ष अमित कुमार, सचिव मोनिका देवी समेत बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ एवं अभिभावक उपस्थित थे। इस दौरान शिक्षकों ने कहा कि विवेकानंद विवेक ने अपने कार्यकाल में शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनके योगदान को विद्यालय और समाज सदैव याद रखेगा। संबोधन के दौरान प्रधानाध्यापक स्वयं भी भावुक हो उठे। उन्होंने कहा की विद्यालय और स्थानीय लोगों ने जो सम्मान, स्नेह और सहयोग दिया है, वह जीवनभर याद रहेगा। मैंने सदैव शिक्षा के प्रति समर्पण के भाव से कार्य किया है, जिसमें सभी शिक्षकों का सहयोग मिला।उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग तभी मजबूत होगा जब शिक्षक अपने कर्तव्य के प्रति निष्ठावान रहेंगे। शिक्षक समाज की रीढ़ हैं और उनके ईमानदार प्रयासों से ही आने वाली पीढ़ियाँ उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर होंगी। विदाई समारोह के अंत में उपस्थित सभी शिक्षकों एवं अतिथियों ने सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक को उपहार, शुभकामनाएँ और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ सम्मानित किया।

एक सप्ताह के भीतर आजमनगर बाजार में चलेगा प्रशासन का बुलडोजर : सीओ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आजमनगर/कटिहार। एक सप्ताह के भीतर आजमनगर बाजार में प्रशासन का बुलडोजर चलेगा। हालांकि बाजार में अतिक्रमण किए गए सरकारी जमीन चिन्हित कर ली गई है। अब केवल अतिक्रमण हटाए जाने की प्रक्रिया आरंभ करना शेष रह गया है।

इस संबंध में अंचल अधिकारी मोहम्मद रिजवान आलम ने बताया कि एक सप्ताह के भीतर कभी भी आजमनगर बाजार सहित आजमनगर प्रखंड क्षेत्र के कई जगहों पर अतिक्रमण हटाए जाने की प्रक्रिया आरंभ कर दी जाएगी। सर्वप्रथम आजम नगर बाजार में अतिक्रमण हटाए जाने के लिए बुलडोजर चलाये जाएंगे। गौरतलब है कि आजमनगर बाजार में किए गए अतिक्रमण से लोग काफी परेशान रहे हैं। कुछ लोगों द्वारा लगातार अतिक्रमण हटाए जाने की मांग करते रहे हैं। अब उन लोगों की मांग की पूर्ति होने वाली है। अतिक्रमण हटाए जाने से कुछ लोगों को नुकसान का सामना करना पड़ेगा। इस बाबत छोटे-मोटे कारोबारी भी काफी नाराज भी दिखेंगे।

भारतीय भाषा उत्सव' के तहत भाषा मेला का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

छात्रों ने प्रदर्शित की देश की सांस्कृतिक झलक

कटिहार नगर। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय में भारतीय भाषा उत्सव' के उत्साहपूर्ण आयोजन के तहत एक भव्य भाषा मेला मनाया गया।आयोजन विद्यालय के प्राचार्य अशद अली खान के कुशल नेतृत्व और मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

आयोजित भाषा मेले में छात्रों ने भारत के विभिन्न राज्यों की समृद्ध संस्कृति और विरासत को प्रदर्शित करते हुए मनमोहक स्टॉल लगाए। इन स्टॉलों पर राज्यों की पारंपरिक वेशभूषा, क्षेत्रीय व्यंजन उत्सव, विशिष्ट रीति-रिवाज और कला-शिल्प का जीवंत प्रदर्शन किया गया, जिसने उपस्थित सभी लोगों का ध्यान आकर्षित किया। छात्रों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का मूल्यांकन उनकी प्रस्तुति, रचनात्मकता और सांस्कृतिक ज्ञान के आधार पर किया गया। प्रतियोगिता मे प्रथम पुरस्कार उत्तर प्रदेश अपनी समृद्ध विरासत और संस्कृति की व्यापक प्रस्तुति के कारण,द्वितीय पुरस्कार बिहार और महाराष्ट्र संयुक्त रूप से तथा तृतीय पुरस्कार हरियाणा और झारखंड संयुक्त रूप से दिया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन मे हेडमास्टर अमित कुमार, पीजीटी अंग्रेजी रणवीर मिश्रा तथा पीजीटी कंप्यूटर साइंस शम्स तबरेज सक्रिय रहे। उन्होंने सुनिश्चित किया कि कार्यक्रम न केवल मनोरंजक हो, बल्कि छात्रों के लिए शैक्षिक और प्रेरणादायक भी सिद्ध हो।आयोजन पर प्राचार्य ने छात्रों के प्रयास की सराहना की और कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों को अपनी जड़ों से जोड़ते हैं और उन्हें देश की विविधता को समझने में मदद करते हैं।

अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस पर छात्रों को अधिकारों की दी गयी जानकारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अमदाबाद/कटिहार। प्रखंड क्षेत्र के उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अमदाबाद ट्रस्ट की ओर से संचालित प्लस टू उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को मानवाधिकार से जुड़े मूल सिद्धांतों, उनके महत्व तथा दैनिक जीवन में अधिकारों के संरक्षण पर विस्तृत जानकारी दी गई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाध्यापक कुसैद अंसारी ने की। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को समानता, स्वतंत्रता और सुरक्षा का अधिकार प्राप्त है। उन्होंने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि अब है मानव अधिकार का जमाना, इसलिए किसी भी अन्याय या भेदभाव से घबराने की जरूरत नहीं है। सहायक शिक्षक जुनैद रहमानी ने मानवाधिकारों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर प्रकाश डालते हुए छात्रों को जागरूक रहने और समाज में सकारात्मक भूमिका निभाने की अपील की।इस अवसर पर शिक्षक अहमद हुसैन, मेडल मंडल, गेना नदाफ सहित विद्यालय के दर्जनों छात्र-छात्राएं मौजूद रहे ।

आईटी ने रचा इतिहास: 700 मिलियन डॉलर में अमेरिकी कंपनी खरीदी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय आईटी दिग्गज टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज ने अमेरिका स्थित सेल्सफोर्स कंसल्टिंग फर्म कोस्टल क्लाउड का 70 करोड़ डॉलर (लगभग 700 मिलियन डॉलर) के कैश डील में अधिग्रहण करने का निश्चित समझौता किया है। 2012 में स्थापित कोस्टल क्लाउड ग्राहकों को सेल्स, सर्विस, मार्केटिंग, रेवेन्यू और कॉमर्स के क्षेत्र में एआई-संचालित सलाह और व्यापार परामर्श सेवाएं प्रदान करती है। टीसीएस ने कहा है कि वह लिस्टएंगेज और अब कोस्टल क्लाउड के अधिग्रहण के साथ अब वैश्विक स्तर पर टॉप-5 सेल्सफोर्स कंसल्टिंग फर्मों में शामिल हो गया है। पिछले अक्टूबर में टीसीएस ने लिस्टएंगेज के अधिग्रहण से अपनी सेल्सफोर्स पद्धति को मजबूत किया था। कोस्टल क्लाउड को सेल्सफोर्स पार्टनर एडवाइजरी बोर्ड में नामित किया गया है, जो उसे उत्पाद नवाचारों को आकार देने और नए लॉन्च का समर्थन करने वाली सेवाएं विकसित करने में मदद करता है। टीसीएस को अधिग्रहण से क्या फायदा होगा यह फर्म एरिक बेरिज द्वारा संचालित है, जो एक सेल्सफोर्स दिग्गज हैं। इस अधिग्रहण के साथ टीसीएस की टीम में 400 से अधिक अनुभवी पेशेवर और 3,000 से अधिक मल्टी-क्लाउड प्रमाणपत्र जुड़ेंगे, जिससे विभिन्न उद्योगों में उसकी सलाहकार क्षमता मजबूत होगी। कोस्टल क्लाउड के ग्राहक पोर्टफोलियो से टीसीएस को मिड-मार्केट सेगमेंट में पहुंच और दोनों फर्मों के ग्राहक आधार के बीच क्रॉस-सेलिंग के सिनर्जी के अवसर भी मिलेंगे। टीसीएस के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर आरती सुब्रमण्यन ने कहा, ‘यह अधिग्रहण हमारी वैश्विक सेल्सफोर्स क्षमताओं को आगे बढ़ाने और हमारे एआई-नेतृत्व वाले परिवर्तन एजेंडे में तेजी लाने का एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह दुनिया की सबसे बड़ी एआई-नेतृत्व वाली प्रौद्योगिकी सेवा कंपनी बनने की टीसीएस की दृष्टि को साकार करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है।’ हालांकि, यह लेन-देन नियामक निकायों की मंजूरी के अधीन है।

पहले ही दिन 100% चढ़ गया यह शेयर, दोगुना हुआ पैसा, निवेशक हुए मालामाल

नई दिल्ली, एजेंसी। लग्जरी टाइम की शेयर बाजार में जबरदस्त एंट्री हुई है। लग्जरी टाइम लिमिटेड के शेयर गुरुवार को बीएसई में 90 पर्सेंट फायदे के साथ 155.80 रुपये पर लिस्ट हुए हैं। आईपीओ में कंपनी के शेयर का दाम 82 रुपये था। शानदार लिस्टिंग के ठीक बाद लग्जरी टाइम के शेयरों में और तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयर 5 पर्सेंट और चढ़कर 163.59 रुपये पर पहुंच गए हैं। यानी, 82 रुपये के इश्यू प्राइस के मुकाबले लग्जरी टाइम के शेयर पहले ही दिन करीब 100 पर्सेंट उछल गए हैं। लग्जरी टाइम के शेयरों ने पहले ही दिन निवेशकों का पैसा दोगुना कर दिया है। लग्जरी टाइम का आईपीओ 4 दिसंबर को दांव लगाने के लिए खुला था और यह 8 दिसंबर तक ओपन रहा। लग्जरी टाइम लिमिटेड की शुरुआत साल 2008 में हुई है। कंपनी स्विस लग्जरी वॉचेज के डिस्ट्रीब्यूशन, मार्केटिंग, रिटेलिंग और ऑफ्टर-सेल्स सर्विसिंग का काम करती है। इसके अलावा, कंपनी वॉच सर्विस से जुड़े टूल्स और इक्विपमेंट का डिस्ट्रीब्यूशन भी करती है। कंपनी का हेडक्वॉर्टर नई दिल्ली में है।

आम निवेशकों के लिए आ रहा है बड़ा मौका? बड़े-बड़े खरीद रहे हैं शेयर

आईपीओ से पहले इन्होंने बेचा अपना शेयर

मुंबई, एजेंसी। निजी क्षेत्र के दूसरे सबसे बड़े बैंक, आईसीआईसीआई बैंक की सब्सिडियरी कंपनी आईसीआई प्रूडेंशियल एसेट मैनेजमेंट कंपनी। यूं तो इसका आईपीओ कल खुल रहा है। लेकिन, इससे पहले 26 बड़े निवेशकों ने इस कंपनी के आईपीओ में हिस्सेदारी खरीदी है। इस आईपीओ का कुल मूल्य लगभग 10,602 करोड़ रुपये है। कल आईपीओ खुलने से पहले, यूके की कंपनी प्रूडेंशियल कॉर्पोरेशन में अपनी 4.5त्न हिस्सेदारी लगभग 4,900 करोड़ रुपये में बेची है।

इस एएमसी का सह-प्रमोटर है, के अलावा अन्य घरेलू और विदेशी निवेशकों ने भी लगभग 2,675 करोड़ रुपये का निवेश किया है। यह निवेश 2,165 रुपये प्रति शेयर के ऊपरी मूल्य पर किया गया है। इसके अलावा प्रेमजी इन्वेस्ट, यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया, 360 वन द्वारा चलाए जा रहे फंड, दिवंगत राकेश झुनझुनवाला की एस्टेट, डीएसपी, एचसीएल कैपिटल जैसे निवेशक भी इस लिस्ट में हैं।

किन्होंने खरीदे हैं शेयर

खुलने से पहले कंपनी में अरबपति झुनझुनवाला परिवार, मधु केला, मनीष चोखानी और प्रशांत जैन जैसे जाने-माने निवेशकों ने पैसा लगाया है। इसके अन्य बड़े निवेशकों में अबू धाबी का बड़ा सॉवरेन फंड लुनेट, एसबीआई लाइफ, एचडीएफसी लाइफ, कोटक लाइफ जैसी घरेलू बीमा कंपनियां शामिल हैं।

अमेरिका में रेट कट के बाद सोने में उछाल, चांदी ऑल-टाइम हाई पर

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने और चांदी की कीमत में आज काफी तेजी दिख रही है। यह तेजी अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा लगातार तीसरी बार ब्याज दरों में कटौती के बाद आई है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने की कीमत में करीब 700 रुपये की तेजी आई है जबकि चांदी की कीमत एक बार फिर ऑल-टाइम हाई पर पहुंच गई है। 5 फरवरी की डिलीवरी वाला सोना पिछले सत्र में 1,29,796 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था जबकि आज 1,30,250 रुपये पर खुला। शुरुआती कारोबार में यह 1,30,590 रुपये तक हाई गया। सुबह 10.30 बजे यह 731 रुपये यानी 0.56 फीसदी की तेजी के साथ 130527 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। इस बीच चांदी की कीमत आज फिर नए रेकॉर्ड पर पहुंच गई। इसमे करीब 4,000 रुपये की तेजी आई है। 5 मार्च की डिलीवरी वाली चांदी

पिछले सत्र में 1,88,735 रुपये प्रति किलो के भाव पर बंद हुई थी और आज यह 1,89,908 रुपये पर खुली। शुरुआती कारोबार में यह 1,93,452 रुपये तक उछली। 10.30 बजे यह 3,976 रुपये यानी 2.11 फीसदी तेजी के साथ 1,92,711 रुपये पर ट्रेड कर रही थी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में स्पॉट गोल्ड 0.7त्न बढ़कर 4,236.57 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। वहीं, अमेरिकी गोल्ड फ्यूचर्स फरवरी डिलीवरी के लिए 0.3त्न गिरकर 4,224.70 डॉलर पर बंद हुए। चांदी ने अपनी शानदार तेजी जारी रखी।

फेडरल रिजर्व ने प्रमुख ब्याज दरों में लगातार तीसरी बार कटौती की; जेरोम पॉवेल बोले- भविष्य में..

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व ने अपनी ब्याज दर में लगातार तीसरी बार 0.25 फीसदी की कटौती की। हालांकि, फेडरल रिजर्व ने संकेत दिया कि आने वाले महीनों में दरों को स्थिर रखा जा सकता है। फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोम पावेल ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि फेडरल रिजर्व अगले महीनों में और कटौती से बच सकता है और अर्थव्यवस्था की सेहत का आकलन करेगा। तिमाही आर्थिक अनुमान में अधिकारियों ने यह भी संकेत दिया कि अगले साल केवल एक बार ही दरें घटाई जा सकती हैं। बुधवार की कटौती के बाद ब्याज दर लगभग 3.6 फीसदी रह गई, जो पिछले तीन वर्षों में सबसे कम है। फेडरल रिजर्व की कम दरों से समय के साथ मॉर्गेज, ऑटो लोन और क्रेडिट कार्ड पर भुगतान होने वाली राशि में कमी आ सकती है। हालांकि बाजार की परिस्थितियां भी इन दरों को प्रभावित कर सकती हैं। पावेल ने कहा, हम आने वाले आंकड़ों का ध्यानपूर्वक आकलन करेंगे और जो प्रमुख दर है वह उस स्तर के करीब है जो न तो अर्थव्यवस्था को रोकता है और न ही उसे बढ़ावा देता है। फेडरल रिजर्व के तीन अधिकारियों ने इस कदम का विरोध किया। यह पिछले छह वर्षों में सबसे जोरदार विरोध था। यह दिखाता है कि समिति में गहरी मतभेद हैं। दो अधिकारियों ने दरों को यथावत रखने का समर्थन किया, जबकि स्टीफन मिरान ने आधा प्रतिशत कटौती का समर्थन किया, उन्हें सितंबर में ट्रंप ने नियुक्त किया था। इससे पहले मंगलवार को अमेरिकी शेयर बाजार लगभग स्थिर रहा, क्योंकि वॉल स्ट्रीट बुधवार को फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों पर फैसले का इंतजार कर रहा था। उस दिन एस एंड पी 500 मामूली 0.1 फीसदी गिरा और अक्तूबर में बने अपने रिकॉर्ड स्तर के करीब बना रहा। डॉव जोन्स 179 अंक (0.4 फीसदी) गिरा, जबकि नैस्डैक 0.1 फीसदी बढ़ा। मंगलवार को जेपी मॉर्गन चेस बाजार में सबसे अधिक दबाव डालने वाला शेयर रहा। बैंक की वरिष्ठ अधिकारी मैरिएन लेक ने कहा कि अगले साल बैंक का खर्च 105 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है।

स्टेट बैंक, टाटा स्टील, सिप्ला और एलआईसी समेत 10 शेयर फोकस में

लाइफ इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा स्टील, अडाणी एंटरप्राइजेज से लेकर सिप्ला तक के में कई अपडेट्स है। सिप्ला जहां, मोटापे और टाइप-2 डायाबिटिज के नए इलाज को लॉन्च करने करने के कारण चर्चा में है। वहीं, अडाणी एंटरप्राइजेज के 25,000 करोड़ रुपये के राइट्स इश्यू पर निवेशकों की नजर है। इन कंपनियों समेत 10 शेयरों पर बाजार की नजर रहेगी।

कंपनी के बोर्ड ने नीलाचल इस्पात निगम (एनआईएनएल) में 4.8 एमटीपीए क्षमता विस्तार को हरी झंडी दे दी है। यह कंपनी के व्यापक विस्तार योजना के पहले चरण का हिस्सा है और टाटा स्टील के लॉन्ग-प्रोडक्ट्स पोर्टफोलियो को मजबूत करेगा।

अडाणी एंटरप्राइजेज के 25,000 करोड़ रुपये के राइट्स इश्यू की बुधवार को समाप्ति पर मजबूत मांग रही और इसने 108त्न सब्सक्रिप्शन हासिल किया।

कंपनी को उपलब्ध 13.85 करोड़ शेयरों के मुकाबले 14.95 करोड़ शेयरों के लिए बोलियां मिलीं, जो भारत के सबसे बड़े राइट्स इश्यू में प्रमोटरों और सार्वजनिक निवेशकों दोनों की मजबूत भागीदारी को दर्शाता है।

मुंबई के उप आयुक्त, राज्य कर ने कंपनी को वित्तीय वर्ष 2021-22 से 2023-24 के लिए जीएसटी देयता, ब्याज और जुर्माना मिलाकर 2,370.34 करोड़ रुपये का नोटिस जारी किया है। वित्तीय प्रभाव मांगी गई इस कुल राशि को दर्शाता है।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई)

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने एसबीआई को उसके डिजिटल पेमेंट्स इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म के लिए कंपनी अधिनियम के तहत धारा 8 कंपनी स्थापित करने की मंजूरी दे दी है। यह मंजूरी वित्तीय सेवा विभाग द्वारा एसबीआई को दी गई छूट पर निर्भर है।

सिप्ला : सिप्ला ने मोटापे और टाइप-2 डायाबिटिज के नए इलाज को लॉन्च करने की घोषणा की है। कंपनी ने यूरपीक (टिरजेपेटाइड) नामक एक साप्ताहिक इंजेक्शन थेरेपी भारत में शुरू की है, जो इन दोनों प्रमुख स्वास्थ्य चिंताओं को संबोधित करेगी।

नेस्ले इंडिया : कंपनी ने घोषणा की कि स्वेतलाना बोल्डिना 31 जनवरी, 2026 से प्रभावी सीएफओ पद से इस्तीफा दे देंगी, जबकि जगदीप सिंह मराहर को 1 जून, 2026 से प्रभावी पूर्णकालिक निदेशक नामित किया गया है।

मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स : ब्राजीलियाई नौसेना और भारतीय नौसेना ने मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स के साथ एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं।

वारी एनर्जीज : वारी एनर्जीज ने घोषणा की कि उसने एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर हासिल कर लिया है और भारत में सौर पैनल निर्माता के तौर पर महीने में 1 गीगावॉट सोलर मॉड्यूल उत्पादन पार करने वाली पहली कंपनी बन गई है।

टेक कंपनियों का गढ़ बना भारत, छह लाख करोड़ रुपये से ज्यादा के निवेश की योजना

आउटसोर्सिंग से बढ़ा आगे

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत दुनिया की बड़ी टेक्नोलॉजी कंपनियों को लालायित कर रहा है। तीन प्रमुख टेक कंपनियों ने कुछ वर्षों में भारत में छह लाख करोड़ रुपये (67 अरब डॉलर) के निवेश की योजना बनाई हैं। गूगल ने पहले 15 अरब डॉलर की घोषणा की थी। माइक्रोसॉफ्ट ने 17.5 अरब डॉलर और अब अमेजन ने सबसे अधिक 35 अरब डॉलर के निवेश की घोषणा कर इस खेल को और आकर्षक बना दिया है। दिग्गज टेक कंपनियों का भारत में अचानक निवेश कोई जल्दबाजी का मामला नहीं है।

यह भारत में बढ़ रही टेक्नोलॉजी की मांग को लेकर अगले कुछ दशकों तक की एक लंबी योजना है। क्लाउड इन्फ्रास्ट्रक्चर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) डाटा सिस्टम और गहन तकनीकी नवाचार के केंद्र के रूप में उभर रहा है।

अमेजन- अब तक 75 अरब डॉलर के निवेश की घोषणा

अमेजन डॉट कॉम इंक ने पांच वर्षों में 35 अरब डॉलर का निवेश करने का वादा किया है (यह पहले के 40 अरब डॉलर के अतिरिक्त है)। वह क्रिक कॉमर्स से लेकर क्लाउड कंप्यूटिंग तक के क्षेत्रों में विस्तार करेगी। ई-कॉमर्स दिग्गज ने कहा, वह एआई और लॉजिस्टिक्स बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में निवेश करेगी। 2030 तक किया जाने वाला निवेश भारत में 38 लाख अतिरिक्त रोजगार सृजित करेगा। यह निवेश भारत की प्राथमिकताओं के अनुरूप है। इसका उद्देश्य एआई क्षमताओं का विस्तार, लॉजिस्टिक्स बुनियादी ढांचे को मजबूत करना व छोटे व्यवसायों के विकास में सहयोग देना और रोजगार सृजित करना है।

अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता में संतुलन जरूरी, जीटीआरआई की सलाह- कृषि छूट पर बेहद सतर्क रहे भारत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत को अमेरिका के साथ चल रही व्यापार वार्ता में संतुलन बनाए रखना चाहिए। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने यह सलाह दी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कृषि व जेनेटिकली मॉडिफाइड उत्पादों पर किसी भी तरह की छूट देने में अत्यधिक सावधानी बरतनी चाहिए। अमेरिका के लिए भारत कठिन साझेदार बना हुआ है जीटीआरआई की टिप्पणी ऐसे समय आई है जब अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसआर) जैमीसन ग्रीर ने सीनेट को जानकारी दी कि भारत अब भी कुछ कृषि उत्पादों और मांस निर्यात को लेकर कठिन साझेदार बना हुआ है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी व्यापार टीम इस समय नई दिल्ली में है और कृषि क्षेत्र में अमेरिकी उत्पादों के लिए अधिक मार्केट पहुंच सुनिश्चित करने के प्रयास कर रही है। ग्रीर ने यह भी बताया कि चुनौतियों के बावजूद भारत हालिया दौर की वार्ताओं में काफी आगे बढ़कर बातचीत कर रहा है और मौजूदा ऑफर अब तक भारत से मिले सबसे बेहतर हैं। उन्होंने भारत को अमेरिकी निर्यातकों के लिए एक संभावित बड़े बाजार के रूप में पेश किया और सोयाबीन आधारित बायोफ्यूल की बिक्री बढ़ाने पर भी जोर दिया।

शेयर बाजार सुस्त लेकिन आईपीओ बाजार में जबरदस्त तेजी बरकरार

वर्ष 2007 के बाद इस साल आए 101 आईपीओ

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में सुस्ती के बावजूद आईपीओ बाजार में जबरदस्त तेजी है। रकम के मामले में पहले ही रिकॉर्ड तोड़ चुका प्राइमरी बाजार अब संख्या के भी मामले में आगे निकल चुका है। इस साल अब तक 101 कंपनियों के आईपीओ आए हैं। इससे पहले 2007 में 100 कंपनियां शेयर बाजार में लिस्ट हुई थीं। इस तरह से अब संख्या और रकम दोनों के मामले में 2025 इतिहास बना चुका है।

एक्सचेंजों के आंकड़ों के मुताबिक, इस साल 101 कंपनियां इश्यू लॉन्च कर चुकी हैं। इनकी कुल रकम 1.75 लाख करोड़ रुपये है। 2007 में 100 कंपनियों ने महज 34,156 करोड़ रुपये ही जुटाई थीं। हालांकि, 2024 में अब तक की सबसे अधिक 1.60 लाख करोड़ रुपये की रकम जुटाई गई थी। आंकड़े बताते हैं कि अब भी इस साल के बाकी बचे 20 दिनों में 10 कंपनियां पूंजी बाजार में उतर सकती हैं। यह 10,000 करोड़ रुपये से ज्यादा की राशि जुटाने की योजना बना रही हैं। कंपनियों ने अक्तूबर में सबसे अधिक 38,308 करोड़ रुपये जुटाए है। नवंबर में मामूली घटकर 34,545 करोड़ और अगस्त में 15,903 करोड़ रहा था। इस साल टाटा कैपिटल ने सबसे अधिक 15,511 करोड़ जुटाया।

जनवरी में ये रहेंगी कतार में

नए साल में पीएनजीएस रेवा डायमंड, कनोडिया सीमेंट, कोरोना रेमेडीज, मिल्की मिस्ट, स्काईवेज एयर, अमागी मीडिया लैब्स, वीडा क्लिनिकल, एलसीसी प्रोजेक्ट्स, वाटरवेज लीजर, केएसएच इंटरनेशनल, आर्डी इंजीनियरिंग और सीआईईएल एचआर सर्विसेज और मणिपाल पेमेंट शामिल हैं। निवेशकों को लग रहा है कि ज्यादा आईपीओ के कारण कम समय में लाभ प्राप्त करना कठिन होता जा रहा है। इसका पता इस बात से चलता है कि लिस्टिंग के दिन औसत रिटर्न गिरकर 9.4 फीसदी हो गया है, जो 2018 के बाद सबसे कम है। प्रमुख कंपनियों के आईपीओ की पाइपलाइन में मजबूती बनी हुई है।

गंवार कहने वालों को दिया जवाब...?

1 लाख से शुरू कर खड़ा किया ?2.5 करोड़ का कारोबार

नई दिल्ली, एजेंसी। आमतौर पर युवा शहरों की चमक-दमक छोड़कर गांव लौटना पसंद नहीं करते। लेकिन, बिहार के पूर्णिया जिले के 24 वर्षीय प्रिंस शुक्ला ने इस धारणा को बदल दिया। बेंगलुरु की अच्छी-खासी नौकरी छोड़कर प्रिंस ने अपने गांव में कृषि-स्टार्टअप एग्रेट की शुरुआत की। शुरू में लोगों ने उनका मजाक उड़ाया। उन्हें गंवार तक कह डाला। हालांकि, प्रिंस ने विपरीत परिस्थितियों में हार नहीं मानी। खेती को एक स्मार्ट करियर के रूप में देखा। उनकी मेहनत रंग लाई। न केवल वह लाखों किसानों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाए हैं, बल्कि उनका स्टार्टअप सालाना 2.5 करोड़ रुपये का शानदार टर्नओवर भी कर रहा है। इसकी शुरुआत उन्होंने सिर्फ 1 लाख रुपये से की थी। उन्होंने साबित किया है कि खेती भी एक आकर्षक और सफल व्यवसाय बन सकती है। आइए, यहां प्रिंस शुक्ला की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

नौकरी छोड़कर गांव में वापसी: प्रिंस शुक्ला का जन्म बिहार के पूर्णिया जिले के एक छोटे से गांव में हुआ था। उन्होंने बचपन से ही किसानों की मुश्किलें देखी थीं। बीएससी एग्रीकल्चर पूरा करने के बाद वह बेंगलुरु में एक अच्छी नौकरी कर रहे थे। लेकिन, गांव के किसानों के घाटे में रहने का विचार उन्हें परेशान करता रहा। विदेश में मास्टर्स की पढ़ाई का उनका प्लान था, जो कोरोना लॉकडाउन के कारण बदल गया। उन्हें वापस घर लौटना पड़ा। गांव आकर उन्होंने देखा कि किसानों को महंगे और नकली बीज, खाद और पुराने उपकरण जैसी गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इसी दौरान, प्रिंस ने खेती को एक नया और आधुनिक रूप देने का फैसला किया। विदेश जाने का सपना छोड़कर किसानी को ही अपना करियर चुना।

बहुत छोटी थी शुरुआत

प्रिंस ने अपने एग्री-स्टार्टअप को एग्रेट नाम दिया। उन्होंने कंपनी की शुरुआत केवल 1 लाख रुपये से एक छोटे से कमरे में की। शुरुआत में उनका काम किसानों को अच्छी क्वालिटी के बीज, जैविक खाद और आधुनिक टूल्स सप्लाई करना था। प्रिंस जानते थे कि केवल सप्लाई से समस्या हल नहीं होगी। इसलिए, उन्होंने छोटे किसानों को आधुनिक खेती की ट्रेनिंग देना शुरू किया। उन्होंने गांव-गांव घूमकर 10 हजार से अधिक किसानों को जोड़ा और टेक्नोलॉजी पानी बचाने की तकनीक और जैविक खेती सिखाई।

खूब उड़ाया गया मजाक

प्रिंस की इस पहल का शुरू में मजाक उड़ाया गया। रिश्तेदारों और स्थानीय लोगों ने उन्हें गंवार तक कहा क्योंकि उन्होंने बेंगलुरु की अच्छी नौकरी छोड़कर खेती को चुना था। लेकिन, प्रिंस ने इन बातों पर ध्यान नहीं दिया। अपना काम जारी रखा। किसानों को ट्रेनिंग देने का नतीजा यह हुआ कि कई किसानों ने खुद बताया कि प्रिंस के सिखाए तरीकों से उनकी फसल दोगुनी हो गई है और घाटा कम हुआ है।

यूएसए और मैक्सिको की टीमें पहुंची दुमका

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दुमका। यूएसए के न्यूयार्क बेस्ड ट्रिकल अप मुख्यालय के वाइस प्रेसिडेंट अल्फरेडो एसपीनोसा तथा मैक्सिको की नतालिया विल्स ने गुरुवार को ट्रिकल अप इंडिया फाउंडेशन के राज्य कार्यक्रम प्रबंधक कौशिक राय एवं रश्मि रंजन बेहरा के साथ रामगढ़ प्रखंड में चल रही परियोजनाओं का निरीक्षण किया।

रामगढ़ स्थित ग्राम साथी परियोजना कार्यालय पहुंचने पर संस्था के सचिव देवानंद कुमार और एमपावर्ड परियोजना प्रबंधक मुकेश कुमार गुप्ता ने टीम का स्वागत एवं सम्मान किया। इस दौरान एमपावर्ड परियोजना के विभिन्न कार्यों की विस्तृत जानकारी प्रेजेंटेशन के माध्यम से दी गई।

टीम को बताया गया कि परियोजना के तहत स्वयं सहायता समूहों द्वारा संचालित व्यवसाय, उनके कौशल विकास प्रशिक्षण, सरकारी योजनाओं से जुड़ाव तथा आगामी कार्ययोजना पर लगातार काम

आजीविका सखी मंडल की सदस्यों से की मुलाकात

किया जा रहा है। बिजनेस करने वाले समूहों की संख्या, उनके उद्यमों के प्रकार तथा क्षेत्र में हुए सकारात्मक परिवर्तनों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। निरीक्षण के क्रम में एसपीनोसा और नतालिया विल्स ने दो स्वयं सहायता समूह-गुलाब आजीविका सखी मंडल (धावाटांड) और चंपा आजीविका सखी मंडल (जोगिया)-से मुलाकात की। उन्होंने समूह की महिलाओं से उनके व्यवसाय, परियोजना से जुड़ने के बाद आए बदलाव, सामान्य समूह से व्यावसायिक समूह बनने की यात्रा तथा भविष्य की योजनाओं के बारे में जानकारी ली।

महिलाओं ने सहजता से सभी प्रश्नों का उत्तर दिया और अपनी चुनौतियों व उपलब्धियों को साझा किया। टीम ने समूहों द्वारा संचालित सुकर शेड एवं मूढ़ी मिल का भी निरीक्षण किया। टीम महिलाओं की कार्य-कुशलता, निर्णय क्षमता और व्यवसायिक समझ को देखकर प्रभावित हुई।

एसपीनोसा और नतालिया ने बताया कि एमपावर्ड परियोजना अमेरिका, लैटिन अमेरिका और मैक्सिको के कई क्षेत्रों में भी चलाई जा रही है, जहां जरूरतमंद महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए ट्रिकल अप सक्रिय रूप से कार्यरत है। निरीक्षण के दौरान ग्राम साथी के सचिव देवानंद कुमार, कार्यक्रम प्रबंधक राजेश कुमार सिंह, ज्योति चौधरी, तारा प्रसाद, मुकेश कुमार गुप्ता, मंजू हांसदा, रुपेश कुमार, शिवानंद शिवम, स्मार्ट सखी मीनू हेंब्रम, हेलेन सोरेन, पकलू मुर्मू, मयबीटी बेसरा, अंजली किस्कू, सुष्मा मरांडी, चंदा मुर्मू, सावित्री सोरेन सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

इंटरनेशनल ह्यूमन राईट्स एसोसिएशन ने मनायी वर्षगांठ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूंटी। इंटरनेशनल ह्यूमन राईटस एसोसिएशन झारखंड प्रदेश के तत्वावधान में खूंटी निरीक्षण भवन परिसर में मानवाधिकार की सारवाभौमिक घोषणा में 75 वीं वर्षगांठ मनाया गया है। मुख्य अतिथि विधिक सेवा प्राधिकार की सचिव सह जज राजश्री अपर्णा कुजूर ने दीप प्रज्वलित कर की। इस अवसर पर रांची जिला अध्यक्ष शंकर शंभु राजेश एवं लोहरदगा जिला अध्यक्ष राम जी कुमार मुंडा ने मुख्य अतिथि को शॉल एवं पुष्प गुच्छे देकर स्वगत किया। कार्यक्रम का अध्यक्षता इंटरनेशनल हियूमन राइट्स एसोसिएशन के प्रदेश महासचिव तपन कुमार घोष ने किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जज राजश्री अर्पणा कुजूर ने बोलि की संविधान द्वारा प्रदान की गई मानव जाति के मानवाधिकार

का हनन कभी होने नहीं दिया जाएगी। समाज में सभी को समान अधिकार दिया गया है और इस अधिकार की रक्षा के लिए इंटरनेशनल हियूमन राईटस एसोसिएशन अच्छे तरह से काम कर रहीं हैं। जिला विधिक सेवा प्राधिकार लोग को निशुल्क कानूनी सलाह एवं सहयोग देने की काम कर रहीं हैं। इस दिशा में लोगों को जागरूक करने की आवश्यकता है। कार्यक्रम का अध्यक्षता करते हुए स्टेट जेनरल सेक्रेट्री तपन कुमार घोष ने कहा कि झारखंड मानवाधिकार आयोग पीछले तीन सालों से ठप्प है जिसके कारण आयोग में लगभग तीन हजार मामले पेंडिंग पड़ा हैं। मानवाधिकार आयोग ही एक मात्र साधन है जो कि पिड़ित लोगों को न्याय दिलाने में अहम भूमिका निभाते हैं। लेकिन झारखंड सरकार इस दिशा में कोई कदम नहीं उठा रहे है। मानवाधिकार दिवस के अवसर पर प0 सिंहभूम जिला अध्यक्ष डॉ पी के विश्वास एवं खूंटी जिला अध्यक्ष सुदामणी देवी को प्रमाण पत्र एवं शॉल देकर मुख्य अतिथि राजश्री अपर्णा कुजूर द्वारा पुरस्कृत किया गया है। कार्यक्रम में प्रशांत कुमार, जितेंद्र कुमार पांडे, सचिव बिरसा लोहार, उपाध्यक्ष अंथोनि मार्शलन हंश, संयुक्त सचिव संजय नाग मुंडा, सुलेमान गुड़िया, गणेश लोहार, अनुप कुमार वर्मा, प्रभाकर मिश्रा, शंकर शंभु राजेश, तुलसी प्रजापति, दीपक कुमार घोष, मदीराय नाग, सहित विभिन्न जिले के जिला अध्यक्ष, एवं सदस्य गण उपस्थित थे।

अब बिहार में भी बनेगी इलेक्ट्रानिक बसें

अशोक लेलैंड सहित 32 निवेशकों ने उद्योग वार्ता में लिया हिस्सा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। अशोक लेलैंड ने बिहार में इलेक्ट्रिक बस निर्माण के लिए उत्पादन इकाई स्थापित करने का प्रस्ताव दिया है। मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत की अध्यक्षता में गुरुवार को उद्योग वार्ता कार्यक्रम में इस आशय का प्रस्ताव आया।

वहीं 32 निवेशकों ने इस कार्यक्रम में सहभागिता की। "उद्योग वार्ता" इस मायने में विशेष रूप से महत्वपूर्ण रही क्योंकि इसमें बिहारी निवेशकों की संख्या अधिक थी। यशपाल साचर (वाइस प्रेसिडेंट, अशोक लेलैंड) ने इलेक्ट्रिक बस के लिए मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट लगाने का प्रस्ताव रखा।उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि बिहार में परिचालित "पिंक बस" को देखते हुए महिलाओं के लिए ड्राइविंग स्कूल की स्थापना की जा सकती है। बिपिन कुमार झा (निदेशक, रोबोटिक्स प्रोग्राम और कोलोरेक्टल सर्जरी, सवेरा कैंसर एंड मल्टीस्पेशलिटी हास्पिटल) ने रोबोटिक्स सर्जरी की अहमियत को रेखांकित करते हुए इसमें निवेश करने और सरकार के साथ मिलकर काम करने की इच्छा व्यक्त की।

सिद्धार्थ लधानी (निदेशक, कोका कोला एसएलएमजी) ने बिहार सरकार के साथ सहयोग करने की इच्छा जाहिर की और अपने प्रस्तावित उद्योग की रूपरेखा पर चर्चा की। निवेशकों ने सरकार से आयात-निर्यात प्रक्रियाओं में भी सहयोग की मांग की।

मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने सभी निवेशकों को आश्वासन दिया कि "उद्योग वार्ता" राज्य सरकार को अच्छे और गंभीर निवेशकों के साथ सीधे काम करने का अवसर प्रदान करेगी और सरकार की ओर से उन्हें हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी।

बिहार के समग्र विकास के लिए राज्य सरकार द्वारा कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि निवेश को बढ़ावा देने के लिए किसी भी प्रकार की नई नीति लानी पड़ेगी या पुरानी नीतियों में संशोधन की आवश्यकता होगी, तो राज्य सरकार बिना किसी विलंब के वह करेगी।

जिन निवेशकों को जमीन की आवश्यकता थी या अन्य दिक्कतें आ रही थीं, उनके मामलों को मुख्य सचिव ने गंभीरता से सुना और तत्काल संबंधित विभागों को कार्रवाई के लिए निदेश दिए। बैठक में उद्योग विभाग के सचिव, कुंदन कुमार, निदेशक, मुकुल कुमार गुप्ता, ऊर्जा विभाग के सचिव, मनोज कुमार सिंह, और गन्ना कमिश्नर, अनिल कुमार झा भी उपस्थित रहे।

गंगा दामोदर ट्रेन से शराब की खेप के साथ चार धराये

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। नेताजी सुभाष चंद्र बोस जंक्शन गोमो आरपीएफ की टीम ने बुधवार रात धनबाद-पटना गंगा दामोदर एक्सप्रेस के एस-6 आरक्षित कोच से भारी मात्रा में अवैध अंग्रेजी शराब बरामद की। कार्रवाई के दौरान चार शराब तस्करों को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। सभी आरोपी बर्थ संख्या 59, 62, 67 और 70 पर बैठकर शराब के साथ बिहार जा रहे थे। तस्करी की सूचना मिलने पर की गई इस छापेमारी के दौरान अन्य कुछ कारोबारी अंधेरे का लाभ उठाकर फरार होने में सफल रहे। पकड़े गए चार तस्करों के पास से पांच बैग में भरी अलग-अलग कंपनियों की कुल 80 बोतल अंग्रेजी शराब जब्त की गई, जिसकी अनुमानित कीमत 49,800 रुपये आंकी गई है।

गिरफ्तार तस्करों की पहचान बेरमो, बोकारो निवासी राजेश कुमार, राहुल कुमार, तथा फुसरो ओवरब्रिज निवासी रोहन कुमार, और लोहरगड़ा निवासी शशि कुमार के रूप में हुई है। शराब और तस्करों को आगे की कार्रवाई के लिए उत्पाद विभाग को सौंप दिया गया है।

छापेमारी टीम में सब-इंस्पेक्टर आलोक आनंद, शाकिब आलम, सहायक उप-निरीक्षक सुभाष यादव, विनोद सिंह, सुनील यादव, सुनील कुमार तथा महिला आरक्षी चन्द्रमा सिंह शामिल थीं।

जवान ने की आत्महत्या

कोडरमा। जिले के मरकच्चो प्रखंड के देवीपुर गांव का बेटा और सीआरपीएफ जवान सुजीत सिंह (27) ने जम्मू-कश्मीर में खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। बुधवार देर रात लगभग 11 बजे यह घटना घटी।स्थानीय ग्रामीणों और जवान के परिजन को गुरुवार सुबह घटना की सूचना मिलने के बाद इलाके में शोक की लहर दौड़ गई। स्वजन के आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे हैं, वहीं गांव का माहौल गमगीन है। जानकारी के अनुसार, सुजीत सिंह देवीपुर पंचायत के बाभन टोला निवासी थे।

पेड़ से दबकर मासूम की मौत

माता-पिता गंभीर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। थाना से सटे वन विभाग कर्यालय परिसर के बगल में एक विशालकाय लिप्ट्स का पेड़ गिर गया। इससे दबकर तीन साल की मासूम अनु कच्छप की दर्दनाक मौत हो गई। वहीं पिता विमल कच्छप और मां रौशनी गोप गंभीर रूप से घायल हो गए।

साथ ही मारिया देवी एवं गोयंदा कच्छप का पूरा घर और अनिल उरांव की वैगन आर गाड़ी क्षतिग्रस्त हो गई। घटना बुधवार की अपराह्न लगभग साढ़े चार बजे की है। ग्रामीणों से मिली जानकारी अनुसार वन विभाग द्वारा लिप्टस पेड़ को काटा जा रहा था।

इसी दौरान परिसर से सटे घरों पर अचानक पेड़ नीचे गिर आया। इस संदर्भ में पीड़िता मारिया देवी ने बताया कि पेड़ गिरने से उनके मकान की दीवारें और छप्पर पूरी तरह से ध्वस्त हो गईं। साथ ही घर में रखे फर्नीचर, इलेक्ट्रॉनिक्स, अनाज और अन्य घरेलू सामान पूरी तरह से बर्बाद हो गए।

उन्होंने कहा कि इस कड़ाके की ठंड में उन्हें रहने में बहुत परेशानी होगी। वहीं घटना के बाद अगल बगल के लोगों ने घटना स्थल से पेड़ को हटाकर मासूम बच्ची व दंपती को बाहर निकालकर इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बेड़ो पहुंचाया। यहां चिकित्सक डा सुमन एक्का ने जांच के बाद मासूम अनु को मृत घोषित कर दिया।

वहीं गंभीर रूप से घायल दंपती को बेहतर उपचार के लिए रिम्स रेफर कर दिया। इधर घटना की जानकारी मिलने पर पंचायत की मुखिया सुशांति भगत, सुशील भगत, पूर्व प्रमुख महतो भगत,राजू महली बेड़ो थाना पुलिस सशस्त्र बल के साथ सीएचसी पहुंचे और घायलों का हाल व घटना की जानकारी ली।

वहीं गंभीर रूप से घायल दंपती को रिम्स भेजवाया। घायलों को सीएचसी से रिम्स ले जाने के लिए एम्बुलेंस सहित किसी वाहन की मदद नहीं मिली। घायलों को वन रक्षी रविशंकर मछली निजी वाहन से रिम्स ले गए। वहीं घटना की जानकारी मिलने पर अंचलाधिकारी राज कुंवर सिंह ने वन विभाग व घटना स्थल जाकर स्थिति का मुआयना किया।

धनबाद में फिर धंसी जमीन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। पांडेयडीह नया मोड़ के समीप टिटहियांटांड़ के पास गुरुवार की सुबह जोरदार आवाज के साथ जमीन धंस गई और वहां दरार पड़ गई। कुछ दूरी पर स्थित बिजली के बिजली की पोल झुक गया। जमीन पर दरार पड़ने से आसपास के लोगों में भय समा गया है।

घटनास्थल से मात्र 30 फीट की दूरी पर टिटहियांटांड़ बस्ती है जहां लोग रहते हैं। ग्रामीणों को किसी अनहोनी की चिंता सताने लगी है। एक वर्ष पूर्व भी उक्त स्थान पर जोरदार आवाज के साथ जमीन धंस गई थी प्रबंधन ने उसे ओबी भरवा कर समतलीकरण करा दिया था।

सूचना पाकर वेस्ट मोदीडीह कोलियरी के सुरक्षा पदाधिकारी एस के राय व निवर्तमान पार्षद छोटू सिंह मौके पर पहुंचे और जायजा लिया। प्रबंधन दरार स्थल की घेराबंदी कराने की बात कही।

ग्रामीणों ने बताया की सुबह कुछ लोग शौच के लिए गये थे तभी अचानक चरचराहट आवाज के साथ जमीन धसने लगा यह देख शौच के लिए गये लोग वहां से भाग निकले और इसकी जानकारी अपने-अपने स्वजनों को दिया।

घटना के बाद ग्रामीण आक्रोशित हो गए और वे लोग प्रबंधन को कोसने लगे। ग्रामीणों का कहना था कि एक वर्ष पूर्व उक्त स्थान पर जोरदार आवाज के साथ जमीन धंस गई थी, प्रबंधन ने ओबी भरवाकर समतली करण कर दिया था। अब उक्त स्थान पर प्रबंधन ने परियोजना विस्तार के लिए ओबी गिरा रहा है जिसके चलते यह स्थिति उत्पन्न हुई है।

कहा कि प्रबंधन हम लोगों को शीघ्र यहां से विस्थापन कर सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट कराएं अन्यथा आउटसोर्सिंग कंपनी का काम ठप कर देंगे। विस्थापन संबंधी पत्र हमलोगों ने एक वर्ष पुर्व प्रबंधन को सौंप चुके हैं। लेकिन समाधान करने की दिशा में अभी तक कोई पहल नहीं किया गया है।

ग्रामीण राजेश चौहान व माला देवी ने बताया कि घटनास्थल से मात्र 30 फीट की दूरी पर हम लोग रहते हैं, 60 आवास हैं जिसमें करीब पांच सौ से अधिक लोग निवास करते हैं।

लगातार बढ़ रही ठंड से बच्चे हो रहे प्रभावित

अस्पतालों में बढ़ रही मरीजों की संख्या

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। राजधानी में ठंड लगातार बढ़ रही है और इसका सीधा असर बच्चों की सेहत पर दिखाई दे रहा है। मौसम में अचानक आए बदलाव के बीच उल्टी, दस्त, बुखार और खांसी-जुकाम के मामलों में वृद्धि दर्ज की गई है। रिम्स में पिछले 15 दिनों में सामान्य दिनों से 30 प्रतिशत बीमार बच्चों की संख्या बढ़ी है।

रिम्स और सदर अस्पताल के ओपीडी में इन दिनों बड़ी संख्या में ऐसे बच्चे पहुंच रहे हैं, जिन्हें ठंड लगने के कारण पाचन से जुड़ी समस्याएं हो रही हैं। डाक्टरों का कहना है कि ठंड में छोटे बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर पड़ जाती है, जिससे उन्हें इंफेक्शन होने की संभावना अधिक रहती है।रिम्स के शिशु रोग विशेषज्ञ डा. पीके चौधरी ने बताया कि पिछले एक सप्ताह में उल्टी और डायरिया के मामलों में बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कहा कि ठंड के मौसम में बच्चों को गर्म

रखने के साथ-साथ खानपान पर विशेष ध्यान देना जरूरी है, क्योंकि तापमान गिरने पर शरीर का मेटाबालिज्म धीमा पड़ जाता है और बैक्टीरिया-वाईरस का असर तेजी से होता है। डा. चौधरी के मुताबिक, कई बच्चों में पानी की कमी की स्थिति भी देखी जा रही है, जो गंभीर हो सकती है।

डाक्टरों ने बताया कि अधिकांश मामलों में समय पर देखभाल और घरेलू उपचार से बच्चों की स्थिति सुधर जाती है। यदि बच्चा उल्टी कर रहा है, तो उसे बार-बार पानी या ओआरएस का घोल थोड़ा-थोड़ा पिलाना चाहिए। एक साथ अधिक पानी देने से उल्टी बढ़ सकती है, इसलिए छोटे घूंट में तरल पदार्थ देना बेहतर है।

बताया गया कि बच्चे को बिल्कुल भूखा न रखें, बल्कि हल्का और आसानी से पचने वाला भोजन दें। छोटे बच्चों को खिचड़ी, सूप, दाल का पानी और बड़े बच्चों को टोस्ट, उबला चावल या सादा खाना दिया जा सकता है।

27 मवेशियों के साथ तस्करों को पुलिस ने दबोचा

जानवरों की चोरी कर करता था तस्करी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रायरंगपुर। क्षेत्र में अवैध पशु तस्करी की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। इस पर रोक लगाने के प्रयासों के बीच बादामपहाड़ पुलिस ने गुरुवार को 27 गायों की तस्करी का भंडाफोड़ किया। इस धंधे में शामिल तीन लोगों को गिरफ्तार किया।

पुलिस के हत्थे चढ़े सभी आरोपी साया गांव के निवासी बताए गए हैं। इनमें जोगेश्वर टुडू (25), मेने हेम्ब्रम (23) और सुरेश चंद्र हांसदा (35) शामिल हैं।

पुलिस को विश्वसनीय सूत्रों से सूचना मिली कि झारखंड सीमा की ओर से अवैध रूप से गायों को ले जाने का काम किया जा रहा है। जानकारी मिलते ही बादामपहाड़ थाने की टीम को साया गांव में भेजा गया।

वहां एक कंटेनर ट्रक में संदिग्ध रूप से बड़ी संख्या में गायों को भरा हुआ पाया गया। पुलिस ने जब दस्तावेज मांगे, तो तीनों आरोपी कोई कागज प्रस्तुत नहीं कर सके।

पूछताछ में उन्होंने स्वीकार किया कि गायों को अलग-अलग स्थानों से चोरी कर तस्करी के लिए ले जाया जा रहा था। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि रायरांगपुर ग्रामीण थाना क्षेत्र के टेंटपोशी इलाके में रहने वाले तिलू और टैटू पॉलिसी गांवों के निवासी विशाल राउत ने भी इस तस्करी में मदद की थी।

उसने गायें चोरी कर तस्करों को बेचने की बात स्वीकार की है। पुलिस ने सभी 27 गायों को जब्त कर गौशाला भेज दिया है। बादामपहाड़ पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। पशु तस्करी नेटवर्क की गहन जांच जारी है। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में सक्रिय ऐसे गिरोहों पर कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

ठिठुरती ठंड में दरी पर बैठने को मजबूर बच्चे

विद्यालय में किचन सहित पानी की अनुपलब्धता

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

देवघर। ठंड का प्रकोप धीरे-धीरे बढ़ता जा रहा है। ठंड से बचने के लिए लोग तरह-तरह के उपाय कर रहे हैं। ठंड से बचाव के लिए सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले छोटे-छोटे बच्चों के बीच अब तक स्वेटर का वितरण नहीं किया जा सका है।

लिहाजा इसका असर स्कूली बच्चों में साफ देखने को मिल रहा है। नौनिहाल बच्चे बिना स्वेटर सुबह ठिठुरन भरी ठंड में स्कूल जाने को विवश हैं। मधुपुर नगर परिषद क्षेत्र के 1954 में स्थापित उत्क्रमित मध्य विद्यालय शेखपुरा में स्वेटर वितरण की पड़ताल करने पहुंचा। देखा कि वर्ग पहली व दूसरी क्लास के बच्चे कमरे में बीछे दरी पर बैठकर पढ़ाई कर रहे थे। जबकि कक्षा तीन से आठवीं तक के बच्चे बेंच पर बैठकर पठन-पाठन कर रहे थे। उन्हें प्रधानाध्यापिका गायत्री कुमारी एवं सहायक शिक्षिका सुनीता कुमारी पढ़ा रही थीं। प्रधानाध्यापिका गायत्री कुमारी ने बताया कि अब तक नामांकित बच्चों की कुल संख्या 64 है। जिसमें वर्ग पहली में सात, दूसरी में छह तीसरी में 14,चौथी में सात, पांचवीं में सात, छठी में सात, सातवीं में 9 एवं आठवीं कक्षा में सात बच्चे शामिल हैं।

ठंड के बावजूद स्कूल में बच्चों की उपस्थिति अच्छी रहती है। नामांकित 64 बच्चों में 58 बच्चे उपस्थित थे। सरकार द्वारा एक व दो वर्ग के बच्चों के लिए स्वेटर उपलब्ध कराया जाता है । बाकी वर्ग के बच्चों के लिए ड्रेस के मद में 600 रुपये उनके खाते में भेजा जाता है। बच्चों द्वारा खाता चेक कराने पर ड्रेस का पैसा आने की सूचना मिली है। सभी बच्चों को स्वेटर खरीदने का निर्देश प्रधानाध्यापिका द्वारा दिया गया है।

विकास कुमार दास, सुदामा साव, प्रताप गुप्ता, संजय कुमार साह, सुबोध साव समेत अन्य अभिभावकों का कहना है कि सरकार को समय पर बच्चों को दी जाने वाली सुविधाएं उपलब्ध करानी चाहिए। लेकिन ऐसा नहीं होता। अगर ठंड में स्वेटर नहीं मिला तो बाद में मिलने से क्या लाभ। ठंड को देखते हुए जल्द से जल्द स्वेटर का वितरण विभाग को करना चाहिए।

विद्यालय को मध्य विद्यालय के रूप में उत्क्रमित भले ही कर दिया गया लेकिन मात्र दो कमरे में कक्षा पहली से आठवीं तक के बच्चों को पठन-पाठन करना पड़ रहा है। दो

कैमरा एक दशक से विभागीय उदासीनता के कारण निमार्णाधीन पड़ा है।

विद्यालय में अब तक पानी पीने के लिए कोई साधन विभाग द्वारा उपलब्ध नहीं कराया गया है। चापाकल नहीं रहने के कारण बच्चों को विद्यालय से बाहर जाकर प्यास बुझाने को मजबूर हैं। मध्याहन भोजन बनाने के लिए रसोईया को बाहर से लाना होता है।

विद्यालय में किचन नहीं रहने के कारण क्लास रूम के एक कमरे में मध्याहन भोजन बनाया जाता है। जिस कारण क्लास रूम की कमी हो गई है। विद्यालय का अपना चाहरदीवारी अवश्य है। परंतु संसाधन की कमी से स्कूली बच्चे जूझ रहे हैं। इस संदर्भ में प्रधानाध्यापिका द्वारा कई बार विभाग के पदाधिकारी को पत्राचार कर समस्या का समाधान करने की अपील की गई है लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हो सकी है।

नशेड़ी बेटे ने पिता की कुदाल से पीट-पीटकर की हत्या

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चतरा। सिमरिया थाना क्षेत्र के बानासाडी पंचायत अंतर्गत लिपदा गांव में एक कलयुगी पुत्र ने मामूली बात पर अपने बुजुर्ग पिता की कुदाल से पीट-पीटकर हत्या कर दी। जानकारी के अनुसार, पिता बिफैया भुईयां का हत्यारा उसका बेटा विनय भुईयां देर रात शराब के नशे में घर पहुंचा था। इसी दौरान किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने पर आरोपी ने घर में रखी कुदाल उठा ली और नशे की अवस्था में पिता पर लगातार वार करता रहा, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई।

घटना के समय बीच-बचाव करने पहुंची बुजुर्ग मां को भी आरोपी ने सिर पर कई वार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायल महिला को परिजनों द्वारा सिमरिया रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें घर भेज दिया गया।

घटना के बाद स्वजन और ग्रामीणों ने हत्या की सूचना दबाने के उद्देश्य से शव का चुपचाप अंतिम संस्कार कर दिया। इस दौरान गांव में किसी को भी वास्तविक घटना की भनक नहीं लगने दी गई, जबकि आरोपी खुलेआम गांव में घूमता रहा। इस दौरान मृतक की पत्नी किरंती देवी गंभीर रूप से घायल अवस्था में मिलीं। पूछे जाने पर वह भय से कांप रही थीं और कुछ बोल नहीं पा रही थीं। बाद में पत्रकारों के समझाने पर वह फूट-फूटकर रोने लगीं और पूरी घटना बताई। विनय ने पिता की हत्या करने की बात स्वीकार कर ली। उसने कुदाल भी दिखाया, जिसे उसने छिपा कर रखा था और जिस पर अभी भी खून के निशान मौजूद थे। विनय की स्वीकारोक्ति और कुदाल मिलने के बाद भी पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई नहीं किए जाने से ग्रामीणों में भय और आक्रोश दोनों है। घटना की जानकारी मिलने पर मृतक के समधी भी गांव पहुंचे।

उन्होंने बताया कि उनकी पुत्री (मृतक की बहू) ने उन्हें बताया कि वह बच्चों के साथ सो रही थी। अचानक शोरगुल सुनकर जब वह बाहर आई, तो देखा कि देवर विनय कुदाल से पिता की पिटाई कर रहा था। विरोध करने पर आरोपी ने उसे भी जान से मारने की धमकी दी, जिसके डर से वह पूरी रात किसी को कुछ नहीं बता सकी।

बाद में ग्रामीणों के पहुंचने तक बुजुर्ग की मौत हो चुकी थी। गांव में हुई इस निर्मम वारदात से लोग दहशत में हैं। वहीं, घटना के कई घंटे बीत जाने के बाद भी सिमरिया पुलिस के द्वारा किसी प्रकार की कार्रवाई न किए जाने पर सवाल उठ रहे हैं।

बीएफआई को एलीट नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप करनी पड़ी रीशेड्यूल

जानिए क्या थी वजह?

नई दिल्ली, एजेंसी। 9वीं एलीट पुरुष और महिला नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप को उत्तर भारत में प्रदूषण के नियमों की वजह से रीशेड्यूल करना पड़ा है। पहले ये चैंपियनशिप 31 दिसंबर 2025 से 6 जनवरी 2026 के बीच ग्रेटर नोएडा स्थित गौतम बुद्ध यूनिवर्सिटी में होनी थी, लेकिन अब इसे अगले साल 4-10 जनवरी के बीच आयोजित किया जाएगा। बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीएफआई) ने एक प्रेस रिलीज जारी करते हुए बताया कि सरकार की ओर से अनिवार्य किए गए और 31 दिसंबर 2025 तक लागू प्रदूषण नियंत्रण उपायों को देखते हुए चैंपियनशिप अब 4-10 जनवरी 2026 के बीच उसी

वेन्यू पर होगी। चैंपियनशिप को लेकर शेष सभी इंतजाम वैसे ही रहेंगे। इसे लेकर सभी ताजा अपडेट शेयर किए जाएंगे। ऐसा पहली बार हो रहा है जब बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया पुरुष और महिला नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप को एक साथ होस्ट करने जा रहा है। इस चैंपियनशिप में भारत के टॉप सीनियर मुक्केबाज एक ही छत के नीचे आएंगे। इसमें 10-10 भार वर्ग में मुकाबले खेले जाएंगे। इस चैंपियनशिप में सर्विसेज डिफेंडिंग मेंस नेशनल चैंपियंस के तौर पर एंट्री करेगी, जबकि रेलवे की विमेंस टीम चैंपियनशिप का टाइटल बरकरार रखना चाहेगी। बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीएफआई) ने प्रेस रिलीज में कहा, 'देशभर की यूनिट्स पुरुषों और महिलाओं के लिए 10-10 वेट कैटेगरी में मुकाबला करेंगी, जो वर्ल्ड बॉक्सिंग टेक्निकल और कॉम्पिटिशन रूल्स का पूरी तरह से पालन करेगी। प्रत्येक यूनिट को हर कैटेगरी में एक बॉक्सर उतारने की इजाजत है। इसमें किसी रिजर्व की अनुमति नहीं है। योग्य मुक्केबाज का जन्म 1 जनवरी 1985 और 31 दिसंबर 2006 के बीच होना अनिवार्य है।'

खिलाड़ियों की भूमिका से ज्यादा छेड़छाड़ करने पर बोले डिविलियर्स

गंभीर से कुछ हद तक सहमत हूं

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स ने कहा कि वह भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर के इस विचार से 'कुछ हद तक' सहमत हैं कि वनडे बल्लेबाजी क्रम को जरूरत से ज्यादा महत्व दिया जाता है लेकिन उन्होंने टीम में लचीलापन और खिलाड़ियों की मुख्य भूमिका के बीच संतुलन बनाने की जरूरत पर जोर दिया। भारत की दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे श्रृंखला में 2-1 से जीत के बाद गंभीर ने कहा था कि उन्हें लगता है कि वनडे प्रारूप में

बल्लेबाजी क्रम को जरूरत से ज्यादा महत्व दिया जाता है। डिविलियर्स ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'मैं उनसे कुछ हद तक सहमत हूं। मुझे वनडे में बल्लेबाजों के क्रम में बदलाव करना पसंद रहा है। लेकिन यह एक नाजुक मामला है क्योंकि आप खिलाड़ियों की भूमिकाओं के साथ ज्यादा छेड़छाड़ नहीं कर सकते। उन्होंने कहा, 'इसमें शीर्ष तीन, चार से छह नंबर के बल्लेबाज शामिल होते हैं। इसके बाद निचले क्रम के बल्लेबाजों की बारी आती है। यह लगभग तीन खंडों की तरह है और आप वास्तव में इसके साथ रचनात्मक हो सकते हैं। दाएं और बाएं हाथ के संयोजन बनाने के लिए और खेल की कुछ विशेष परिस्थितियों के अनुसार बदलाव करना सही है। भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच जीता जो उसकी 31 मैचों में 27वीं जीत है। डिविलियर्स ने भारतीय टीम की जमकर तारीफ करते हुए कहा, 'भारत का प्रदर्शन विशेषकर टी20 प्रारूप में अविश्वसनीय रहा है। यह तीनों प्रारूपों में सबसे अस्थिर प्रारूप है और ऐसे में अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखने का मतलब है कि टीम सही दिशा में आगे बढ़ रही है। मुझे लगता है कि इसका संबंध भारतीय क्रिकेट की गहराई से है।'

चांदी पर बैठना पसंद नहीं

मेरा लक्ष्य सोना: रवि दहिया

नई दिल्ली। रवि कुमार दहिया भारतीय कुश्ती का ऐसा नाम है जिनसे भविष्य में देश को ओलंपिक जैसे वैश्विक मंच पर स्वर्णिम प्रदर्शन की उम्मीद है। रवि दहिया के नाम से मशहूर इस पहलवान का जन्म हरियाणा के सोनीपत जिले के नहरी में 12 दिसंबर 1997 को हुआ था। हरियाणा को भारतीय कुश्ती का केंद्र माना जाता है। रवि को अपने प्रदेश के साथ ही कुश्ती का प्रभाव अपने घर में भी देखने को मिला। रवि के पिता राकेश दहिया तो किसान हैं, लेकिन उनकी मां ऊर्मिला देवी और चाचा मुकेश दहिया कुश्ती से जुड़े रहे हैं। इस वजह से रवि को कुश्ती विरासत में मिली है, जिसे उन्होंने अपने अथक परिश्रम से सफल और समृद्ध बनाया है। रवि ने महज 10 साल की उम्र में दिल्ली के छत्रसाल स्टेडियम में कुश्ती प्रशिक्षण के लिए दाखिला लिया। घर से दूर प्रशिक्षण के लिए पहुंचे रवि के लिए उनके पिता रोजाना 39 किलोमीटर की दूरी तय कर दिल्ली स्टेडियम में उनके लिए घर से ताजा दूध व फल लेकर आते थे। यह प्रक्रिया तब तक जारी थी। रवि के एक बड़े पहलवान के रूप में लोकप्रिय होने तक यह प्रक्रिया जारी रही। ऐसे में रवि के पिता की साधना उन्हें पहलवान बनाने की दिशा में एक बड़ी प्रेरणा है। सतपाल सिंह की देखरेख में में रवि की कोचिंग शुरू हुई थी। सुशील कुमार और योगेश्वर दत्त जैसे पहलवानों ने सतपाल सिंह से ही प्रशिक्षण लिया था और आगे चलकर ओलंपिक पदक विजेता बने। ओलंपिक पदक

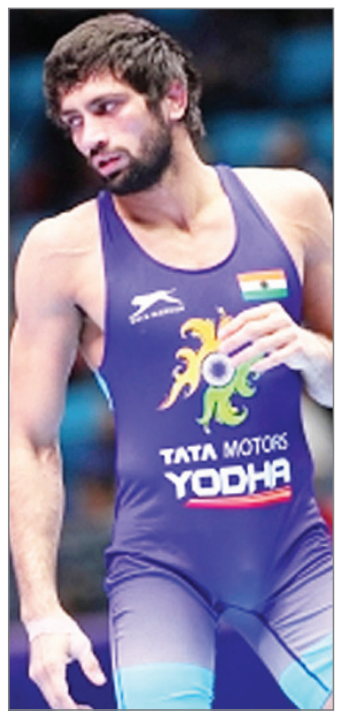

विजेताओं में रवि दहिया का नाम भी शामिल है। रवि को सबसे पहले बड़ी पहचान 2018 में अंडर-23 विश्व चैंपियनशिप में मिली। 57 किलोग्राम भार वर्ग में उन्होंने रजत पदक जीता था। 2019 में विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर उन्होंने टोक्यो ओलंपिक में अपनी जगह सुनिश्चित की थी। रवि एशियाई चैंपियनशिप के बादशाह हैं। 2018, 2020, और 2021 में उन्होंने स्वर्ण पदक जीते थे। दहिया के जीवन का सबसे बड़ा क्षण टोक्यो ओलंपिक था। 57 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग में उन्होंने रजत पदक जीत वैश्विक स्तर पर अपनी ताकत का लोहा मनवाया। हालांकि फाइनल में मिली हार से रवि खुश नहीं थे। उन्होंने कहा था, 'मैं चांदी पर नहीं बैठ सकता। सोना ही मेरा लक्ष्य है।' टोक्यो ओलंपिक के बाद 2022 में बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स में रवि दहिया ने स्वर्ण पदक जीता। 2024 में पेरिस में हुए ओलंपिक में जगह बनाने में सफल नहीं रहे रवि अब अपना भार वर्ग बदलकर लॉस एंजिल्स ओलंपिक की तैयारी कर रहे हैं।

वेलिंगटन टेस्ट

न्यूजीलैंड ने पहली पारी में वेस्टइंडीज पर 73 रन की बढ़त बनाई

वेलिंगटन, एजेंसी। न्यूजीलैंड और वेस्टइंडीज के बीच दूसरा टेस्ट वेलिंगटन में खेला जा रहा है। दूसरे दिन न्यूजीलैंड की पहली पारी 278 रन पर समाप्त हुई। पहली पारी के आधार पर कीवी टीम ने वेस्टइंडीज पर 73 रन की बढ़त बनाई है। न्यूजीलैंड ने दूसरे दिन की शुरुआत बिना किसी नुकसान के 24 रन से की थी। 36 के स्कोर पर उन्हें कप्तान टॉम लैथम के रूप में पहला झटका लगा। वह 11 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद टीम ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए। सलामी बल्लेबाज डेवन कॉन्वे ने 108 गेंद पर 8 चौकों की मदद से 60 और विकेटकीपर बल्लेबाज मिशेल हे ने 93 गेंद पर 1 छक्का और 9 चौकों की मदद से 61 रन बनाए। इन दोनों के अलावा केन विलियमसन ने 37, डेरिल मिचेल ने 25 रन बनाए। जकारी फॉल्क्स 23 रन बनाकर नाबाद रहे। ब्लेयर टिकनर इंजरी की वजह से बल्लेबाजी करने नहीं आए। इस वजह से न्यूजीलैंड को अपनी पारी 9 विकेट पर 278 रन बनाकर घोषित करनी पड़ी। वेस्टइंडीज के लिए एंडरसन फिलिप ने 3, केमार रोच ने 2 विकेट लिए। जायडन सिल्स, ओजे शिल्ड्स, जस्टिन ग्रिव्स और रोस्टन चेज को 1-1 विकेट मिला। वेस्टइंडीज की पहली पारी 205 रन पर समाप्त हुई थी। शाई होप ने सर्वाधिक 47 और जॉन कैंपबेल ने 44 रन की पारी खेली थी।

जूनियर विश्व कप हॉकी

दो गोल से पिछड़ने के बाद ऐतिहासिक प्रदर्शन

9 साल बाद भारत ने जीता पदक

चेन्नई, एजेंसी। दो गोल से पिछड़ने के बाद मेजबान भारत ने ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए 9 साल बाद पुरुषों के जूनियर विश्व कप में पहला कांस्य पदक जीता। तीसरे और चौथे स्थान के लिए हुए प्ले-ऑफ मैच में भारत ने अर्जेंटीना को 4-2 से हराया। मेजबान टीम ने अर्जेंटीना के खिलाफ शानदार 4-2 से वापसी करते हुए जीत हासिल की और सिर्फ 11 मिनट के छोटे से समय में चार गोल करके तीसरा स्थान हासिल किया।

निकोलस रोड्रिग्ज (तीसरे') और सैंटियागो फर्नांडीज ने (44वें) मिनट में मेहमान टीम को बढ़त दिलाई थी जिसके बाद भारत के लिए अंकित पाल ने (49वें), मनमीत सिंह ने (52वें), शरदानंद तिवारी ने (57वें) और अनमोल एक्का ने (58वें) मिनट में गोल किए। भारत ने खेल की शुरुआत आक्रामक तरीके से की और अर्जेंटीना के डिफेंस में सेंध लगाने की कोशिश की। हालांकि यह मेहमान टीम थी जिसने खेल के विपरीत जाकर बढ़त हासिल की, जब निकोलस रोड्रिग्ज (तीसरे मिनट) ने पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदला। एक गोल के बाद मेजबान टीम ने जोरदार जवाब दिया और तुरंत बराबरी की तलाश में थी।

भारत को पहले क्वार्टर के अंत में लगभग एक मौका

मिला, लेकिन वे इसका फायदा नहीं उठा पाए। दूसरे क्वार्टर में भारत के लिए यह एक उत्साहजनक शुरुआत थी, उन्होंने वहीं से शुरुआत की जहां उन्होंने पहले क्वार्टर में छोड़ा था। वे खेल में अपनी पकड़ बनाने लगे और अधिक महत्वपूर्ण मौके बनाए, जिससे अर्जेंटीना के डिफेंस पर दबाव पड़ा जो ज्यादातर मौकों पर मजबूत बना रहा।

दिलराज सिंह ने गोल पर शॉट लगाया, जबकि मेजबान टीम ने पहले हाफ में आठ सर्कल पेनिट्रेशन के साथ कुछ आधे मौके बनाए और बराबरी की तलाश में गेंद पर अपना दबदबा बनाए रखा। हालांकि अर्जेंटीना ने पहले हाफ को 1-0 की बढ़त के साथ खत्म किया। भारत ने तीसरे क्वार्टर की शुरुआत में कुछ पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए। वे हमले में लगातार बने रहे, और अर्जेंटीना के डिफेंस पर दबाव बनाए रखा जो पीछे हट रहा था। मेहमान टीम काउंटर अटैक पर खेलने की कोशिश कर रही थी और उन्हें कुछ मौके भी मिले, लेकिन प्रिंसदीप सिंह ने शानदार डबल सेव करके भारत को खेल में बनाए रखा। अर्जेंटीना ने आखिरकार तीसरे क्वार्टर के

हरमनप्रीत कौर-युवराज सिंह को सम्मान

इस क्रिकेट स्टेडियम में बनेगा उनके नाम का स्टैंड

नई दिल्ली, एजेंसी। पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (पीसीए) ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर के नाम पर मोहाली में स्थित मुल्लांपुर स्थित महाराजा यादवेंद्र सिंह क्रिकेट स्टेडियम में एक स्टैंड का नाम रखने की घोषणा की है। उनके साथ युवराज सिंह के नाम पर भी यहां स्टैंड का उद्घाटन होगा। इसके अलावा, हरमनप्रीत कौर के साथ अमनजोर कौर को इनामी राशि भी दी जाएगी। भारतीय क्रिकेट की बढ़ती लोकप्रियता और खिलाड़ियों की ऐतिहासिक उपलब्धियों पर आज कई स्पोर्ट्स प्लेटफ़ॉर्म, जैसे Betwinner India, भी खास नज़र रख रहे हैं, जो भारतीय खेलों में लगातार बढ़ती दिलचस्पी को दर्शाता है। पीसीए के कार्यवाहक सचिव सिद्धार्थ शर्मा ने आईएएनएस से कहा, 'इन खिलाड़ियों को वर्ल्ड कप जीतने के लिए सम्मानित किया जा रहा है। हमने उनके नाम पर एक स्टैंड की घोषणा की है। 11 दिसंबर को भारत-साउथ अफ्रीका मैच में इसका उद्घाटन होगा।' उन्होंने कहा, 'यहां दो बार के वर्ल्ड कप चैंपियन युवराज सिंह के नाम से स्टैंड का भी उद्घाटन होगा। हरमनप्रीत कौर और अमनजोत कौर को इनामी राशि दी जाएगी। यह स्टैंड न्यू मुल्लापुर में नए अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में होगा। यह उनके लिए एक छोटी सी चीज है, उन्होंने पूरे देश को विश्व कप खिताब जिताया है। यह उनकी उपलब्धि के लिए हमारी तरफ से एक छोटी सी भेंट है।' सिद्धार्थ शर्मा मानते हैं कि इन महिला खिलाड़ियों को देखकर ही युवा लड़कियां भी इस खेल से जुड़ेंगी। उन्होंने कहा, 'विमेंस क्रिकेट में हरमनप्रीत कौर, स्मृति मंधाना और जेमिमा रोड्रिगेज जैसी खिलाड़ियों को देखकर ही युवा आगे आएंगी। इससे उन्हें प्रेरणा मिलेगी। जब युवा पीढ़ी को प्रेरणा मिलेगी, तभी महिला क्रिकेट आगे बढ़ेगा। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारत ने नवी मुंबई में 2 नवंबर को खेले गए महिला विश्व कप 2025 के फाइनल मैच में साउथ अफ्रीका को 52 रन से शिकस्त देकर खिताब अपने नाम किया था। यह भारतीय महिला क्रिकेट टीम का पहला विश्व कप खिताब था। इस मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवरों में 7 विकेट खोकर 298 रन बनाए।

फुटबॉल

चैंपियंस लीग में 16 वर्षीय सैल्मन का डेब्यू; रियल मैड्रिड के तीन खिलाड़ी रेफरी से बदसलूकी पर निलंबित

नई दिल्ली, एजेंसी। यूरोपीय फुटबॉल में इस हफ्ते दो विपरीत तस्वीरें सामने आईं। एक ओर 16 साल के मार्ली सैल्मन ने चैंपियंस लीग में आर्सेनल की ओर से डेब्यू कर इतिहास रचा, वहीं दूसरी ओर रियल मैड्रिड के तीन खिलाड़ियों को रेफरी के प्रति अनुचित व्यवहार के कारण दो मैचों के निलंबन का सामना करना पड़ा।

आर्सेनल के 16 वर्षीय डिफेंडर मार्ली सैल्मन का रिकॉर्ड डेब्यू- लंदन में क्लब ब्रुग के खिलाफ खेले गए मैच में आर्सेनल ने 3-0 की शानदार जीत दर्ज की। इस मुकाबले में एक खास पल तब आया जब मार्ली सैल्मन, जिनकी उम्र सिर्फ 16 साल 103 दिन है, को कोच मिकेल आर्टेटा ने अंतिम मिनटों में मैदान पर उतारा। जैन ब्राइडलस्टेडियन में हुए इस मैच ने सैल्मन को चैंपियंस लीग इतिहास के छठे सबसे कम उम्र के खिलाड़ी के रूप में दर्ज कर दिया। आर्टेटा ने मैच के बाद कहा, 'हमें पता था कि किसी न किसी दिन हमें उसे मौका देना होगा। वह अभी सिर्फ 16 साल का है और चैंपियंस लीग में खेलना कोई छोटी बात नहीं।' आर्सेनल की इस सीजन में यह सबसे कम उम्र का डेब्यू भी नहीं है। इससे पहले मैक्स डॉमन, उम्र 15 साल 308 दिन, स्लाविया प्राग के खिलाफ मैदान पर उतरकर रिकॉर्ड बना चुके हैं। श्वस्त्र के मुताबिक, जैक विल्शर और डॉमन के बाद, सैल्मन आर्सेनल के तीसरे ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्हें 16 वर्ष या उससे कम उम्र में चैंपियंस लीग में मैदान पर उतारा गया है। क्लब का कहना है कि नंबर 89 जर्सी पहनने वाला यह डिफेंडर एक बेहतरीन बॉल-प्लेइंग सेंटर-बैक है और उसने अंडर-11 टीम से शुरुआत की थी। खास बात यह है कि सैल्मन ने अभी तक आर्सेनल के लिए कोई सीनियर घरेलू लीग या कप मैच नहीं खेला है। उनका टॉप-टियर डेब्यू अंडर-21 फुटबॉल लीग ट्रॉफी के मुकाबले से पहले ही चैंपियंस लीग के मंच पर हो गया।

ऑस्ट्रेलिया ने अंडर-19 विश्व कप टीम की घोषणा की, दो भारतीयों को मिली जगह

मेलबर्न, एजेंसी। नामीबिया और जिम्बाब्वे में 15 जनवरी से 6 फरवरी तक होने वाले पुरुषों के अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप के लिए मौजूदा चैंपियन ऑस्ट्रेलिया ने 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। टीम में भारतीय मूल के दो खिलाड़ियों आर्यन शर्मा और जॉन जेम्स को शामिल किया गया है। आर्यन उपयोगी बल्लेबाज और धीमी गति के बाएं हाथ के स्पिनर हैं जबकि जेम्स ऑलराउंडर हैं जो दाएं हाथ से मध्यम गति की गेंदबाजी करते हैं। यह दोनों उस टीम का हिस्सा थे जो सितंबर में युवा टेस्ट और वनडे श्रृंखला में भारत के खिलाफ खेली थी। भारतीय मूल के क्रिकेटरों के अलावा ऑस्ट्रेलिया की टीम में श्रीलंकाई मूल के दो खिलाड़ी (नादेन कूरे और नितेश सैमुअल) और चीनी मूल का एक खिलाड़ी (एलेक्स ली यंग) भी शामिल हैं। ओलिवर पीक टीम के कप्तान हैं। ऑस्ट्रेलिया की जूनियर टीम के मुख्य कोच टिम नीलसन ने कहा, 'आईसीसी अंडर19 विश्व कप के लिए एक मजबूत और संतुलित टीम की घोषणा करते हुए हमें बेहद खुशी हो रही है। हमारा ध्यान ऐसे खिलाड़ियों के चयन पर रहा है जिनके कौशल एक-दूसरे के पूरक हों और जिनसे हम टूर्नामेंट में सफलता हासिल करने की उम्मीद कर सकते हैं।' उन्होंने कहा, 'जिन खिलाड़ियों का चयन किया गया है उन्होंने सितंबर में भारत के खिलाफ अंडर19 श्रृंखला और हाल ही में पर्थ में खोली गई राष्ट्रीय अंडर19 चैंपियनशिप में अच्छा प्रदर्शन किया था।' ऑस्ट्रेलिया को ग्रुप ए में आयरलैंड, जापान और श्रीलंका के साथ रखा गया है। टीम जनवरी की शुरुआत में नामीबिया पहुंचेगी और नौ से 14 जनवरी तक अभ्यास मैच खेलेगी।

पाकिस्तान में फुटबॉल मैच के बाद खिलाड़ियों की शर्मनाक हरकत, लाइव प्रसारण वायरल होने के बाद जांच शुरू

कराची, एजेंसी: पाकिस्तान फुटबॉल फेडरेशन और देश की सबसे बड़ी ओलंपिक संस्था कराची में पाकिस्तान आर्मी और डब्ल्यूएपीडीए टीम के बीच सेमीफाइनल मैच के बाद हुई एक शर्मनाक घटना की जांच कर रही है जिसमें कई खिलाड़ियों और अधिकारियों को चोटें आई हैं। केपीटी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में नेशनल गेम्स फुटबॉल सेमीफाइनल के बाद दोनों तरफ के खिलाड़ी आपस में भिड़ गए और अधिकारी भी इसमें शामिल हो गए जिसके बाद उन्होंने एक-दूसरे को मुक्के और लातें मारीं। मैच का लाइव प्रसारण हो रहा था, इसलिए ये शर्मनाक दृश्य कैमरे में कैद हो गया और बाद में सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद कई लोगों ने दोनों टीमों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। यह लड़ाई तब शुरू हुई जब डब्ल्यूएपीडीए के कुछ सदस्यों ने आर्मी के खिलाड़ियों के अपनी डगआउट के सामने जीत का जश्न मनाने पर गुस्सा जताया। पीएफएफ के एक अधिकारी ने कहा कि उन्होंने इस घटना का संज्ञान लिया है और पाकिस्तान ओलंपिक एसोसिएशन भी इस मामले की जांच करेगा क्योंकि नेशनल गेम्स उसी के दायरे में आते हैं। उन्होंने कहा, 'हम अपनी जांच करेंगे और लड़ाई भड़काने या शुरू करने में शामिल पाए गए खिलाड़ियों और अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।'

संक्षिप्त समाचार

डीयू के कॉलेजों में सुरक्षा मजबूत करने को बन रही 3 चरण वाली एसओपी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) अपने सभी कॉलेजों में सुरक्षा ढांचे को और मजबूत करने के लिए एक व्यापक स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) तैयार कर रहा है। हाल के महीनों में विभिन्न संस्थानों में फर्जी धमकी भरे संदेशों और बम की झूठी सूचनाओं की बढ़ती घटनाओं ने विश्वविद्यालय प्रशासन को सुरक्षा प्रोटोकॉल को और कठोर और आधुनिक बनाने की दिशा में कदम उठाने पर मजबूर किया है। नए एसओपी का उद्देश्य किसी भी आपात स्थिति में बिना समय गंवाए स्पष्ट, क्रमबद्ध और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करना है। डीयू पहले भी एक एसओपी जारी कर चुका है, लेकिन बदलते सुरक्षा माहौल और तकनीकी चुनौतियों को देखते हुए अब अधिक व्यावहारिक और विस्तृत दिशानिर्देश तैयार किए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय के मुख्य अनुशासन अधिकारी प्रो. मनोज सिंह ने बताया कि यह एसओपी कॉलेज प्रशासन, शिक्षकों, सुरक्षा कर्मियों और छात्रों के लिए एक ऐसी स्पष्ट रूपरेखा तैयार करेगा, जिसे किसी भी धमकी की स्थिति में तुरंत लागू किया जा सके। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि स्कूलों में इस तरह की प्रक्रियाएं पहले से लागू हैं और उनका प्रभाव भी सकारात्मक देखा गया है। सोशल मीडिया पर गलत सूचना फैलाने की घटनाओं ने सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ाई है। इसलिए केवल अधिकृत व्यक्तियों को ही मीडिया और छात्रों से संवाद करने की अनुमति होगी। गलत सूचना फैलाने पर कार्रवाई का प्रावधान भी शामिल किया जाएगा। एसओपी लागू करने के साथ सभी कॉलेजों में शिक्षकों, नॉन-टीचिंग स्टाफ और सुरक्षा कर्मियों को मॉक ड्रिल और आपातकालीन प्रशिक्षण दिया जाएगा। धमकी या संदिग्ध सूचना मिलने पर कॉलेज परिसर को तत्काल खाली कराया जाएगा। निकासी मार्ग और सुरक्षा कर्मियों की भूमिकाएं पहले से निर्धारित होंगी। पुलिस, बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉड को तुरंत सूचना दी जाएगी। टीमों के पहुंचने तक परिसर को सील किया जाएगा। छात्रों को सुरक्षित स्थान पर ले जाकर उनकी उपस्थिति सुनिश्चित की जाएगी। कॉलेजों को यह भी निर्देश दिया जाएगा कि नियंत्रित सूचना प्रणाली अपनाकर अभिभावकों को अनावश्यक चिंता में न डाला जाए।

दिल्ली के द्वारका में मकान से चलती कार पर गिरे दादी पोते, दोनों की मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के द्वारका नार्थ के भरत विहार इलाके में बुधवार शाम को एक निर्माणाधीन मकान से नीचे सड़क पर चलती कार की छत पर गिरकर दादी-पोते की मौत हो गई। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस घटना की छानबीन के बाद संबंधित धाराओं में एफआईआर दर्ज करने की तैयारी कर रही है। जानकारी के अनुसार भरत विहार डी ब्लाक में तीन मंजिला मकान बनाने का काम चल रहा था। पुलिस अधिकारी ने बताया कि मकान का ठेका गणेश नाम के व्यक्ति के पास था। गणेश की मां हरि बाई बुधवार शाम को अपने एक साल के पोते राज के साथ निर्माणाधीन मकान को देखने के लिए आई थी। वह दूसरी मंजिल पर पहुंची थी। वह गोद में पोते को लेकर इमारत के बाहरी हिस्से में चली गईं जहां नियंत्रण खोने से वह सड़क पर गिर गई। इसी दौरान एक कार गुजर रही थी और दोनों इसी कार की छत पर गिर गईं। इस हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गये। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी और घायलों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया। लेकिन डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि रेलिंग नहीं बने होने की वजह से यह हादसा हुआ है। टीम ने मौके का मुआयना किया और आसपास के लोगों के बयान दर्ज किया है। फिलहाल पुलिस इस मामले को हादसा मान कर चल रही है। परिजनों ने बताया कि हरि बाई अक्सर अपने बेटे की साइट पर काम देखने के लिए आती थीं।

पुराने वाहनों को दी गई राहत वापस लीजिए

सुप्रीम कोर्ट से ऐसा क्यों बोला सीएक्यूएम?

नई दिल्ली, एजेंसी। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने सुप्रीम कोर्ट से पुराने वाहनों को राहत वाला आदेश वापस लेने की गुजारिश की है। सीएक्यूएम ने जहरीली हवा का हवाला देते हुए सुप्रीम कोर्ट से यह अनुरोध किया है। सीएक्यूएम ने सुप्रीम कोर्ट से 12 अगस्त को दिए गए अपने निर्देश की समीक्षा करने को कहा है, जिसके तहत दिल्ली में 10 साल पुराने डीजल और 15 साल पुराने पेट्रोल वाहन चलाने वालों के खिलाफ कोई जबरन कार्रवाई न करने का आदेश दिया गया था। अगस्त में कोर्ट ने प्रभावी रूप से अपने अक्टूबर 2018 के आदेश पर रोक लगा दी थी। 2018 का यह आदेश नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के 2014 के फैसले को सही ठहराता था, जिसका उद्देश्य इस जहरीली हवा से निपटने के लिए प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों को सड़कों से हटाना था। आयोग ने कहा कि सर्दियों के महीनों में लगातार ख़राब वायु गुणवत्ता को देखते हुए इस तरह के अल्पकालिक उपाय आवश्यक हैं। आयोग ने एक दीर्घकालिक उपाय का प्रस्ताव भी दिया। इसके तहत, लक्ज़री सेगमेंट के वाहनों, डीजल कारों और 2000 सीसी क्षमता या उससे अधिक की एसयूवी पर लगाए जा रहे पर्यावरण मुआवजा शुल्क को वर्तमान 1 प्रतिशत से अधिक करने का सुझाव दिया गया है। आयोग ने कहा कि दिल्ली-एनसीआर में आमतौर पर ख़राब वायु गुणवत्ता के लिए वाहनों से होने वाला प्रदूषण सबसे महत्वपूर्ण योगदानकर्ताओं में से एक है। इसमें यह भी जोड़ा गया कि पुराने हो चुके वाहनों का उपयोग हमेशा से चिंता का विषय रहा है। एनजीटी ने 2014-2015 में एनसीआर में पुराने हो चुके वाहनों को प्रतिबंधित करने के लिए कई आदेश पारित किए थे। कोर्ट के आदेश के अनुसार, ऐसे वाहनों को जब्त किया जाना था। सीएक्यूएम ने बताया कि बी एस सेकंड मानक वाले वाहन 15 साल से अधिक समय से, बी एस सेकंड 20 साल से अधिक समय से, और बी एस-वन 24 साल से अधिक समय से उपयोग में हैं। आयोग ने विशेष रूप से सर्दियों के मौसम में असाधारण स्थिति का हवाला दिया, जो प्रतिकूल मौसम संबंधी परिस्थितियों के कारण प्रदूषकों के खराब फैलाव के कारण होती है, और उत्सर्जन मानकों के आधार पर प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों के चलने पर प्रतिबंध लगाने का आह्वान किया। सीएक्यूएम ने कहा कि लगभग 93 प्रतिशत वाहन हल्के मोटर वाहन और दोपहिया वाहन हैं। आयोग ने आगे कहा कि प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों का सबसे बड़ा हिस्सा यही है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच (पीठ) की ओर से दिल्ली में वायु प्रदूषण के मामले की सुनवाई के लिए सीएक्यूएमकी रिपोर्ट पर विचार किए जाने की उम्मीद है। 2014 और 2018 के आदेशों को कभी भी सख्ती से लागू नहीं किया गया था। भारतीय जनता पार्टी, जो इस साल दिल्ली में सत्ता में आई और जिसने प्रदूषण को अपने चुनावी मुद्दों में से एक बनाया था,

सीएपीएफ भर्ती से जुड़े केस में दी बड़ी राहत

4 एमएम कम हाइट वाला बन सकेगा कमांडर

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट ने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) भर्ती से जुड़े एक महत्वपूर्ण मामले में उम्मीदवार को बड़ी राहत दी है। हाईकोर्ट ने कहा कि महज 0.4 सेंटीमीटर कम लंबाई होने के आधार पर किसी योग्य उम्मीदवार को चयन प्रक्रिया से बाहर करना अनुचित और अवैध है। हाईकोर्ट ने कहा कि 164.6 सेंटीमीटर लंबाई को 165 सेंटीमीटर माना जाना चाहिए। जस्टिस सी. हरि शंकर और जस्टिस ओम प्रकाश शुक्ला की बेंच ने कहा कि भर्ती नियमों के मुताबिक, 0.5 सेंटीमीटर से कम का अंतर नजरअंदाज किया जाना चाहिए। वहीं, 0.5 सेंटीमीटर या उससे अधिक होने पर लंबाई को एक मान लिया जाता है। इसलिए उम्मीदवार की 164.6 सेंटीमीटर की लंबाई को सीधे 165 सेंटीमीटर माना जाना चाहिए था। बेंच ने अपने आदेश में कहा कि सीएपीएफ भर्ती के लिए मेडिकल जांच टेस्ट को लेकर जारी दिशानिर्देश में भी कहा गया है कि 0.5 सेंटीमीटर से कम लंबाई के अंतर को नजरअंदाज किया जाएगा। याचिकाकर्ता ने हाईकोर्ट को बताया था कि सीएपीएफ में असिस्टेंट कमांडेंट पद के लिए आवेदन के दौरान उसकी लंबाई 164.6 सेंटीमीटर नापी गई, जिसके कारण उसे अयोग्य घोषित कर दिया गया। हाईकोर्ट ने इसे प्रथम दृष्टया गलत मानते हुए उम्मीदवार को आगे की चयन प्रक्रिया में शामिल होने की अनुमति दे दी है। हालांकि, अदालत ने स्पष्ट किया कि भर्ती के अन्य चरणों को उम्मीदवार को स्वयं पास करना होगा, तभी अंतिम नियुक्ति पर निर्णय लिया जाएगा। इस मामले में याचिका को प्रथम दृष्टया उम्मीदवार के पक्ष में पाते हुए हाईकोर्ट की बेंच ने केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। सरकार को जवाब दाखिल करने के लिए एक सप्ताह का समय दिया गया है।

दिल्ली क्राइम ब्रांच को बड़ी सफलता, ट्रांसपोर्टरों व ट्रैफिक पुलिस से वसूली करने वाले 2 गिरोह पकड़े

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच ने राजधानी में ट्रांसपोर्टरों से संगठित तरीके से वसूली करने वाले दो गिरोहों का भंडाफोड़ करते हुए सरगनाओं सहित कई गुर्गों को गिरफ्तार किया है। ये गिरोह कॉमर्शियल वाहनों को फर्जी मार्का/स्टिकर बेचते थे और मॉर्फ्ड वीडियो बनाकर ट्रांसपोर्टरों के साथ-साथ ट्रैफिक पुलिसकर्मियों तक से वसूली करते थे। पुलिस ने छापेमारी के दौरान इनके कब्जे से 200 से अधिक नकली मार्का/स्टिकर बरामद किए हैं। पहले गिरोह का सरगना जीशान अली है, जो नो-एंट्री प्रतिबंध के दौरान कॉमर्शियल मालवाहक वाहनों की आवाजाही में सहायता के नाम पर प्रति वाहन हर महीने दो से पांच हजार रुपये लेकर स्टिकर देता था।

दूर हो गई डबल डेकर पुल की सबसे बड़ी रुकावट

डीएमआरसी ने बताया कब तक बन जाएगा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के पहले डबल-डेकर पुल के निर्माण की एक बड़ी रुकावट पिछले हफ्ते दूर हो गई। इस मामले की जानकारी रखने वाले अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन को कई पेड़ों को काटने और दूसरी जगह लगाने की अनुमति मिल गई है, जो फ्लाईओवर के रैंप के निर्माण को रोक रहे थे। यह डबल-डेकर पुल 1.4 किलोमीटर लंबा है और इसे भजनपुरा और यमुना विहार मेट्रो स्टेशनों के बीच बनाया जा रहा है। यह पुल पिंक लाइन कॉरिडोर के विस्तार (मौजपुर से मजलिस पार्क तक) का हिस्सा है। हालांकि, निर्माण कार्य दो साल से ज्यादा समय से अटका हुआ था, क्योंकि डीएमआरसीको निर्माण पूरा करने के लिए पेड़ों को काटने की अनुमति की जरूरत थी।

इस मामले की जानकारी रखने वाले एक अधिकारी ने बताया कि डीएमआरसीऐसे तीन डबल-डेकर पुल बना रही है, लेकिन उम्मीद है कि यह पुल सबसे पहले बनकर तैयार होगा, शायद अगले साल के मध्य तक ये पूरा हो जाए। अधिकारी ने कहा, दो साल से ज्यादा समय से काम रुका हुआ था, क्योंकि फ्लाईओवर के रास्ते में कई पेड़ आ रहे थे। हालांकि, पेड़ों को काटने की अनुमति नहीं मिल रही थी। डीएमआरसी के कॉर्पोरेट कम्युनिकेशंस के प्रधान कार्यकारी निदेशक अनुज दयाल ने बताया कि भजनपुरा और यमुना विहार के बीच का डबल-डेकर सेक्शन फिलहाल ट्रेनों के चलने के लिए तैयार है, लेकिन, डबल-डेकर पुल के सड़क वाले हिस्से (फ्लाईओवर) का रैंप (चढ़ाव) अभी तक तैयार नहीं था। दयाल ने कहा, पेड़ काटने की अनुमति पिछले सप्ताह ही मिली है, और डीएमआरसी बचे हुए हिस्से के निर्माण के लिए लोक निर्माण विभाग के साथ समन्वय कर रहा है। डीएमआरसी इसके अलावा दो डबल-डेकर पुल बना रहा है।

दिल्ली से गुरुग्राम-बावल तक चलेगी नमो भारत

नई दिल्ली, एजेंसी। अगले साल में दिल्ली के सराय काले खां से गुरुग्राम होते हुए बावल तक नमो भारत ट्रेन चलाने के लिए कार्य शुरू हो जाएगा। ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो के निर्माण के दूसरे चरण का टेंडर आवंटित कर दिया जाएगा। यह बात विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा करने के पश्चात मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनवरी, 2014 में चलाया था। इसके तहत अधिकांश विभागों की बड़ी परियोजनाओं की समीक्षा की जाती है। सैनी ने कहा कि एसपीआर पर निर्माणाधीन बरसाती नाले का निर्माण कार्य अगले साल मई माह में मानसून से पहले पूरा कर लिया जाएगा। यमुना को प्रदूषण से बचाने के लिए धनवापुर में 100 एमएलडी क्षमता के सीवर शोधन संयंत्र का टेंडर लगा दिया है। पत्रकारवार्ता को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि शहरी क्षेत्र के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए 1700 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

बात का बतंगड़ ना बनाए जापान, रूस को लेकर चीन देने लगा नसीहत

बीजिंग, एजेंसी। चीन और रूस द्वारा की गई पेट्रोलिंग पर जापान के रिएक्शन पर अब ड्रैगन ने नई नसीहत दी है। चीनी विदेश मंत्रालय की तरफ से कहा गया है कि टोक्यो को चीन और रूस की सेनाओं द्वारा की गई इस पेट्रोलिंग से परेशान होने की जरूरत नहीं है क्योंकि यह उनके वार्षिक साझा कार्यक्रम का हिस्सा है। गौरतलब है कि चीन और रूस की साझा पेट्रोलिंग के बाद जापान ने भी गुरुवार को इस बात की घोषणा की थी कि उसने अमेरिका के साथ मिलकर एक संयुक्त हवाई अभ्यास किया है। जापानी प्रधानमंत्री के ताइवान पर दिए बयान के बाद चीन और जापान के बीच कूटनीतिक तनाव अपने चरम पर है।

रूस और चीन द्वारा की गई इस पेट्रोलिंग पर चिंता जाहिर करते हुए जापान के संयुक्त चीफ्स ऑफ डिफेंस स्टाफ ने बुधवार को कहा कि इससे क्षेत्र में तनाव का माहौल बढ़ता है। जापान ने आरोप लगाया कि एक दिन पहले दो रूसी टीयू-95 परमाणु क्षमता वाले बॉम्बर जापान सागर से उड़कर दो चीनी एच-6 बॉम्बर्स से पूर्वी चीन सागर में मिले और फिर दोनों देशों ने जापान के चारों ओर संयुक्त उड़ान भरी। जापान की तरफ से कहा गया कि इसी तनाव को कम करने के लिए जापानी सेना ने भी अमेरिकी सेना के साथ एक संयुक्त अभ्यास किया है। इससे पहले भी जापान द्वारा चीन के ऊपर आरोप लगाया गया था कि बीजिंग ने इंटरनेशनल वॉटर्स में दो बार जापानी फाइटर जेट्स को रडॉर लॉक कर दिया था। इसके बाद उसे अपने जहाजों को स्क्रैंबल (तेजी से उड़ान भरकर खतरे की जांच करने) का आदेश देना पड़ा। इसके बाद जापान ने चीनी राजदूत को तलब किया। हालांकि, इस घटना के बाद दोनों पक्षों ने अपने-अपने तरीकों से बयान जारी किया। चीन की तरफ से कहा गया कि जापानी जहाजों ने बिना अनुमति के चीनी क्षेत्र में प्रवेश करके जासूसी करने की कोशिश की थी, इसके बाद तनाव पैदा हुआ।

जापान और चीन के बीच में वैसे तो विवाद काफी पुराना है लेकिन हाल ही में जापान की नई नवेली प्रधानमंत्री तकाइची के एक बयान के बाद विवाद बढ़ गया है। दरअसल, उन्होंने खुले तौर पर ताइवान की तरफदारी करते हुए कहा कि अगर चीन ताइवान की और सैन्य खतरा पैदा करता है या सैन्य कार्रवाई करने की कोशिश करता है तो जापान इसमें हस्तक्षेप करेगा। ताइवान को अपना अभिन्न अंग मानने वाले बीजिंग ने इस बयान के प्रति कड़ी प्रतिक्रिया जताई।

खैबर पख्तूनख्वा की विधानसभा में आसिम मुनीर के नाम पर बवाल

पेशावर, एजेंसी। पाकिस्तान में आसिम मुनीर को भारत के ऑपरेशन सिंदूर में मात खाने के बाद फील्ड मार्शल बनाया गया है। इसके अलावा चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ का दर्जा भी संविधान संशोधन करके मिला है। जानकार मानते हैं कि पाकिस्तान ने ऐसा इसलिए किया है ताकि भारत से मिली हार को छिपाया जा सके और जनता में गलत जानकारी देकर ही सही, सेना और सरकार का भरोसा कायम रहे। फिर भी इमरान खान के नेतृत्व वाली विपक्षी पार्टी पीटीआई से सेना की अदावत जारी है। यहां तक कि गुरुवार को तो खैबर पख्तूनख्वा की विधानसभा में आसिम मुनीर के पोस्टर लहराए जाने पर विवाद छिड़ गया।

पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता की ओर से इमरान खान और खैबर के सीएम सोहैल आफरीदी के खिलाफ बयान देने पर भी विवाद मचा है। सदन में पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज की महिला विधायक सोबिया शाहिद ने फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के पोस्टर लहराए। इस पर स्पीकर सुरैया बीबी ने मार्शलों को आदेश दिया कि वे आसिम मुनीर के पोस्टरों को हटाएं। इसके अलावा उन्होंने पीएमएल-एन की विधायक से भी कहा कि चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ सेना का प्रतिनिधित्व करते हैं। उनका आपकी पार्टी से कोई ताल्लुक नहीं है। उन्होंने कहा कि आप अपनी परफॉर्मेंस के बारे में बात करें। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ की तस्वीरें लहराने का क्या मतलब है। देश में गंभीर समस्याएं हैं। गरीबी, आर्थिक संकट और राजनीतिक अस्थिरता है। इसके बाद भी सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी पीटीआई नेतृत्व के खिलाफ बयान देते हैं। विशेष तौर पर इमरान खान और सीएम सोहैल आफरीदी के खिलाफ उन्होंने जो बोला है, उससे खैबर पख्तूनख्वा के लोगों में गुस्सा है। पीटीआई के विधायक हुमायूं खान ने कहा कि आखिर सेना के लोगों को राजनीतिक मसले में बोलने की क्या जरूरत है।

रूस के सेंट पीटर्सबर्ग के बाजार में जोरदार धमाकों से लगी आग

मास्को, एजेंसी। रूस के सेंट पीटर्सबर्ग शहर से एक बड़े हादसे की खबर सामने आई है। शहर के सबसे बड़े बाजारों में से एक में बुधवार शाम तेज धमाकों के बाद भीषण आग लग गई। आग लगते ही पूरे मार्केट कॉम्प्लेक्स में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही राहत और बचाव टीमें मौके पर पहुंचीं।

रूसी मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, आग लगने से पहले बाजार क्षेत्र में एक के बाद एक कई धमाकों की आवाजें सुनाई दीं। इसके तुरंत बाद आग ने पूरे कॉम्प्लेक्स को अपनी चपेट में ले लिया। आग की तीव्रता को देखते हुए दमकल विभाग ने बड़ी संख्या में जवान और उपकरण मौके पर भेजे। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में बाजार में तेज़ी से फैलती आग को साफ देखा जा सकता है। ऊंची लपटें और घना काला धुआं रात के अंधेरे में दूर तक फैलता दिखाई दिया, जिससे स्थानीय लोग दहशत में आ गए। रूसी आपातकालीन मंत्रालय ने बताया कि जिस इमारत में आग लगी, उसमें अत्यधिक ज्वलनशील सामग्री मौजूद थी, जिसके कारण आग तेजी से फैल गई। फिलहाल आग लगने के सटीक कारणों की जानकारी नहीं मिल सकी है। नेवस्की जिले के अभियोजक कार्यालय ने इस घटना की जांच शुरू कर दी है। मंत्रालय ने जानकारी दी कि आग पर काबू पाने के लिए 96 दमकलकर्मी और 26 फायरफाइटिंग उपकरण तैनात किए गए। शुरुआती रिपोर्टों में 1 व्यक्ति के घायल होने और 1 की मौत की पुष्टि हुई है।

अस्पताल पर हुआ हवाई हमला, 30 की मौत 70 घायल

यांगून, एजेंसी। म्यांमार इन दिनों गंभीर गृहयुद्ध की आग में झुलस रहा है। 10 दिसंबर की रात राखाइन प्रांत के एक अस्पताल पर एयर-स्ट्राइक हुआ, जिसमें कम से कम 30 लोगों की मौत हो गई और लगभग 70 लोग घायल हुए। स्थानीय सूत्रों का कहना है कि इस अस्पताल में विद्रोही समूह अराकन आर्मी के लड़के इलाज करा रहे थे या छिपे हुए थे। हालांकि, म्यांमार की सेना और सरकार की तरफ से इस हमले को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

म्यांमार में वर्तमान संघर्ष की जड़ें 1 फरवरी 2021 तक जाती हैं। उस दिन म्यांमार की सेना (तत्मादाव) ने लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार को उखाड़ फेंका। आंग सान सू ची की पार्टी

नेशनल लीग फॉर डेमोक्रेसी ने 2020 के चुनावों में भारी बहुमत हासिल किया था। सेना ने चुनाव में धांधली का आरोप लगाते हुए सत्ता हथिया ली। इस तख्तापलट के बाद देशभर में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए, लेकिन सेना ने इन्हें हिंसक रूप से दबा दिया। विरोध के बाद नए सशस्त्र समूहों का गठन हुआ। इनमें प्रमुख है पीपुल्स डिफेंस फोर्स (पीडीएफ), जो नेशनल यूनिटी गवर्नमेंट (एनयूजी) की सशस्त्र शाखा है। इसके अलावा, देश के कई जातीय सशस्त्र संगठन भी लंबे समय से स्वशासन और अधिकारों की मांग कर रहे हैं, जैसे करेन नेशनल यूनियन और काचिन इंडिपेंडेंस ऑर्गनाइजेशन। विद्रोही समूहों ने 2024 तक देश के लगभग 40-50त्न इलाकों पर नियंत्रण कर लिया था। खासकर सीमावर्ती क्षेत्र जैसे शान स्टेट और राखाइन स्टेट में उनका दबदबा मजबूत था। लेकिन 2025 में सेना ने बड़े पैमाने पर जवाबी कार्रवाई शुरू कर दी। हालांकि, बड़े शहर जैसे यांगून पर सेना का नियंत्रण अभी भी कायम है।

संचालित योजनाओं की उपायुक्त ने की समीक्षा, दिए जरूरी दिशा

संस्थागत प्रसव को शत प्रतिशत सुनिश्चित करें, गंभीर रोग ग्रस्त मरीजों की मैपिंग करें

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। समाहरणालय सभागार में गुरुवार को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) की उपायुक्त अजय नाथ झा ने समीक्षा बैठक की। मौके पर उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, सिविल सर्जन डा. ए बी प्रसाद समेत अन्य उपस्थित थे। बैठक में उपायुक्त ने स्वास्थ्य व्यवस्था की व्यापक समीक्षा की और कई महत्वपूर्ण दिशा - निर्देश दिए।

चिकित्सक एवं स्वास्थ्यकर्मी रूटीन नहीं,पैशन के साथ करें कार्य

बैठक में उपायुक्त ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं को रूटीन कार्य की बजाय समर्पण और पैशन के साथ करने पर बल दिया। चिकित्सकों व स्वास्थ्यकर्मियों की भूमिका सीधे आमजन की जिंदगी से जुड़ी है, इसलिए रूटीन स्वरूप में कार्य करने की मानसिकता को बदलना होगा। उन्होंने टीम भावना, समयपालन और गुणवत्तापूर्ण सेवा को अनिवार्य बताते हुए सेवा भाव से कार्य करने की बात कहीं।

एएनसी जांच में सुधार लाएं - एमओआइसी करें नियमित बैठक और मॉनिटरिंग

मातृ स्वास्थ्य से जुड़ी एएनसी (एंटिनेटल केयर) जांच को लेकर उपायुक्त ने चिंता जताई और प्रदर्शन में सुधार लाने का निर्देश दिया। उपस्थित प्रखंड चिकित्सा प्रभारी पदाधिकारी (एमओआइसी) को निर्देश दिया कि वे इस बिंदु पर नियमित बैठक कर सभी एएनएम, आंगनबाड़ी कर्मी - स्वास्थ्य सहिया की समीक्षा करें। उन्होंने कहा कि एमओआइसी केवल चिकित्सा अधिकारी की भूमिका में नहीं रहें, बल्कि पूरे प्रखंड की स्वास्थ्य व्यवस्था को बेहतर करने के लिए प्रशासक की भूमिका निभाएं। जिससे योजनाएं धरातल पर लागू हों।

संस्थागत प्रसव को शत-प्रतिशत सुनिश्चित करें, गंभीर रोगग्रस्त मरीजों की करें मैपिंग - हेल्थ कार्ड बनाएं

उपायुक्त ने समीक्षा बैठक में स्पष्ट रूप से कहा कि जिले में हर गर्भवती का संस्थागत प्रसव सुनिश्चित किया जाए। इसमें कहीं से कोई चूक नहीं हो। इसके साथ ही - एमओआइसी को प्रखंडवार गंभीर रोगग्रस्त मरीजों की मैपिंग करने और उनकी स्वास्थ्य स्थिति का हेल्थ कार्ड तैयार करने का निर्देश दिया, ताकि निगरानी और उपचार की प्रक्रिया और मजबूत हो सके। निजी अस्पतालों में जन्में शिशुओं का शत प्रतिशत जीरो डोज सुनिश्चित करें - अस्पतालों में प्रचार -प्रसार व डिस्प्ले बोर्ड लगाने का दिया निर्देश उपायुक्त ने टीकाकरण की समीक्षा करते हुए कहा कि निजी अस्पतालों में जन्म लेने वाले सभी बच्चों को जीरो डोज शत-प्रतिशत दिया जाए। इन अस्पतालों में इस संबंध में प्रचार-प्रसार, सूचना बोर्ड एवं डिस्प्ले अनिवार्य रूप से लगाए जाएं। औचक निरीक्षण के दौरान वरीय पदाधिकारी इसका जायजा लें।

जिले के 2275 टीबी मरीजों को फूड बास्केट योजना का लाभ मिले, सीएसआर नोडल पदाधिकारी को दिया निर्देश

उपायुक्त ने बताया कि जिले में कुल 2275 टीबी मरीज चिह्नित हैं। उन्होंने निर्देश दिया कि फूड बास्केट योजना के तहत सभी मरीजों को शत-प्रतिशत कवर किया जाए। इसके लिए सीएसआर नोडल पदाधिकारी शक्ति कुमार को आवश्यक कार्रवाई - समन्वय कर सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया।

एनएचएम के सभी प्रमुख कार्यक्रमों, मलेरिया, कुपोषण, आयुष्मान आदि की समीक्षा

बैठक में टीकाकरण कार्यक्रम, मातृ-शिशु स्वास्थ्य, टीबी उन्मूलन, एनसीडी, मलेरिया, कुपोषण, आयुष्मान, मेंटल हेल्थ, स्वास्थ्य संस्थानों की कार्यक्षमता, पोषण कार्यक्रम, दवा उपलब्धता, मैनपावर, रिपोर्टिंग सिस्टम आदि सभी बिंदुओं की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने कहा कि जमीनी स्तर पर सेवा का प्रभाव तभी दिखेगा जब सभी स्वास्थ्यकर्मी समय पर ड्यूटी, फील्ड विजिट और सटीक रिपोर्टिंग करेंगे। उन्होंने स्वास्थ्य केंद्रों में उपचार के लिए आने वाले मरीजों - उनके परिवार के सदस्यों - अटेंडेंट के साथ अच्छा व्यवहार करने का अपील किया। कहीं अगर किसी तरह की कोई बात आती है, तो उसे निजी नहीं लेना है, अपने दायित्व का बेहतर प्रदर्शन करना है।

उपायुक्त ने देर रात शहर का किया औचक निरीक्षण, अलाव जलाने की स्थिति का लिया जायजा

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जिले में अचानक कड़ाके की ठंड से जनजीवन प्रभावित हो रहा है, ऐसे में राहत व्यवस्था सुनिश्चित करने को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है। इसी क्रम में उपायुक्त अजय नाथ झा ने बुधवार देर रात शहर के विभिन्न इलाकों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कई स्थानों पर अलाव की व्यवस्था नहीं मिलने पर उपायुक्त ने कड़ी नाराजगी जताई। उपायुक्त ने साफ कहा कि आम जनता को राहत पहुंचाने में किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। शहर के चास क्षेत्र में अलाव व्यवस्था संतोषजनक नहीं पाए जाने पर उपायुक्त ने चास सीओ से तत्काल स्पष्टीकरण पूछने का अपर समाहर्ता को निर्देशित किया है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि मौसम की स्थिति को देखते हुए समय पर आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराएं। इस बाबत सभी अंचलों , नगर निगम चास एवं नगर परिषद फुसरों को राशि एवं निर्देश उपलब्ध कराया गया है। इसके साथ ही बीएसएल नगर प्रशासन को निर्देश दिया गया है कि बीएस सिटी के सभी महत्वपूर्ण चौक-चौराहों पर 24 घंटे के भीतर अलाव की व्यवस्था हर हाल में सुनिश्चित करें। उपायुक्त ने जिले के सभी वरीय पदाधिकारियों को भी अपने-अपने प्रखंडों के ग्रामीण क्षेत्रों में रात के समय दौरा कर अलाव जलाने की स्थिति का वास्तविक जायजा लेने और व्यवस्था को प्रभावी बनाने को कहा। देर रात निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने सेक्टर वन-सी राम मंदिर, 12 मोड़, दुंढी बाजार मोड़, नया मोड़-बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, आइटीआइ मोड़, धर्मशाला मोड़ चास सहित कई अन्य स्थानों का निरीक्षण किया। इस क्रम में केवल नगर निगम चास द्वारा धर्मशाला मोड़ में अलाव की व्यवस्था पाई गई। शेष अन्य स्थानों पर अलाव की व्यवस्था नहीं होने पर संबंधित अधिकारियों को तत्काल व्यवस्था सुधारने का निर्देश दिया। उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि ठंड से राहत के लिए अलाव जैसी बुनियादी सुविधा उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। जनता की परेशानी में कोई भी लापरवाही स्वीकार्य नहीं है। सभी अधिकारी अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह तत्परता के साथ करें। मौके पर अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारी शक्ति कुमार आदि उपस्थित थे।

सदर अस्पताल का उपायुक्त ने किया औचक निरीक्षण, साफ - सफाई पर जताया संतोष

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। ठंड भरी रात में उपायुक्त अजय नाथ झा ने बुधवार देर रात अचानक सदर अस्पताल बोकारो पहुंचकर विभिन्न वार्डों और सुविधाओं का निरीक्षण किया। अस्पताल परिसर एवं वार्डों में सफाई की स्थिति संतोषजनक मिलने पर उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की। उपायुक्त ने सबसे पहले इमरजेंसी वार्ड का निरीक्षण किया, जहां चिकित्सक और स्वास्थ्यकर्मी ड्यूटी पर तैनात मिले। इसके बाद उन्होंने महिला वार्ड, पुरुष वार्ड सहित अन्य महत्त्वपूर्ण इकाइयों का भी जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान महिला वार्ड में मेल अटेंडेंट के मौजूद रहने पर उन्होंने आपत्ति जताई और तुरंत व्यवस्था सुधारने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि महिला वार्ड में गोपनीयता और सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है, और किसी भी तरह की लापरवाही सहन नहीं की जाएगी। यह निर्देश दिया कि मरीजों के साथ आने वाले अटेंडेंट के रहने के लिए रात्रि में अलग व्यवस्था सुनिश्चित की जाए ताकि उन्हें मूलभूत सुविधा उपलब्ध हो सके। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने अस्पताल में भर्ती मरीजों और उनके परिजनों से बातचीत की, उनकी समस्याएं और सुझाव सुने। उन्होंने कहा कि अस्पताल सेवाओं में सुधार प्रशासन की प्राथमिकता है और जिला प्रशासन समय-समय पर निरीक्षण कर स्थिति की निगरानी करता रहेगा। उपायुक्त ने अंत में कहा कि अस्पताल प्रबंधन को इसी तरह हमेशा अलर्ट रहना चाहिए। अगर कोई मरीज आता हैं तो उसे तुरंत अटेंड किया जा सके। उनकी सुरक्षा व सुविधा संबंधित प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन कराएं। मौके पर अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, आन ड्यूटी चिकित्सक डा. राजश्री, डीडीएमओ शक्ति कुमार, एपीआरओ अविनाश कुमार सिंह आदि उपस्थित थे।

भोजूडीह में खुलेआम चल रहा है अवैध लॉटरी का खेल

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। पश्चिम बंगाल की सीमा से सटा भोजूडीह इन दिनों एक ऐसे 'काले कारोबार' का केंद्र बन गया है, जो न केवल कानून की धज्जियां उड़ा रहा है, बल्कि हजारों परिवारों को बबार्दी के कगार पर धकेल रहा है। यहां अवैध लॉटरी का धंधा बेखौफ चलाया जा रहा है। हैरानी की बात यह है कि सब कुछ खुलेआम होने के बावजूद स्थानीय पुलिस प्रशासन की भूमिका सवालों के घेरे में है। देखने में यह एक सामान्य बाजार लग सकता है, लेकिन इसकी परतों के नीचे अवैध लॉटरी का एक ऐसा सिंडिकेट चल रहा है। बंगाल सीमा से सटे होने का फायदा उठाकर तस्कर और स्थानीय एजेंट इस धंधे को दिन-रात चला रहे हैं। खबर है कि इस गिरोह का रोजाना का टर्नओवर लाखों रुपये में है। लेकिन इस मुनाफे की कीमत चुका रहे हैं यहां के गरीब मजदूर और बेरोजगार युवा। रातों-रात अमीर बनने का सपना दिखाकर यह गिरोह उनकी मेहनत की गाढ़ी कमाई लूट रहा है। स्थानीय निवासियों में इस बात को लेकर गहरा आक्रोश है। "पुलिस सब जानती है। गली-गली में टिकट बिक रहे हैं, लोग बर्बाद हो रहे हैं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं होती। ऐसा लगता है जैसे प्रशासन ने आंखों पर पट्टी बांध रखी है। सबसे बड़ा सवाल चंदनकियारी और भोजूडीह पुलिस की कार्यप्रणाली पर खड़ा हो रहा है। आखिर जब आम जनता को यह अवैध कारोबार दिखाई दे रहा है, तो खाकी वर्दीधारियों को यह क्यों नजर नहीं आता? क्या यह केवल उदासीनता है, या फिर इसके पीछे कोई 'बड़ा संरक्षण' है? पुलिस की यह चुप्पी तस्करों के हौसले बुलंद कर रही है।

बोकारो के ज्यादा से ज्यादा बच्चों को मिलेगा कौशल विकास प्रशिक्षण

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में गुरुवार को उपायुक्त अजय नाथ झा ने श्रम, कौशल एवं कारखाना निरीक्षक विभाग के विभागीय कार्यों की प्रगति का समीक्षा किया और कई महत्वपूर्ण दिशा - निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि श्रमिकों की सुरक्षा, योजनाओं के लाभुकों को पारदर्शी लाभ और युवा वर्ग को गुणवत्तापूर्ण कौशल प्रशिक्षण देना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

कारखानों का नियमित निरीक्षण करें फैक्ट्री निरीक्षक

उपायुक्त ने बैठक में उपस्थित फैक्ट्री निरीक्षक को निर्देश दिया कि जिले के सभी कारखानों का नियमित एवं विस्तृत भौतिक निरीक्षण सुनिश्चित करें। औद्योगिक इकाइयों में सुरक्षा मानकों की समीक्षा, श्रमिकों के लिए अनिवार्य सुविधाओं की उपलब्धता, मशीनों की सुरक्षा व्यवस्था आदि सभी बिंदुओं की सख्ती से जांच करते हुए नियमों के कड़ाई से अनुपालन को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने स्पष्ट कहा कि कोई भी फैक्ट्री सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करते पाया जाता है तो तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करें। वहां काम करने वाले श्रमिकों व आमजनों की सुरक्षा जरूरी है। उपायुक्त ने फैक्ट्री निरीक्षक को बालीडीह बियाडा क्षेत्र के सभी औद्योगिक इकाईयों का कैटेगरी वार सूची तैयार करने, काम करने वाले श्रमिकों की संख्या, उत्पादन - वार्षिक टर्न ओवर आदि की जानकारी अगली बैठक से पूर्व समर्पित करने का निर्देश दिया।

योजनाओं के लाभुकों का कराएं सोशल ऑडिट

उपायुक्त ने श्रम विभाग द्वारा संचालित योजनाओं - निर्माण श्रमिक सेफ्टी किट योजना, मेधावी पुत्र - पुत्री छात्रवृति योजना, अंत्योष्टि सहायता योजना, झारखंड निर्माण कर्मकार मृत्यु/दुर्घटना सहायता योजना, मातृत्व प्रसुविधा योजना, श्रमिक औजार किट, पेंशन योजना, मुख्यमंत्री असंगठित श्रमिक औजार सहायता योजना, साइकिल सहायता योजना, विवाह सहायता योजना, प्रवासी श्रमिक योजनाआदि की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि योजनाओं का सोशल ऑडिट कर लाभुकों की वास्तविक स्थिति की जांच की जाए।

लेबर सेस की वसूली सुनिश्चित करें, विभाग और कंपनियों को भेजे पत्र

उपायुक्त ने कहा कि जिला स्तर पर लेबर सेस की वसूली में लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने जिला श्रम अधीक्षक रंजीत कुमार को संबंधित विभागों - निर्माण एजेंसियों और विभिन्न कंपनियों को पत्र जारी कर सेस जमा करने का निर्देश दिया। ताकि श्रमिक कल्याण योजनाओं के लिए धन की उपलब्धता बनी रहे। उन्होंने कहा कि नियमों की अनदेखी किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बच्चों और युवाओं को कौशल प्रशिक्षण से जोड़ने पर विशेष बल

उपायुक्त ने कौशल विकास कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए कहा कि बोकारो जिले के अधिक से अधिक युवाओं और स्कूली बच्चों को कौशल प्रशिक्षण, नई तकनीक और रोजगार आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रमों से जोड़ा जाए। उन्होंने निर्देश दिया कि कौशल समन्वयक हर सप्ताह समाहरणालय में मंगलवार एवं शुक्रवार आयोजित होने वाले जनता दरबार में उपस्थित रहें ताकि प्रशिक्षण से संबंधित शिकायतें व अनुरोध सीधे सुने जा सकें। बैठक में विभागीय फाइलों, योजनाओं की प्रगति, रिपोर्टिंग सिस्टम और फील्ड निरीक्षण की स्थिति की समीक्षा की गई।

संक्षिप्त समाचार

इमर्जिंग झारखंड बिजनेस कॉन्क्लेव का 13 व 14 दिसंबर को होगा आयोजन

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। झारखंड इंडस्ट्रीज एंड ट्रेड एसोसिएशन और एल्यूर सोसाइटी के द्वारा संयुक्त रूप से आगामी 13 एवं 14 दिसंबर को गोविंदपुर स्थित राजविलास लग्जरी रिसोर्ट में इमर्जिंग झारखंड बिजनेस कांक्लेव का आयोजन किया जा रहा है। इसमें नॉलेज पार्टनर के तौर पर आईआईटी आईएसएम की बड़ी भूमिका है। इसी संदर्भ में गुरुवार को यूनियन क्लब में प्रेस वार्ता आयोजन कर झारखंड इंडस्ट्री ट्रेड एसोसिएशन के अध्यक्ष अमितेश सहाय एवं महासचिव राजीव शर्मा ने मीडिया को बताया कि इस कॉनक्लेव का मुख्य उद्देश्य महिला सशक्तिकरण, शिक्षा एवं संस्कृति, स्वास्थ्य, उद्योग एवं व्यवसाय तथा खनन क्षेत्र पर विचार-विमर्श करना है, ताकि झारखंड की औद्योगिक प्रगति को नई गति प्रदान की जा सके।

बैंक ऑफ इंडिया द्वारा जरूरतमंदों के बीच कंबल वितरण

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बढ़ती ठंड के बीच बैंक ऑफ इंडिया ने सामाजिक सरोकार का परिचय देते हुए पिंड्राजोरा क्षेत्र के सैकड़ों जरूरतमंद और असहाय लोगों के बीच कंबलों का वितरण किया। कंबल वितरण कार्यक्रम पिंड्राजोरा पंचायत सचिवालय परिसर में आयोजित किया गया, जिसमें सरदाहा, कुमारदागा, पौखन्ना, पिंड्राजोरा, उलगोड़ा, गोपालपुर और काशीझरिया सहित कुल आठ गांवों के लाभुक शामिल हुए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बैंक ऑफ इंडिया के अंचल कार्यालय से राजेंद्र प्रसाद तथा पिंड्राजोरा शाखा के प्रबंधक प्रदीप कुमार झा उपस्थित रहे। दोनों अधिकारियों ने अपने हाथों से जरूरतमंदों को कंबल वितरित किए। शाखा प्रबंधक प्रदीप कुमार झा ने कहा कि मानव सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं होता, इसलिए बैंक समय-समय पर सामाजिक कार्यों में अपनी भागीदारी निभाता रहेगा।

धनबाद समाहरणालय में कार पर्किंग निर्माण कार्य प्रगति पर

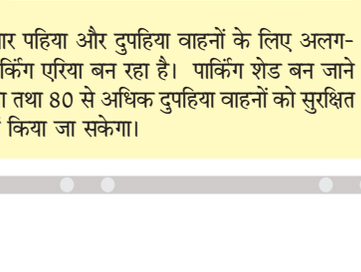

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन के निर्देश पर समाहरणालय आने वाले आगंतुकों के लिए समाहरणालय के पूर्वी हिस्से में विशाल पार्किंग शेड का निर्माण कार्य प्रगति पर है। पार्किंग का फ्रेमवर्क पूरा हो चुका है। शीघ्र शेड लगाने का कार्य आरंभ होगा। इस संबंध में उपायुक्त ने कहा कि प्रतिदिन बड़ी तादाद में आम लोग अपने विभिन्न कार्यों से समाहरणालय आते हैं। आम जनों के साथ पदाधिकारी, मीडिया कर्मी भी समाहरणालय आते हैं। अक्सर उनके वाहन खुले में खड़े रहते हैं। इसलिए चार पहिया और दुपहिया वाहनों के लिए अलग-अलग शेड युक्त विशाल पार्किंग एरिया बन रहा है। पार्किंग शेड बन जाने के बाद उसमें 64 चार पहिया तथा 80 से अधिक दुपहिया वाहनों को सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से पार्क किया जा सकेगा।

स्कूल के मुख्य द्वार पर तम्बाकू मुक्त शिक्षण संस्थान लेखन करना है अनिवार्य

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सिविल सर्जन डॉ अभय भूषण प्रसाद के निदेर्शानुसार प्रखण्ड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी चास प्रतिमा कुमारी की अध्यक्षता में गुरू गोष्ठी का आयोजन बीआरसी चास के सभागार में किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत चास बीपीओ वेंकेटेश्वर के द्वारा विभिन्न मुददों पर चर्चा करते हुए किया गया तत्पश्चात जिला परामर्शी मो असलम के द्वारा राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम बोकारो के द्वारा बताया गया कि स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार ने जो किशोरों व युवाओं को तम्बाकू के लत से बचाने व शैक्षणिक संस्थान को तम्बाकू मुक्त बनाए जाने के उद्देश्य से गाइड लाइन जारी किया है। उसके बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। जिला परामर्शी ने बैठक में आए सभी स्कूल प्राचार्य को बताया गया कि इस वित्तीय वर्ष में बोकारो जिला के सभी विद्यालय को तम्बाकू मुक्त घोषित किया जाना है जिस हेतु सभी स्कूल प्राचार्य यह सुनिश्चित करें कि स्कूल के मुख्य द्वार के पास तम्बाकू मुक्त शिक्षण संस्थान का दीवार लेखन अवश्य कराए। प्रखण्ड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी चास ने उपस्थित सभी प्राचार्य को निर्देश दिया कि जिला शिक्षा पदाधिकारी के आदेशानुसार स्कूल के मुख्य द्वार पर तम्बाकू मुक्त शिक्षण संस्थान का दिवाल लेखन करना अनिवार्य हैं। 30 दिसम्बर तक सभी स्कूल करा ले अन्यथा भ्रमण के क्रम में यदि किसी भी स्कूल में दिवा लेखन नही मिलता है तो उस स्कूल के प्राचार्य पर कार्रवाई की जायेगी। इसे प्राथमिकता देते हुए कार्य को पूरा करें। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के प्रतिनिधि मो असलम जिला परामर्शी एनटीसीपी, छोटेलाल दास एवं चास प्रखण्ड के स्कूल प्राचार्य उपस्थित थें।

स्टीलगेट में 13 दिसंबर से सजेगा 'हरि कथा' का दरबार

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। स्टीलगेट स्थित दुर्गा मंदिर एवं शिव मंदिर प्रांगण में आगामी 13 दिसंबर से सात दिवसीय भव्य 'हर के आँगन में हरि कथा' का शुभारंभ होने जा रहा है। आयोजन को लेकर मंदिर परिसर में तैयारियाँ अंतिम चरण में हैं। वहीं यह जानकारी आयोजन समिति के हित नयन कुमार ने दी। आयोजन समिति ने बताया कि यह धार्मिक अनुष्ठान 13 दिसंबर 2025 से 19 दिसंबर 2025 तक प्रतिदिन शाम 4 बजे से 7 बजे तक आयोजित होगा। श्रद्धालु प्रत्येक दिन कथा श्रवण कर सकेंगे। वही बताया कि 13 दिसंबर को झांकी के साथ कलश यात्रा निकाली जाएगी। यह कलश यात्रा न्यू बैंक कॉलोनी से कार्यक्रम स्थल तक निकाली जाएगी।कार्यक्रम में वृंदावन के सुप्रसिद्ध कथा व्यास पूज्य श्री हित ललितवल्लभ नागार्च अपने मुखारविंद से श्रीकृष्ण लीलाओं एवं हरि कथा का रसपान कराएंगे।

डीएवी के विद्यार्थियों ने झुग्गी-झोपड़ी वासियों के बीच किया सामाजिक सर्वेक्षण

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। डीएवी सेक्टर-4 कला संकाय कक्षा 12वीं के के छात्रों ने अपने राजनीतिक विज्ञान परियोजना के तहत नजदीकी झुग्गी-झोपड़ी क्षेत्रों का सर्वेक्षण किया। इस दौरे का व्यावहारिक उद्देश्य झुग्गी-झोपड़ी क्षेत्र में जीवनोयापन हेतु व्याप्त परिस्थितियों का अवलोकन करना और वहां के निवासियों के रोजमर्रा की जीवन- शैली ,चुनौतियों और आम कठिनायों को समझना था। सर्वेक्षण के दौरान छात्रों ने स्थानीय महिलाओं, बच्चों और परिवारों के अन्य सभी सदस्यों के साथ बातचीत की तथा उनसे शिक्षा, रोजगार, स्वच्छता, आवासीय परिस्थितियाँ, मूलभूत सुविधाओं की पूर्ति और स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों से संबंधित अपनी जिज्ञासा और उत्कंठा भरे सवाल किए।छात्रों ने अपने सर्वेक्षण नोटबुक में उनकी प्रतिक्रिया और सभी उत्तरों को अत्यंत तत्परता से सावधानीपूर्वक नोट किया। इस सर्वेक्षण से छात्रों को पाठ्यपुस्तकों से इतर व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करने में एवं सतही रूप से विषय वस्तु को समझने में सहायता मिली। उन्होंने वास्तविक जीवन की सामाजिक-आर्थिक समस्याओं जैसे बुनियादी स्वच्छता की कमी, स्वच्छ पेयजल तक की सीमित पूर्ति, बेरोजगारी और शिक्षा संबंधी बाधाओं आदि के बारे में स्वयं खोजबीन कर-के तथ्यों को जाना,समझा और उनके प्रति प्रभावी ढंग से जानकार,संवेदनशील और सजग बने। अपने अवलोकनों, सूचनाओं और एकत्रित आंकड़ों के आधार पर, छात्रों ने बाद में एक विस्तृत फाइल रिपोर्ट तैयार की जिसे उन्होंने राजनीतिक विज्ञान परियोजना के अंतर्गत प्रस्तुत किया।

बीएसएल के आरएमपी विभाग में लाइम क्रशर यूनिट का शुभारंभ

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो स्टील प्लांट ने रॉ मटेरियल प्रबंधन प्रक्रिया को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए आरएमपी विभाग के लाइम डिस्चार्ज परिसर में 100 टन प्रतिदिन की उत्पादन क्षमता वाली लाइम क्रशर यूनिट की स्थापना की है। इस मशीन का उद्घाटन अधिशासी निदेशक (संकार्य) श्री प्रिय रंजन द्वारा किया गया। इस अवसर पर अधिशासी निदेशक (ऑपरेशन) श्री अनूप कुमार दत्त भी उपस्थित थे। कार्यक्रम में मुख्य महाप्रबंधक (रिफ्रैक्टरी) श्री नागराजन श्रीकांत, महाप्रबंधक (आरएमपी) श्री मुकेश कुमार, उप महाप्रबंधक (आरएमपी) श्री अनुराग डे, उप महाप्रबंधक (आरएमपी) श्री समीर महापात्रा सहित आरएमपी विभाग एवं एफएसएनएल के कई अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर अधिशासी निदेशक (संकार्य) श्री रंजन ने कहा कि नई लाइम क्रशर यूनिट इस्पात उत्पादन प्रक्रिया को और अधिक गतिशील एवं दक्ष बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने इस कार्य से जुड़े सभी अधिकारियों, कर्मचारियों एवं एफएसएनएल कर्मियों के योगदान की सराहना करते हुए इसे बीएसएल की उत्पादन क्षमताओं में वृद्धि की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। उल्लेखनीय है कि अधिशासी निदेशक (संकार्य) श्री प्रिय रंजन एवं अधिशासी निदेशक (ऑपरेशन) श्री अनूप कुमार दत्त के मार्गदर्शन में स्थापित यह नई लाइम क्रशर यूनिट सिंटर प्लांट के लिए फ्लक्स उत्पादन में महत्वपूर्ण योगदान देगी। कैल्शियम-समृद्ध लाइम के उपयोग से सिंटर की बाईंडिंग स्ट्रेंथ में वृद्धि होगी तथा रिटर्न सिंटर की मात्रा में कमी आएगी। इससे न केवल सिंटर प्लांट की उत्पादकता बढ़ेगी, बल्कि ब्लास्ट फर्नेस को उच्च गुणवत्ता वाला सिंटर उपलब्ध होगा, जिसका सीधा सकारात्मक प्रभाव ब्लास्ट फर्नेस के उत्पादन पर पड़ेगा। इसके अतिरिक्त, यह यूनिट आरएमपी विभाग के रोटरी किल्न को ह्वलेस ऑफ-टेकह्व की स्थिति से सुरक्षित रखते हुए किल्न की उत्पादकता एवं रिफ्रैक्टरी लाइनिंग लाइफ में भी उल्लेखनीय सुधार सुनिश्चित करेगी।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल फोन नंबर- 9431145865 8210783623 आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655 E-mail- nbtimesbihar@gmail.com